THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 332 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन शु.11, 2082 शुक्रवार, 27 फरवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कल से दो दिन के तमिलनाडु पुडुचेरी दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को दो दिवसीय दौरे के लिए तमिलनाडु जाएंगे, जहां वे चेन्नई, मदुरै और पुडुचेरी में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके साथ ही वे मदुरै में एम्स का उद्घाटन करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री शनिवार शाम को चेन्नई पहुंचेंगे और राजभवन में ठहरेंगे। 1 मार्च को वे पुडुचेरी जाएंगे, जहां वे एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के बाद, प्रधानमंत्री मोदी भाजपा की ओर से आयोजित एक जनसभा को संबोधित करेंगे। पुडुचेरी में अपने कार्यक्रम को खत्म करने के बाद, प्रधानमंत्री तमिलनाडु के मदुरै के लिए रवाना होंगे।

> इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा > मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता

जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे : पीएम मोदी

'इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात'

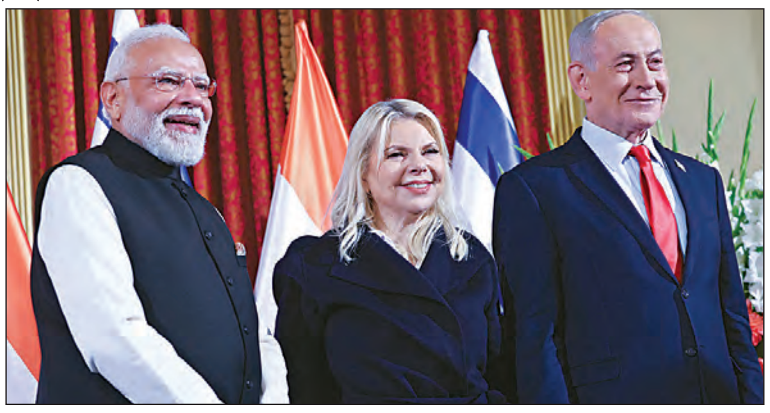

तेल अवीव, 26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल दौरे का आज आखिरी दिन हैं। मोदी दौरे के दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी।

इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) करेगा। मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और वहां की जनता का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। नेसेट (इजराइली संसद) से मिले सम्मान को उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों और भारत-इजराइल दोस्ती को समर्पित किया।

भारत-इजराइल रिश्ते और मजबूत होंगे

दोनों देशों के रिश्ते भरोसे, लोकतंत्र और इंसानी मूल्यों पर बने हैं। अब इस रिश्ते को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला हुआ है। यह दोनों देशों के लोगों की उम्मीदों को दर्शाता है।

व्यापार और टेक्नोलॉजी में सहयोग

दोनों देश व्यापार और निवेश बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। जल्द ही फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा करने की कोशिश होगी। एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी और जरूरी खनिज जैसे क्षेत्रों में साथ काम होगा। इजराइल में यूपीआई इस्तेमाल के लिए समझौता हुआ है। रक्षा क्षेत्र में दोनों दोशों का भरोसेमंद सहयोग है, जिसे और बढ़ाया जाएगा। >14

'अब नहीं चलेगी परमाणु धमकी'

भारतीय सेना ने पाकिस्तान को दी ऑपरेशन सिंदूर 2.0 की चेतावनी

चंढीगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बीच भारतीय सेना ने साफ संदेश दिया है कि अब पाकिस्तान की परमाणु धमकियों का कोई असर नहीं होगा। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना की रणनीति बदल चुकी है और अगली कार्रवाई पहले से कहीं ज्यादा कड़ी होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भारत अब सिर्फ जवाब नहीं देगा बल्कि जमीन पर निर्णायक जीत हासिल करने की तैयारी में है।

क्या कहा सेना के पश्चिमी कमान प्रमुख ने :

पठानकोट में आयोजित एक सैन्य सम्मान समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सभी बड़े आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन भारतीय सेना ने उनके सैन्य और हवाई ठिकानों को भी तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि हालात ऐसे हो गए थे कि पाकिस्तान को सीधे और अन्य देशों के जरिए युद्धविराम की मांग करनी पड़ी। सेना प्रमुख ने कहा कि अगली बार जवाब और ज्यादा कठोर होगा। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार दी जाने वाली परमाणु युद्ध की धमकियों को 'न्यूक्लियर ब्लफ' बताया। उन्होंने कहा कि यह कमजोरी छिपाने की कोशिश है। उनके मुताबिक पाकिस्तान की सैन्य नेतृत्व व्यवस्था संघर्ष को जिंदा रखकर अपनी अहमियत बनाए रखना चाहती है। भारत शांति चाहता है।

मानवाधिकार पर राजनीति नहीं, समग्र दृष्टिकोण जरूरी : जयशंकर की अपील

संयुक्त राष्ट्र, 26 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मानवाधिकारों को लेकर 'राजनीतिक बयानबाजी' से ऊपर उठकर विकास, क्षमता निर्माण और आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों का उद्देश्य सबसे कमजोर वर्ग के लोगों के दैनिक जीवन में ठोस सुधार लाना होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में अपने वर्चुअल संदेश में उन्होंने बुधवार को कहा कि संघर्ष, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता से ग्रस्त दुनिया में भारत साझा आधार खोजने और उसका विस्तार करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, हमने लगातार टकराव की जगह संवाद, विभाजन की जगह सहमति और संकीर्ण हितों की जगह मानव-केंद्रित विकास पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद को मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरी तरह से साकार करने के लिए उन्हें 'आतंकवादी कृत्यों के लिए शून्य सहिष्णुता की वकालत' करनी चाहिए। उन्होंने कहा, आतंकवाद मानवाधिकारों के सबसे जघन्य उल्लंघनों में से एक है, और इसका कोई औचित्य नहीं हो सकता, खासकर जब निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की किताब को जब्त करने का दिया आदेश

> डायरेक्टर को कंटेप्ट ऑफ कोर्ट पर कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। क्लास 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी संदर्भों के प्रकाशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कड़ा रुख अपनाया। सर्वोच्च अदालत ने विद्यालय शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय के सचिव और एनसीईआरटी के निदेशक को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अदालत ने कहा कि उनके विरूद्ध कंटेप्ट ऑफ कोर्ट और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए। न्यायालय ने कहा कि पहली नजर में अगर यह प्रकाशन न्यायपालिका को कलंकित करने के उद्देश्य से किया गया जानबूझकर कृत्य सिद्ध होता है, तो यह गंभीर मिस कंडक्ट है और आपराधिक अवमानना के दायरे में आ सकता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि वह यह परीक्षण करेगा कि एनसीईआरटी की ओर से व्यक्त किया गया सार्वजनिक खेद वास्तविक है या आपराधिक दायित्व से बचने का प्रयास मात्र तो नहीं है।

अदालत ने आपत्तिजनक सामग्री वाली पुस्तक के प्रकाशन, दोबारा प्रिंटिंग तथा डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। किसी भी रूप में सामग्री का प्रसार गंभीरता से लिया जाएगा। >14

पुलिस थानों में खराब सीसीटीवी पर कोर्ट सख्त

※ केंद्र को बैठक में शामिल होने के निर्देश

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को निर्देश दिया है कि वे एक केंद्रीयकृत डैशबोर्ड और सीसीटीवी मानकीकरण से जुड़ी बैठक में अनिवार्य रूप से भाग लें। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे द्वारा दी गई दलीलों के बाद यह आदेश पारित किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश एमिकस क्यूरी (न्यायालय का मित्र) वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे की दलील पर दिया। दवे ने बताया कि 21 फरवरी को हुई बैठक में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और कुछ राज्य शामिल नहीं हुए, जिससे रिपोर्ट दाखिल नहीं हो सकी।

इस दलील पर ध्यान देते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि भारत सरकार के वकील ने पहले ही क्षमा मांग ली है कि संचार में कुछ गड़बड़ी के कारण वे बैठक में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि अगली बैठक में वे पूरा सहयोग देंगे।

किसान की सुरक्षा-सम्मान से ही भारत सफल होगा : राहुल गांधी

कन्नूर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केरल दौरे पर पहुंचे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर केंद्र सरकार को जमकर घेरा।

कन्नूर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत तभी सफल हो सकता है जब हमारे किसानों का सम्मान और सुरक्षा हो। इतना ही नहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपस्टीन फाइलों का इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए किया ताकि वे एक ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करें जिससे भारतीय किसानों की 'बलि' चढ़ जाएगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता कन्नूर जिले के पेरावूर में किसानों के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार इस सरल तथ्य को नहीं समझती कि किसान भारत की नींव हैं। उन्होंने कहा कि आईटी और अन्य क्षेत्रों के बारे में लंबे-लंबे व्याख्यान दिए जाते हैं, लेकिन नींव को मजबूत किए बिना कुछ भी नहीं बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, यदि आप नींव का सम्मान नहीं करते, तो कुछ भी नहीं बन सकता। नींव बनाने वाले को सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलती। हम हर दिन भोजन करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसे हमारे खाने की मेज पर कौन रखता है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ एक ऐसा समझौता किया, जो नींव खोदने जैसा था। उन्होंने कहा, भारतीय किसान छोटे किसान हैं और उनमें मशीनीकरण का स्तर कम है।

सीबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

दुबई से भारत लाया गया भगोड़ा अनिल कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जांच एजेंसियों को विदेशों में छिपे अपराधियों को पकड़ने में लगातार सफलता मिल रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इंटरपोल की मदद से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में छिपे वांछित भगोड़े अनिल कुमार रेड्डी को भारत लाने में सफलता मिली है।

यह अपराधी आंध्र प्रदेश में कई गंभीर मामलों में आरोपी है। अनिल कुमार रेड्डी पर धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी जैसे कई गंभीर आरोप हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। वह कानून से बचने के लिए यूएई में जाकर छिप गया था। आंध्र प्रदेश पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने 5 सितंबर 2022 को अनिल रेड्डी के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी करवाया था। >14

तमिलनाडु चुनाव की तैयारियां : चेन्नई पहुंची चुनाव आयोग की टीम

> शशिकला की राजनीति में वापसी, नई पार्टी का एलान

चेन्नई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। एक तरफ चुनाव आयोग की एक उच्च स्तरीय टीम तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई पहुंची है। वहीं दूसरी ओर, राज्य की राजनीति में अहम स्थान रखने वाली वी.के. शशिकला ने भी वापसी का एलान कर दिया है। उन्होंने एक हफ्ते के अंदर अपनी नई राजनीतिक पार्टी का नाम घोषित करने और चुनाव लड़ने की पुष्टि की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की एक टीम गुरुवार को चेन्नई पहुंची। यह टीम तमिलनाडु और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करेगी। इस सात सदस्यीय टीम में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। आयोग की टीम चेन्नई में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), जिला चुनाव अधिकारियों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। इस दौरान चुनावी तैयारियों, आदर्श आचार संहिता, सुरक्षा व्यवस्था और मतदान के चरणों पर चर्चा होगी। इससे पहले आयोग ने पुडुचेरी में भी अधिकारियों के साथ बैठक की थी। वहां अधिकारियों को बिना किसी डर के कानून का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, चुनाव से पहले नकदी, शराब, ड्रग्स और मुफ्त के सामानों के लेन-देन पर रोक लगाने के लिए कहा गया। उधर, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की करीबी सहयोगी रहीं वी.के. शशिकला ने अपनी नई पार्टी बनाने की घोषणा की है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि पार्टी का नाम एक हफ्ते के भीतर सामने आ जाएगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। चेन्नई एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए शशिकला ने कहा कि पार्टी को औपचारिक रूप से शुरू करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए गठबंधन को लेकर भी बातचीत हो रही है और जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। उनके इस बयान से राज्य में नई राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई हैं।

जब उनसे पूछा गया कि चुनाव से पहले कम समय में पार्टी बनाना क्या एक चुनौती होगी, तो उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोग उनके राजनीतिक सफर से परिचित हैं, इसलिए समर्थन जुटाने में कोई खास मुश्किल नहीं आएगी।

इस दौरान शशिकला ने कम्युनिस्ट पार्टी के दिवंगत नेता आर. नल्लाकन्न को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने नल्लाकन्न को गरीबों के लिए जीवन समर्पित करने वाला नेता बताया।

'तुम्हारे बेलआउट पैकेज से दोगुना जम्मू-कश्मीर का बजट'

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 55वें सत्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया। पाकिस्तान ने अपने बयान में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया, जिस पर भारत की ओर से डिप्लोमैट अनुपमा सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान एक काल्पनिक दुनिया में जी रहा है और जमीनी हकीकत से दूर है। अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान को शायद यह विश्वास न हो, लेकिन अकेले जम्मू-कश्मीर का बजट पाकिस्तान के बेलआउट पैकेज से दोगुने से भी अधिक है। पाकिस्तान ने अपने बयान में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल-चिनाब ब्रिज को फर्जी बता दिया था। इस पर भी प्रतिक्रिया देते हुए अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान एक काल्पनिक दुनिया में जी रहा है, उसके दावे सच्चाई से कोसों दूर हैं।

अश्विनी वैष्णव ने सूचनाओं के सत्यापन पर दिया जोर

'मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका'

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष प्रकाशक समूहों की डिजिटल इकाइयों के संगठन डीएनपीए द्वारा डीएनपीए कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन गुरुवार को किया गया। डिजिटल मीडिया के दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका कैसी हो? इस विषय पर यहां विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूरी दुनिया के मीडिया जगत के लिए यह महत्वपूर्ण दौर है। यह सही निर्णय लेने का समय है। यह जरूरी है कि आम सहमति बने, अच्छे विकल्प सामने आएं और अच्छी सिफारिशें मिलें ताकि भविष्य की नीतियों को आकार दिया जा सके।

मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका है :

बदलते दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका पर केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूरा मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका है। यह भरोसा परिवार से शुरू होता है और सामाजिक पहचान, न्यायपालिका, मीडिया, विधायिका जैसी संस्थाओं तक जाता है। समाज के अलग-अलग अंग और संस्थाएं विश्वास के सिद्धांत पर काम करती हैं। मीडिया घरानों के लिए भी बुनियादी सिद्धांत यही रहता है कि वह निष्पक्ष और जिम्मेदार रहें। मीडिया के समक्ष खतरे भी मौजूद हैं। जैसे- डीप फेक, गलत सूचनाओं का प्रवाह। हर समाज इस तरह के खतरों से जूझ रहा है। जो संस्थाएं शताब्दियों से मौजूद हैं, उन्हें इन खतरों से कैसे बचाए रखा जाए, यह बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन सेफ्टी इसके लिए बहुत जरूरी है। खबरों की प्रामाणिकता, बच्चों की सुरक्षा, सिंथेटिक कंटेंट से बचाव भी जरूरी है और इसके लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

वैष्णव ने कहा कि उदाहरण के लिए होटल में आने वाले ग्राहक का होटल प्रबंधन सत्यापन करता है, उसी तरह ऑनलाइन मंचों को भी सत्यापन का ध्यान रखना होगा ताकि कंटेंट का इस्तेमाल करने वालों को किसी तरह का नुकसान न हो। कंटेंट किस तरह वायरल हो जाता है, यह हम सभी जानते हैं। कुछ घंटों में वायरल कंटेंट लोगों तक पहुंच जाता है।

आज समुद्र में उतरेगा भारत का आईएनएस अंजदीप

दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढ-ढूंढकर करेगा तबाह!

चेन्नई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना तटीय सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में 27 फरवरी यानी शुक्रवार को चेन्नई बंदरगाह पर 'डॉल्फिन हंटर' पोत आईएनएस अंजदीप को तैनात करने जा रही है। यह पोत 'एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे 8 पोतों में से तीसरा है। समुद्र में भारत की ताकत और बढ़ जाएगी। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स की ओर से निर्मित अंजदीप एक अत्याधुनिक युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से तटीय और उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। विज्ञप्ति में

'अमेरिकी वाणिज्य सचिव के साथ आर्थिक साझेदारी बढ़ाने पर हुई 'बहुत ही सार्थक चर्चा'

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए 'बहुत ही सार्थक चर्चा' की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए गोयल ने बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य सचिव और भारत में अमेरिकी राजदूत की मेजबानी की और द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बातचीत की। उन्होंने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने और संबंधों को और गहरा करने पर रहा। गोयल ने एक्स पर लिखा, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की मेजबानी की। व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए बहुत ही सार्थक चर्चाएं हुईं।

सर्जियो गोर ने भी इस बैठक को 'प्रोडक्टिव' बताया और कहा, हावर्ड लटनिक और पीयूष गोयल के साथ बहुत ही उपयोगी लंच मीटिंग रही। हमारे दोनों देशों के लिए सहयोग के कई क्षेत्र मौजूद हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका मजबूत करने और प्रमुख साझेदार देशों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने पर काम कर रहा है। सरकार भारतीय कारोबारियों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच सुनिश्चित करने और उन्हें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ने पर जोर दे रही है। इससे पहले गोयल ने कहा था कि भारत 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर चुका है, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक विशेष पहुंच मिली है। उन्होंने बताया कि इन समझौतों से भारतीय वस्तुओं, सेवाओं, कृषि और मत्स्य उत्पादों तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नए बाजार मिल रहे हैं।

बालिका गृह द्वारा भर्ती कराई गई किशोरी अस्पताल से भागी

इंदौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के एक बालिका गृह में रह रही 15 वर्षीय किशोरी सुबह 7 बजे एमटीएच अस्पताल से लापता हो गई।
किशोरी को गर्भवती होने और पेट में संक्रमण की शिकायत के चलते 20 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी देखरेख में महिला पुलिस बल भी तैनात था, इसके बावजूद वह बाथरूम जाने की बात कहकर निकली और वापस नहीं लौटी। सुबह महिला पुलिसकर्मियों ने उसे बाथरूम की ओर जाते देखा था, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं आने पर तलाश शुरू की गई। अस्पताल परिसर में खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। मामले में सेंट्रल कोतवाली थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

सीमांचल में घुसपैठ बर्दाश्त नहीं

बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में घुसपैठ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

अररिया, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ और अवैध निर्माण को लेकर सख्त रुख अपनाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड में घुसपैठ देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। ऐसे में घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

10 किलोमीटर दायरे में कार्रवाई की तैयारी

गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 10 किलोमीटर के दायरे में बने अवैध निर्माणों को चिह्नित कर ध्वस्त किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही विशेष कार्य योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसएसबी को सतर्क रहने का निर्देश

अररिया के सिकटी स्थित लेटी में एसएसबी की 52वीं वाहिनी के प्रशासनिक एवं आवासीय भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमांचल क्षेत्र में जनसांख्यिकीय बदलाव को भी चिंता का विषय बताया। उन्होंने इस मुद्दे की जांच कराने की बात कही और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को घुसपैठ व तस्करी रोकने के लिए पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। दौरे के दौरान गृह मंत्री सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में सीमा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

तीन दिवसीय सीमांचल दौरा

गृह मंत्री सीमांचल के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने किशनगंज में रात्रि विश्राम किया। गुरुवार सुबह अररिया रवाना होने से पहले उन्होंने स्थानीय हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर के बाहर मौजूद लोगों ने जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाए। शुक्रवार को उनका कार्यक्रम पूर्णिया में निर्धारित है, जहां वे विभिन्न प्रशासनिक बैठकों और जनसभाओं में हिस्सा लेंगे।

कैथल में कोऑपरेटिव सोसाइटी में रिश्वत लेते एआर व इंस्पेक्टर गिरफ्तार

कैथल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा स्टेट विजिलेंस ब्यूरो ने कैथल जिले में कोऑपरेटिव सोसाइटी में नौकरी लगवाने के नाम पर रिश्वत लेते हुए एक एआर (असिस्टेंट रजिस्ट्रार) और एक इंस्पेक्टर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी पाडला निवासी ईश्वर चंद की शिकायत पर हुई, जिन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी नौकरी दिलाने के बदले रिश्वत मांग रहे थे। आरोपी ने शिकायतकर्ता से कुल 1 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से 70 हजार रुपये पहले ही ले चुके थे। आज सुबह 30 हजार रुपये की अंतिम किस्त लेते हुए विजिलेंस टीम ने उन्हें मौके पर दबोच लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी रंगे हाथ पकड़े गए और फिलहाल पूछताछ जारी है।

मनीष सिसोदिया के चुनाव को चुनौती देने वाली अपील दिल्ली एचसी ने ठुकराई

याचिकाकर्ता को सुप्रीम कोर्ट जाने की सलाह

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया के 2020 के विधानसभा चुनाव में पटपड़गंज सीट से निर्वाचन को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि यह अपील हाई कोर्ट में सुनवाई योग्य नहीं है और इसे सीधे सुप्रीम कोर्ट में दायर किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीके। उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की

धारा 116ए के तहत चुनाव याचिकाओं से संबंधित हाई कोर्ट के अंतिम आदेश के खिलाफ सीधा अपील का प्रावधान सुप्रीम कोर्ट में है। यह अपील प्रताप चंद्र द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मनीष सिसोदिया के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इससे पहले एकल पीठ ने सिसोदिया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ यह अपील दायर की गई थी। हाई कोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब याचिकाकर्ता को राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना होगा।

ऑफिस में नमाज पढ़ने को लेकर विवाद, 7 लोगों पर केस दर्ज

मालेगांव, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मालेगांव में महापालिका के ऑफिस में कर्मचारियों द्वारा नमाज अदा करने को लेकर विवाद सामने आया। इस मामले ने अब तूल पकड़ ली है। मामले को गरमाता देख पुलिस ने सख्त एक्शन ले लिया है। आरोप है कि नुकमान सलीम सहित करीब 7 लोगों ने उक्त स्थान पर नमाज पढ़ी, जिस पर आपत्ति जताई गई। मालेगांव पुलिस ने संबंधित लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार सरकारी अधिकारियों के साथ मारपीट और उनके कार्य में बाधा डालने के आरोपों की भी जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर की धरती ने उगला खजाना

श्रीनगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पुलवामा जिले में प्राचीन सिक्के मिले हैं, जिनका ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व अधिक माना जाता है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अवंतीपोरा पुलिस ने एक नियमित अभियान के दौरान त्राल के पिंगलिश इलाके से 694 प्राचीन सिक्के बरामद किए हैं। प्राचीन सिक्कों को त्राल के थाना प्रभारी तजामुल इस्लाम की देखरेख में सुरक्षित रखा गया है। इसके बाद स्थापित पुरातात्विक मानदंडों के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण और प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने के लिए अभिलेखागार, पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय के साथ समन्वय स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कि प्राचीन सिक्कों को सौंपा जाना शांति और सद्भाव की रक्षा करने के साथ-साथ प्रदेश की पुरातात्विक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के प्रति जम्मू कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, साथ ही कश्मीर की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के बारे में जन जागरूकता को बढ़ावा देता है।

जीवाजी विश्वविद्यालय में कर्मचारी ने की आत्महत्या

ग्वालियर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय में ट्रांसफर होने के बाद नौकरी ज्वाइन नहीं कराने से परेशान कर्मचारी अंगद जाटव ने सेंट्रल लाइब्रेरी की बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड कर लिया। बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से छलांग लगाई। मृतक का एक लाइव वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह दर्द से तड़पता हुआ नजर आ रहा है। दअरसल शहर के थाटीपुर विवेक नगर निवासी अंगद जाटव निवासी विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के जीवाजी विश्वविद्यालय में माली के पद पर पदस्थ थे।
4 फरवरी को पुस्तकालय शाखा (लाइब्रेरी) से भाषा अध्ययनशाला में उनका तबादला किया गया था। लेकिन यहां एचओडी प्रो।नवीनत गरुण ने उसे ज्वॉइन नहीं कराया था। अंगद इसी बात से परेशान था। अंगद लाइब्रेरी की तीसरी मंजिल पर पहुंचा और छलांग लगा दी। फिलहाल मृतक के परिजनों का बुरा हाल है वह रो-रोकर न्याय की की गुहार लग रहे हैं।

जिस कंपनी के प्लेन में सवार थे अजित पवार

उसका इस्तेमाल नहीं करेगा शिंदे गुट

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी शिवसेना ने वीएसआर कंपनी के प्लेन इस्तेमाल ना करने का निर्णय लिया है। बता दें कि वीएसआर कंपनी के लियरजेट एयरक्राफ्ट क्रैश में अजित पवार की मृत्यु हुई थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी विएसआर के 4 एयरक्राफ्ट को ग्राउंडेड किया था। बता दें कि जिस प्लेन में अजित पवार सवार थे, वह दिल्ली स्थित वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का लियरजेट 45 (वी टी-एसएसके) मॉडल था।

हादसे के वक्त प्लेन में अजित पवार के साथ उनके एक पीएसओ, एक अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर्स सवार थे। अजित पवार की मौत के बाद डीजीसीए ने बड़ी कार्रवाई वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों के संचालन पर रोक लगाते हुए उन्हें 'ग्राउंड' (उड़ान भरने पर पाबंदी) करने का फैसला किया था। यह कार्रवाई बारामती प्लेन क्रैश के बाद किए गए स्पेशल ऑडिट और निगरानी के दौरान मिली गंभीर खामियों के आधार पर की गई थी।

बता दें कि अजित पवार की मृत्यु 28 जनवरी 2026 को पुणे जिले के बारामती में एक विमान दुर्घटना के दौरान हुई थी। वह बारामती में जनसभाओं को संबोधित करने के लिए मुंबई से चार्टर्ड विमान लियरजेट 45 (वी टी-एसएसके) से रवाना हुए थे। सुबह लगभग 8:46 बजे बारामती एयरपोर्ट के रनवे-11 पर लैंडिंग के दूसरे प्रयास के दौरान विमान अचानक बेकाबू हो गया और खुले मैदान में क्रैश होकर भीषण आग की लपटों में घिर गया। जमीन से टकराते ही इसमें एक के बाद एक कई धमाके हुए, जिससे विमान में सवार किसी भी व्यक्ति को बचाने का मौका नहीं मिला।

महाराष्ट्र राज्यसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 7 सीटों के राज्यसभा चुनाव महा विकास अघाड़ी के घटक दलों कांग्रेस और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के नेताओं के बीच एक अहम मीटिंग हुई। इस मीटिंग में महा विकास अघाड़ी में एक दुविधा पैदा हो गई है क्योंकि दोनों पार्टियों ने राज्यसभा सीट पर दावा किया है।
मीटिंग में, कांग्रेस नेताओं ने राज्य की सियासत के बजाय देश के सियासी समीकरण पर जोर दिया। सूत्रों के मुताबिक पार्टी नेताओं का मानना है कि राज्यसभा में कांग्रेस सदस्यों की संख्या बढ़ाना समय की जरूरत है, और पार्टी ने यह रुख अपनाया है कि राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की ताकत को मजबूत करने के लिए यह सीट कांग्रेस को दी जानी चाहिए। नेताओं ने यह भी साफ किया कि यह सीट कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न है।

विपक्ष की 1 सीट पर शरद पवार नहीं कांग्रेस लड़ेगी चुनाव?

शरद पवार पर एनसीपी का जोर

दूसरी ओर, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के नेताओं ने शरद पवार के लंबे संसदीय अनुभव का मुद्दा उठाया। एनसीपी नेताओं ने कहा कि शरद पवार देश के सीनियर नेता हैं और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की ताकत और असर बनाए रखने के लिए उनका राज्यसभा जाना जरूरी है।। एनसीपी (एससीपी) इस बारे में शरद पवार की निज इच्छा जानने के बाद ही अपनी आखिरी राय बताएगी।

शिवसेना यूबीटी से बात करेगी कांग्रेस!

हालांकि दोनों पार्टियां अपनी-अपनी सीटों को लेकर अड़ी हुई हैं, लेकिन अभी तक कोई आखिरी हल नहीं निकला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस ने एनसीपी को बताया है कि वह शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से इस मुद्दे पर बात करेगी और इस मामले पर फैसला लेगी। एनसीपी के जयंत पाटिल आज शरद पवार से मिलेंगे और मीटिंग की जानकारी देंगे। उसके बाद, वह उद्धव ठाकरे से भी मिलेंगे और इसके लिए समय मांगा है।

टोल प्लाजा पर फायरिंग करने वाले निकले स्टूडेंट

ग्वालियर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने 48 घंटे में 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालकर बरैठा टोल प्लाजा पर फायरिंग करने वाले दोनों बदमाशों को पकड़ लिया है। इनकी पहचान अश्वनी भदौरिया (22) और निखिल चौहान (19) के रूप में हुई है। अश्वनी भिंड जबकि निखिल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला है। दोनों ही स्टूडेंट हैं और ग्वालियर के बड़ागांव में रहते हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करीब एक साल पुराने विवाद का बदला लेने के लिए उन्होंने टोल प्लाजा पर फायरिंग की थी।

रोहित पवार बारामती पुलिस स्टेशन पहुंचे कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी

बारामती, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दिवंगत एनसीपी नेता अजित पवार के विमान हादसे की जांच की मांग तेजी से उठ रही है। इस कड़ी में आज (26 फरवरी) कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ बारामती पुलिस स्टेशन के सामने जमा हो गई है। एनसीपी-एसपी विधायक रोहित पवार मामला दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन गए हैं। बाहर कार्यकर्ताओं ने पुलिस स्टेशन के सामने धरना शुरू कर दिया है। रोहित पवार ने अजित पवार विमान दुर्घटना मामले में वीएसआर कंपनी और डीजीसीए के दोषी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस मांग को लेकर रोहित पवार बारामती पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी जमा हुए हैं। रोहित पवार ने स्पष्ट रुख अपनाया है कि एफआईआर दर्ज होने तक वे वहां से नहीं हटेंगे। मालूम हो कि दिवंगत उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान 28 जनवरी को दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में अजित पवार उनके समेत पांच लोगों की मौत हो गई। वीएसआर कंपनी का यह विमान सुबह मुंबई से रवाना हुआ था, जो सुबह 8:45 बजे बारामती हवाई अड्डे के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान के जमीन पर गिरने के बाद जोरदार धमाका हुआ। इस बीच कई लोगों ने अब इस विमान दुर्घटना पर संदेह जताया है। विधायक रोहित पवार ने भी कुछ सवाल उठाए हैं। दावा किया गया है

छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

इंदौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के तिलक नगर क्षेत्र में रहने वाली 19 वर्षीय छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलने पर तिलक नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के मुताबिक मृतका प्रथा पुत्री परीक्षित बढ़िका, सांईनाथ कॉलोनी की निवासी थी। बुधवार शाम वह घर पर ही थी। इसी दौरान उसने कमरे में फांसी लगा ली। घटना के समय परिवार के सदस्य घर पर मौजूद थे। प्रथा मेडीकैप्स कॉलेज में बीएससी सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस के अनुसार वह नियमित रूप से कॉलेज जाती थी और पढ़ाई कर रही थी। पुलिस ने बताया कि प्रथा अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। उसके पिता एमपी ऑनलाइन की दुकान संचालित करते हैं। शुरुआती पूछताछ में परिवार ने किसी विवाद या कारण की जानकारी नहीं दी है। गुरुवार सुबह छात्रा का पोस्टमार्टम कराया गया।

1.5 किमी सड़क पर चला बुलडोजर, ढहाई गईं 100 इमारतें

गुरुग्राम, 26 फरवरी (एजेंसियां)। फरुखनगर-डाबोदा रोड पर 1.5 किलोमीटर लंबे हिस्से में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं अतिक्रमण नोडल अधिकारी आरएस बाठ के नेतृत्व में संपन्न हुआ। यह कार्रवाई पांच दिनों तक चली। इस अभियान में सड़क का 1.5 किलोमीटर लंबा हिस्सा शामिल था, जिसकी पहले उपलब्ध चौड़ाई लगभग 35-40 फुट थी, जबकि राजस्व रिकार्ड के अनुसार विभिन्न स्थानों पर आवश्यक चौड़ाई 60-66 फुट थी। भारी यातायात दबाव और प्रतिदिन लगने वाले जाम के कारण स्थानीय निवासियों एवं यात्रियों को कई वर्षों से असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। कार्रवाई से पहले, राजस्व विभाग द्वारा सीमांकन किया गया और अतिक्रमण से संबंधित सभी संबंधित पक्षों को जानकारी दी गई। इस अभियान में फरुखनगर नगर समिति, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन सेवा और एम्बुलेंस टीम ने समन्वित प्रयास किए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने रखने के लिए फरुखनगर के थाना प्रभारी सहित लगभग सौ पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

सीएम फडणवीस ने ताड़देव-नागपाड़ा-मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को ताड़देव-नागपाड़ा-मुंबई सेंट्रल फ्लाईओवर का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह फ्लाईओवर दक्षिण मुंबई में पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण लिंक है, जो यात्रियों को आवाजाही के लिए एक सुगम और वैकल्पिक रास्ता प्रदान करेगा। मुंबई सेंट्रल पर स्थित 130 साल पुराना ब्रिटिश कालीन पुल काफी जर्जर हो चुका था। प्रशासन ने इसे खतरनाक घोषित करने के बाद तोड़ दिया था। पिछले दो वर्षों से इस मार्ग पर कनेक्टिविटी बाधित थी। अधिकारियों का मानना है कि इस नए फ्लाईओवर के शुरू होने से जहांगीर बोमन बेहराम रोड (बेलासिस रोड), डॉ। दादासाहेब भडकमकर मार्ग (ग्रांट रोड), पाठे बापूराव मार्ग और महालक्ष्मी स्टेशन पुल पर ट्रैफिक का दबाव काफी कम हो जाएगा।

फ्लाईओवर की खासियतें

इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 333 मीटर है। इसमें पूर्वी हिस्सा 138.39 मीटर, पश्चिमी हिस्सा 157.39 मीटर और रेलवे सीमा के भीतर का हिस्सा 36.90 मीटर लंबा है। पुल का कैरिजवे सात मीटर चौड़ा है और पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए दोनों तरफ काफी चौड़े फुटपाथ बनाए गए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुए इस उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे।

चुनौतियों के बावजूद मिली सफलता

इस प्रोजेक्ट के दौरान प्रशासन को कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसमें बेस्ट (बीईएसटी) की बिजली लाइनों को हटाना, रास्ते में आने वाले निर्माणों को शिफ्ट करना, एक आवासीय सोसाइटी की दीवार गिराना और बॉम्बे हाई कोर्ट में चल रहे एक कानूनी मामले को सुलझाना शामिल था। सभी बाधाओं को पार करने के बाद, लोड टेस्ट और सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के साथ ही अब यह फ्लाईओवर आम जनता के लिए खोल दिया गया है।

समय से पहले बनकर हुआ तैयार

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने इस प्रोजेक्ट को मात्र 15 महीने और छह दिनों में पूरा किया है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, इस काम को पूरा करने के लिए अभी चार महीने का समय और बाकी था, लेकिन बीएमसी ने इसे समय से पहले ही तैयार कर लिया। रेलवे ट्रैक के ऊपर का काम रेलवे अधिकारियों ने किया, जबकि गर्डर ब्रेसिंग, डेक शीट इंस्टॉलेशन, स्लैब कास्टिंग और दोनों तरफ की सड़कों का निर्माण बीएमसी ने पूरा किया। बीएमसी के ब्रिज विभाग, रेलवे, स्थानीय वार्ड ऑफिस और ट्रैफिक पुलिस के बीच बेहतर तालमेल की वजह से यह प्रोजेक्ट तय समय से पहले पूरा हो सका।

युवती का हाई-वोल्टेज ड्रामा जूतों में छुपाकर लाई चाकू पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर में एक युवती का हाई-वोल्टेज ड्रामा सामने आया है। स्कीम नंबर 78 से कुमेड़ी इलाके में पहुंची युवती ने बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक मकान में घुसकर जमकर हंगामा किया। युवती अपने जूतों में चाकू छुपाकर लाई थी और घर से बाहर निकलने की बात कहकर लोगों को धमकाने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार, बाणगंगा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवती को अपने साथ थाने ले गई।

युवती के हंगामे का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उसके हाथ में चाकू साफ दिखाई दे रहा है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल, यह घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र के कुमेड़ी इलाके की है। जहां एक युवती अचानक एक मकान में घुस गई और उसे अपने दोस्त का घर बताते हुए विवाद करने लगी। युवती ने जूतों में चाकू छुपा रखा था और बाहर जाने की बात कहकर आसपास के लोगों को धमकाने लगी। हंगामा बढ़ता देख क्षेत्र में रहने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

क्यों आदमखोर बनते जा रहे हैं बाघ? सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की रिपोर्ट में आयी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। देश में तेजी से बदलती इकोलॉजी और बाघों के प्राकृतिक हैबिटैट पर बढ़ते दबाव ने एक गंभीर संकट पैदा कर दिया है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) की ताज़ा "2026 भारत के पर्यावरण की स्थिति" रिपोर्ट ने दावा किया है कि पर्यावरणीय बदलावों और मानव गतिविधियों के हस्तक्षेप ने बाघों के व्यवहार को प्रभावित किया है।
इसके चलते इंसानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से जून 2025 के बीच भारत में बाघों ने कम से कम 43 लोगों की हत्या की, जो पिछले साल की समान अवधि (44 मौतें) के लगभग बराबर है। रिपोर्ट राजस्थान के निमली में जारी की गई, जिसमें कहा गया है कि बाघों के हैबिटैट लगातार सिकुड़ रहे हैं। जंगलों के आसपास मानव बस्तियों का विस्तार, संरक्षण रणनीतियों में असंतुलन और पारिस्थितिक संरचना में बदलाव बाघों को अपने मूल स्वभाव से अलग व्यवहार करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

यही वजह है कि कुछ मामलों में बाघों ने मनुष्यों को केवल हमला ही नहीं किया, बल्कि 2025 में हुए 43 हमलों में से चार में शवों के हिस्से खा भी लिए जो चिंताजनक प्रवृत्ति है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में बाघों की संख्या बढ़ना एक उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ ही कई नई चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। रिपोर्ट बताती है कि बाघों की आबादी वाले 20 राज्यों में बाघ आरक्षित क्षेत्रों के लगभग 40% हिस्से में करीब 6 करोड़ लोग रह रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियों का दबाव और बाघों के क्षेत्रों में लगातार हस्तक्षेप संघर्ष को बढ़ा रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026

सुविचार: यदि आप गपोड़शंख लोगों के साथ सहमत हो जाते हैं तो उनकी निन्दा के अगले पात्र आप ही होंगे

अधिकारियों को जन सेवा की जिम्मेदारियों की याद रखनी चाहिए : मुख्यमंत्री

ग्रुप-1 और ग्रुप-2 नए अधिकारियों का प्रशिक्षण समापन

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को ग्रुप-1 और ग्रुप-2 नए अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में अपने संबोधन में अधिकारियों को बधाई दी और उन्हें जन सेवा की जिम्मेदारियों की याद दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप कल तक विद्यार्थी थे, कल बेरोजगार थे और आज आप अधिकारी हैं। अब आप 4 करोड़ तेलंगाना के नागरिकों की सेवा करने के लिए जिम्मेदार हैं। तेलंगाना के लोग भले ही भूखे रहें, लेकिन किसी के आधिपत्य को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने इतिहास की मिसाल देते हुए कहा कि रांजी गोंडू और कोमरम भीम ने राज्य और न्याय के लिए संघर्ष किया, और काकतीय साम्राज्य पर सम्मक्का और सारलम्मा ने विद्रोह किया। इसी कारण उन्हें वनदेवता के रूप में सम्मानित किया गया। सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता और समान अवसर के लिए वे अमर वीर बने। अधिकारी बनते समय आपको उनकी आकांक्षाओं और प्रेरणा को याद रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पहले चुनाव में देश में सबसे बड़ी बहुमत के साथ जीत हासिल करने वाले रवि नारायण रेड्डी तेलंगाना के पुत्र हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 6 लाख उम्मीदवारों में से 582 ने ग्रुप-1 और 1,775 ने ग्रुप-2 की नौकरियों में सफलता हासिल की। पिछले 15 वर्षों में ग्रुप-1 की नौकरियों को भरने में असफल रही सरकार ने अब जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीजीपीएससी में पारदर्शिता और विश्वास बनाए रखने के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों और सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई। प्रश्नपत्रों के झेराक्स के माध्यम से फैलने की संभावना को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए। उन्होंने बताया कि ग्रुप-1 चयन की खुशी में कुछ लोगों ने कोर्ट का रुख किया, लेकिन सरकार ने भरोसा किया कि चयन मेरिट पर हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि अधिकारी बनने के बाद जिम्मेदारियों को भूलकर मानवता में पतन न हो।

आईसीसीसी में शिक्षा विभाग की समीक्षा, सीएम ने दिए कई निर्देश

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को आईसीसीसी में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेनम नरेंद्र रेड्डी, सरकारी सलाहकार के. केशवराव, सीएमओ मुख्य सचिव शेषाद्री, मुख्यमंत्री विशेष सचिव अजित रेड्डी, शिक्षा आयोग के अध्यक्ष आकुनूरी मुरली, उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. बालकृष्णा रेड्डी, शिक्षा विभाग सचिव योगिता राणा, कॉलेज शिक्षा विभाग कमिश्नर देवसेन, उस्मानिया विश्वविद्यालय वीसी प्रो. कुमार, और अंबेडकर विश्वविद्यालय वीसी प्रो. घंटा चक्रपाणी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक में शिक्षा सुधार और छात्रों के लिए बुनियादी सुविधाओं पर जोर देते हुए कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर अर्बन रीज़न में सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

अत्तापुर में मवेशी परिवहन को लेकर दो केस दर्ज

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने मंगलवार को मवेशी ट्रांसपोर्टरों और गौ रक्षकों से जुड़े एक मामले में दो अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। पहला मामला एक कंटेनर ट्रक चालक और दो अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है, जो महाराष्ट्र से शादनगर तक मवेशियों का परिवहन कर रहे थे। पुलिस ने यह केस तेलंगाना गौहत्या निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया है। दूसरा मामला उन लोगों के समूह के खिलाफ दर्ज किया गया है, जिन्होंने मवेशी ले जा रहे व्यक्तियों पर हमला किया और उनके वाहन को नुकसान पहुंचाया। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और संबंधित पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

दलित छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करना लक्ष्य : लक्ष्मण

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दलित छात्रों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करना राज्य सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। यह बात राज्य के एससी, एसटी कल्याण मंत्री ए. लक्ष्मण कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली दलित विद्यार्थियों को सभी क्षेत्रों में समान अवसर दिलाने का एकमात्र माध्यम शिक्षा है।

मंत्री ने बताया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार दलितों को कॉरपोरेट स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। एससी विद्यार्थियों को सिविल सेवा, ग्रुप-1 और ग्रुप-2 परीक्षाओं के लिए सर्वोत्तम कोचिंग देना सरकार की प्राथमिकता है। दिल्ली स्तर की सिविल्स कोचिंग अब हैदराबाद में ही उपलब्ध कराई जाएगी। बुधवार को 59 दलित जाति संघों के नेताओं ने हैदराबाद के अंबेडकर भवन तथा काचीगुड़ा स्थित एससी हॉस्टल का दौरा किया। इस अवसर पर मंत्री ने घोषणा की कि लोअर टैंकबंड स्थित अंबेडकर भवन को आधुनिक कोचिंग हब के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं काचीगुड़ा हॉस्टल परिसर को रेजिडेंशियल अकादमिक सेंटर में परिवर्तित करने की योजना तैयार की जा रही है। मंत्री ने कहा कि अब तक तेलंगाना के छात्रों को सिविल सेवा कोचिंग के लिए दिल्ली जाना पड़ता था, जो अत्यधिक खर्चीला है। इस स्थिति को बदलने के लिए हैदराबाद में ही उच्च स्तरीय कोचिंग सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। आने वाले समय में डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम, अनुभवी फैकल्टी, सेवानिवृत्त सिविल सेवकों के गेस्ट लेक्चर, मॉक टेस्ट, इंटरव्यू गाइडेंस और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही आवास, मेस और अध्ययन कक्ष जैसी समुचित सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। सिविल सेवा तथा ग्रुप-1 और ग्रुप-2 कोचिंग के लिए मेरिट आधारित पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मंत्री ने बताया कि कोचिंग केंद्रों को केवल हैदराबाद तक सीमित न रखकर भविष्य में राज्य के प्रत्येक जिले तक विस्तारित करने की दीर्घकालिक योजना बनाई जा रही है।

राज्य खजाने पर भारी दबाव पड़ा : सुभाष

> बीजेपी ने सरकार पर तीखी टिप्पणी की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला किया है, क्योंकि मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने वित्त आयोग की चर्चाओं में वेतन और पेंशन खर्च में भारी वृद्धि की चेतावनी दी। बीजेपी राज्य मुख्य प्रवक्ता एन. वी. सुभाष ने कहा कि मुख्य सचिव के बयान विपक्ष की लंबी अवधि की वित्तीय असावधानी संबंधी चिंताओं की पुष्टि करते हैं। जानकारी के अनुसार, तेलंगाना में मासिक वेतन और पेंशन व्यय 2014 में लगभग 1,500 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में लगभग 6,000 करोड़ रुपये हो गया है । दस साल में चार गुना वृद्धि , जिससे राज्य खजाने पर भारी दबाव पड़ा है। सुभाष ने आरोप लगाया कि लगातार 'लापरवाह वेतन पुनर्निर्धारण' राजनीतिक कारणों से किया गया, न कि वित्तीय विवेक से। उन्होंने कहा कि विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में बार-बार वेतन संरचना बदलने से निश्चित खर्च बढ़ा है। बीजेपी ने कहा कि कर्मचारियों को उचित वेतन देना समर्थन योग्य है, लेकिन वेतन वृद्धि वित्तीय स्थिरता और जिम्मेदारी के ढांचे के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने सलाहकारों की नियुक्ति और सेवानिवृत्त अधिकारियों की पुनः नियुक्ति जैसे प्रशासनिक खर्चों में वृद्धि की भी आलोचना की। बीजेपी ने चेतावनी दी कि बढ़ते वेतन और पेंशन व्यय विकासात्मक खर्चों को सीमित कर सकते हैं और राज्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए पारदर्शी वित्तीय रोडमैप, संरचनात्मक खर्च सुधार और वित्तीय अनुशासन बहाल करने की मांग की।

तेज हवाओं में गिरी छत की चादरों से दो की मौत

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक में तेज हवाओं के चलते सरकारी मेडिकल कॉलेज के निर्माण स्थल पर इस्तेमाल की गई छत की चादरें गिर गईं, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। मंगलवार रात मेदक कस्बे में तेज हवाएं चलीं। इस दौरान निर्माण स्थल पर काम कर रहे मजदूरों पर छत की चादरें गिर गईं। पापन्नापेट मंडल के सीतानगरम निवासी वेंकट (46) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अवुसुलापल्ली निवासी श्रीकांत ने चोटों के कारण बुधवार शाम दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

कांग्रेस सरकार ने गांधी सरोवर परियोजना के तहत सैकड़ों घर ढहाए – राव

बीजेपी ने पुल और नदी किनारे के परिवारों का समर्थन किया

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी ने कहा कि 'विकास लोगों के आंसुओं पर नहीं होना चाहिए' और राजधानी शहर में बहने वाली मूसी नदी के किनारे कथित रूप से अपने घर खो चुके परिवारों की स्थिति को समझने और उनका समर्थन करने के लिए यात्रा शुरू की। 'मूसी गोस-बीजेपी भरोसा' नामक इस यात्रा का उद्देश्य गांधी सरोवर परियोजना के तहत घर खोने का दावा करने वाले परिवारों को समर्थन देना था।

बीजेपी ने मूसी रिवरफ्रंट विकास कार्यों में कथित बड़े पैमाने पर अन्याय का आरोप लगाया और प्रभावित परिवारों के लिए मदद का भरोसा दिया। राज्य बीजेपी अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बापू घाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और मूसी नदी के किनारे कई क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय निवासियों से मुलाकात की। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के तहत मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट और प्रस्तावित गांधी सरोवर परियोजना के तहत सैकड़ों घर ढहाए गए। राव ने मीडिया से कहा कि 'जबरन तोड़फोड़' तुरंत रोकी जाए और विकास गरीबों की कीमत पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीजेपी मूसी नदी के सौंदर्यीकरण के विरोध में नहीं है, लेकिन नदी की सफाई और औद्योगिक व सीवेज का रोकथाम पहले होना चाहिए।

राव ने गुजरात के सरदार सरोवर डैम का उदाहरण देते हुए कहा कि गरीब परिवारों को प्रगति के नाम पर बेदखल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल राज्य पहल है, केंद्र सरकार का समर्थन इसमें नहीं है। बीजेपी ने प्रभावित परिवारों को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही। दौरे के दौरान पार्क रिज़ अपार्टमेंट्स, लोटस नेशनल स्कूल के पास और आदित्य एन्क्लेव सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की। कई परिवारों ने अपनी आपबीती साझा करते हुए आंसू बहाए और महिलाओं तथा बुजुर्गों में आशंका और भय व्याप्त था।

जुबली हिल्स के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग

दमकल की टीम ने चलाया राहत और बचाव कार्य

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित रोड नंबर 36 पर आज सुबह एक साड़ी शोरूम मंगला गौरी में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के बाद इमारत से आसमान में घना धुआं उठता देखा गया, जिससे स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में दहशत फैल गई।

आसपास की इमारतों तक आग को फैलने को रोका गया :

फायर विभाग के कंट्रोल रूम के अनुसार, सुबह 11:29 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत चार दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने तुरंत राहत व बचाव अभियान शुरू कर आग पर काबू पाने और इसे आसपास की इमारतों तक फैलने से रोकने की कोशिश की।

मंदिर की शैली में बनी इस इमारत से उठते घने धुएं के कारण बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, जिससे व्यस्त व्यावसायिक इलाके में ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन गई। हैदराबाद के जिला अग्निशमन अधिकारी-2 (डीएफओ-2) अजमीरा श्रीदास ने बताया कि जांच जारी है। हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं... आग पर काबू पा लिया गया है... चौथी मंजिल पर स्थित इमारत से केवल धुआं निकल रहा है। इमारत में कोई सामान नहीं था... इमारत खाली थी। इमारत में कोई मौजूद नहीं था।

शोरूम में फंसे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया :

फायर विभाग और हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड एसेट प्रोटेक्शन एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के कर्मियों ने शोरूम में फंसे चार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया है और फिलहाल परिसर के अंदर धुआं निकालने का काम किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, इस घटना में अभी तक किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है, जबकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

यूओएच और थाई कांसुलेट ने शैक्षणिक साझेदारी को मजबूत किया

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने के लिए, हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) ने चेन्नई स्थित रॉयल थाई कांसुलेट-जनरल की प्रतिनिधि मंडली का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रों और संकाय के आदान-प्रदान को बढ़ाने पर चर्चा की। राचा अरिबाग, कांसल जनरल, और पोंरपुन पुपियांगजाई, डिप्टी कांसल जनरल, ने यूओएचके कुलपति प्रो. बी. जे. राव से मुलाकात की। बैठक में प्रो. ब्रमणंदम मनवती (ओआईए निदेशक) और प्रो. अरविंद सुसरला (ओआईए एसोसिएट निदेशक) भी उपस्थित थे। बैठक में यूओएच और थाईलैंड के विश्वविद्यालयों के बीच संरचित छात्र एवं संकाय आदान-प्रदान कार्यक्रमों के माध्यम से शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने छात्रों और संकाय के लिए उपलब्ध अवसरों और थाई विद्वानों के विश्वविद्यालय में भागीदारी के मार्गों की जानकारी साझा की।

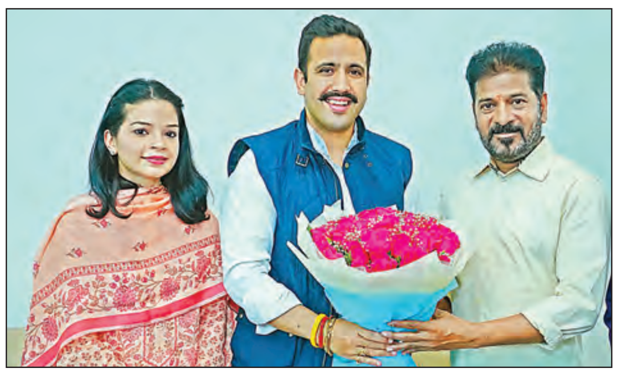

हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से हैदराबाद में शिष्टाचार भेंट की।

मेडिकल छात्रों को डोपिंग रोधी दवाओं की विशेष ट्रेनिंग

> एथलीटों को अनजाने उल्लंघन से बचाने की पहल

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षण अस्पतालों में मेडिकल छात्रों को अब प्रतिबंधित प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं की पहचान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इसका उद्देश्य खिलाड़ियों को अनजाने में डोपिंग के मामलों से बचाना और भविष्य के डॉक्टरों को इस विषय में पूरी तरह जागरूक बनाना है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) डोपिंग रोधी जागरूकता को औपचारिक चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम और सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) कार्यक्रमों में शामिल करने जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के तहत, किसी भी खिलाड़ी को लिखी जाने वाली दवा को चिकित्सकीय रूप से उचित ठहराना और उसका पूरा दस्तावेज तैयार करना अनिवार्य होगा। एनएमसी की हालिया सलाह के अनुसार, डोपिंग रोधी चिकित्सा को पाठ्यक्रम में शामिल कर खेल जगत को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोग ने मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और पंजीकृत चिकित्सकों को विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची के बारे में जागरूक रहने का निर्देश दिया है।

निर्देशों में कहा गया है कि वाडा द्वारा प्रतिबंधित पदार्थों वाली दवाएं केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही दी जाएं और उनका सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि खिलाड़ियों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना न करना पड़े। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने भी इस विषय पर एनएमसी से हस्तक्षेप का आग्रह किया था। मंत्रालय के अनुसार, खासकर जमीनी और उप-कुलीन स्तर के खिलाड़ी गलत लेबल वाले या मिलावटी सप्लीमेंट्स के कारण डोपिंग उल्लंघन के जोखिम में रहते हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से डॉक्टरों में जिम्मेदारी बढ़ेगी और खेल जगत में डोपिंग के आकस्मिक मामलों में कमी आने की उम्मीद है।

मिरयालगुडा में निजी नेत्र क्लीनिकों पर कार्रवाई

> योग्य डॉक्टरों की अनुपस्थिति में हो रहीं थीं सर्जरी

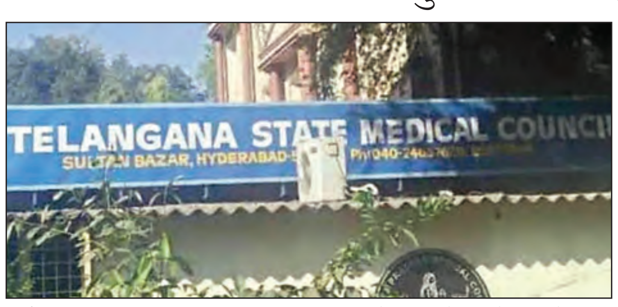

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में बड़ी लापरवाही उजागर करते हुए तेलंगाना मेडिकल काउंसिल (टीजीएमसी) ने मिरयालगुडा में कई निजी नेत्र क्लीनिकों पर कार्रवाई की है।

निरीक्षण में पाया गया कि योग्य नेत्र रोग विशेषज्ञों की अनुपस्थिति में तकनीशियन सर्जरी और जांच कर रहे थे, जबकि जिन डॉक्टरों के नाम पर अनुमति ली गई थी, वे हैदराबाद में प्रैक्टिस कर रहे थे। मिरयालगुडा के आठ निजी नेत्र देखभाल केंद्रों की जांच में सामने आया कि वे जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ पंजीकृत तो थे, लेकिन किसी भी केंद्र पर विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे। परिषद ने इन केंद्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने पांच नेत्र तकनीशियनों को गिरफ्तार किया। जिन अस्पतालों में निरीक्षण किया गया, उनमें श्री वेंकटेश्वर (एसवी) नेत्र अस्पताल, श्री महालक्ष्मी नेत्र अस्पताल, अन्नपूर्णा नेत्रालयम, यशस्वी नेत्र अस्पताल, शालिनी नेत्र क्लिनिक, राफा विजन केयर सेंटर और शिव साई नेत्र अस्पताल शामिल हैं। टीजीएमसी के अनुसार, इन अस्पतालों ने वैध नेत्र रोग विशेषज्ञों के नाम का उपयोग कर जिला पंजीकरण प्राधिकरण से अनुमति प्राप्त की थी, लेकिन संचालन ऑप्टोमेट्री और नेत्र विज्ञान तकनीशियनों द्वारा किया जा रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि ये तकनीशियन दवाएं लिख रहे थे, उन्नत जांच कर रहे थे और कुछ मामलों में सर्जरी तक कर रहे थे, जो कानूनन गलत है। परिषद ने तकनीशियन नागेश, वालके श्रीनु, नागराजू, शिव कोटेश्वर राव, वेंकटेश और विकास कुमार के साथ-साथ फर्जी चिकित्सक ए. कोटेश्वर राव के खिलाफ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) और तेलंगाना चिकित्सा व्यवसायी पंजीकरण अधिनियम के तहत आपराधिक मामले दर्ज करने की घोषणा की है।

टीजीएमसी जनसंपर्क समिति के अध्यक्ष डॉ.वी. नरेश कुमार ने बताया कि डॉ. श्रीकुमार, डॉ. प्रभु चैतन्य, डॉ.एम. भरत भूषण और डॉ.के. वेंकटेश्वरलू को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। यदि उनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया, तो परिषद उनके लाइसेंस निलंबन की सिफारिश करेगी और जिला कलेक्टर से संबंधित अस्पतालों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई का अनुरोध करेगी। यह निरीक्षण टीजीएमसी के अध्यक्ष डॉ.के. महेश कुमार के मार्गदर्शन में परिषद के सदस्यों और सतर्कता अधिकारियों द्वारा किया गया।

टी-हब ने त्रिपुरा सरकार के साथ स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए साझेदारी की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टी-हब ने त्रिपुरा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय के साथ राज्य में संरचित और दीर्घकालिक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह सहयोग त्रिपुरा को भारत के नवाचार परिदृश्य में नई स्थिति प्रदान करेगा। राज्य के स्टार्टअप परिदृश्य में पिछले पांच वर्षों में प्रौद्योगिकी, सेवाओं और उभरते क्षेत्रों में मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में लगभग 66 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। टी-हब डीप टेक, सेमीकंडक्टर्स, एयरोस्पेस, एआई और अन्य उभरते क्षेत्रों में 2,000 से अधिक स्टार्टअप का अनुभव रखता है और स्केलेबल स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने में सिद्ध अनुभव रखता है। इस साझेदारी के माध्यम से, टी-हब त्रिपुरा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अंतर्गत प्रौद्योगिकी-संचालित पहलों के लिए नोडल प्राधिकरण के रूप में काम करेगा।

4,215 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

फाल्कन ग्रुप के पूर्व सीओओ गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने फाल्कन ग्रुप के पूर्व मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) विकास कुमार सखारे को करोड़ों रुपये की जमा धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। 40 वर्षीय सखारे को बुधवार को हैदरशाह कोट स्थित उनके घर से पकड़ा गया। बाद में उन्हें अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सीआईडी के अनुसार, यह मामला फाल्कन इनवॉइस डिस्काउंटिंग ऐप के जरिए चलाई जा रही एक निवेश योजना से जुड़ा है। आरोप है कि कंपनी ने बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के नाम पर फर्जी निवेश सौदे तैयार किए और कम समय में ज्यादा मुनाफा देने का लालच देकर लोगों से पैसा जमा कराया। जांच में सामने आया है कि करीब 7,056 लोगों से लगभग 4,215 करोड़ रुपये इकट्ठा किए गए। इनमें से 4,065 लोगों को करीब 792 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। यह रकम कैपिटल प्रोटेक्शन फोर्स प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी के माध्यम से जुटाई गई थी, जो इसी ऐप के तहत काम कर रही थी। इस मामले में वर्ष 2025 में साइबराबाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा में तीन केस दर्ज किए गए थे। बाद में इनकी जांच सीआईडी को सौंप दी गई। इसके अलावा कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ देशभर में 10 अन्य मामले भी दर्ज हैं।

नगालैंड की डॉक्टर का पीछा, गालियां दीं, कपड़े उतारे; कौन हैं आरोपी

गोरखपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। 'रात के करीब 8 बज रहे होंगे। मैं ओरियन मॉल से कुछ काम निपटाकर दोस्त के साथ कैंपस लौट रही थी। जैसे ही मॉल से निकली, मैंने महसूस किया कि बाइक से 3 लोग मेरा पीछा कर रहे हैं। शुरुआत में मैंने इग्नोर किया, लेकिन अचानक बाइक मेरे बगल में आ गई। वो लोग सिर्फ मेरे पीछे ही नहीं चल रहे थे, बल्कि रास्ते भर नस्लीय कमेंट और गंदी बातें बोलते रहे।' 'उन लड़कों ने डेढ़ किलोमीटर तक मेरा पीछा किया। मैं आर्मी कैंप के पास कॉलेज के गेट नंबर 2 के पास पहुंचीं, तो उनमें से एक लड़का मेरे पास आया। उसने मुझे गलत तरीके से छुआ और अपने कपड़े उतारने लगा। मैं बहुत डर गई थी, मैंने मदद के लिए गुहार लगाई। तभी कैंपस के लोग वहां पहुंच गए। लोगों की भीड़ देखकर लड़के वहां से भाग निकले।' ये गोरखपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक रेजिडेंट डॉक्टर की आपबीती है, जो नगालैंड की रहने वाली हैं। घटना के अगले दिन 23 फरवरी को एम्स पुलिस स्टेशन में विक्टिम ने शिकायत दर्ज करवाई।

जापान में सीएम योगी ने कहा

निवेश के लिए बेस्ट जगह है उत्तर प्रदेश

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। जापान दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यामानाशी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश को निवेश के लिए देश का सबसे उपयुक्त राज्य बताया। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है और यहां निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुख्यमंत्री ने यूपी की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधनों की तुलना जापान के यामानाशी प्रांत से करते हुए कहा कि जैसे यामानाशी प्राकृतिक रूप से समृद्ध है, वैसे ही यूपी भी विकास की नई गाथा लिख रहा है।

9 वर्षों में तीन गुना बढ़ी प्रति व्यक्ति आय

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बीते नौ वर्षों में प्रदेश की आर्थिक प्रगति बहुत तेजी से हुई है। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ी है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि बड़े प्रदेश की चुनौतियां भी बड़ी हैं, लेकिन

सरकार ने इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का कार्य किया है।

जापान में औद्योगिक और तकनीकी सहयोग पर चर्चा

मुख्यमंत्री ने यामानाशी के गवर्नर कोटारो नागासाकी के साथ द्विपक्षीय बैठक में औद्योगिक निवेश, तकनीकी सहयोग, कृषि प्रोसेसिंग और हरित ऊर्जा पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने पारस्परिक सहयोग को नई दिशा देने और निवेश को बढ़ावा देने पर सहमति जताई।

यूपीः वैश्विक निवेश और पर्यटन का केंद्र

योगी आदित्यनाथ ने भारतीय समुदाय और निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश का केंद्र बन चुका है।

उन्होंने बताया कि पहले कानून-व्यवस्था और बुनियादी ढांचे की स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन अब सड़कें बेहतर हैं और 24 घंटे बिजली सुनिश्चित की जा रही है।

जापान में निवेश प्रस्ताव और हाइड्रोजन फैसिलिटी का दौरा

यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने यामानाशी हाइड्रोजन फैसिलिटी पी2जी का दौरा किया और स्वच्छ ऊर्जा तकनीक को समझा। पहले दिन ही टीम यूपी को लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इस दौरान कुबोता कारपोरेशन, मिंडा कारपोरेशन, जापान एविएशन इलेक्ट्रानिक्स इंडस्ट्री सहित कई कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने रेलवन जीएमबीएच फैक्ट्री का किया दौरा

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश वैश्विक मंच पर लगातार अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल जर्मनी के न्यूरेमबर्ग स्थित रेलवन जीएमबीएच के अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्र के दौरे पर पहुंचा।

उप मुख्यमंत्री के साथ सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने संयंत्र में रेल ट्रैक और कंक्रीट स्लीपरों के उत्पादन की उन्नत तकनीकी प्रक्रियाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। विशेषज्ञों से संवाद करते हुए उप मुख्यमंत्री व आईटी मंत्री ने रेल अवसंरचना व गुणवत्ता मानकों में वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों की जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल ने रेलवन के अधिकारियों के साथ संभावित तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। चर्चा में रेलवे ट्रैक निर्माण की नवीनतम सामग्रियां, उत्पादन दक्षता तथा रेल अवसंरचना को और टिकाऊ बनाने के तरीकों पर फोकस रहा। जर्मनी जैसे देशों से तकनीकी सहयोग हमारे औद्योगिक विकास के नए अध्याय लिखेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने रेलवन के निशांत मित्तल व अन्य अधिकारियों से मुलाकात कर तकनीकी जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व आईटी/इलेक्ट्रॉनिक मंत्री सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने जर्मनी के प्रतिष्ठित न्यूरेंबर्ग किले का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने ऐतिहासिक किला परिसर का भ्रमण किया, इसकी मध्ययुगीन वास्तुकला की सराहना की, और इसके संरक्षण एवं आगंतुक प्रबंधन प्रणालियों का अवलोकन किया।

महिला सिपाही कार में बेटे के साथ जिंदा जली

रामपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के रामपुर में 23 साल की महिला सिपाही और 2 साल के बेटे की जलकर मौत हो गई। पति और देवर झुलस गए। सिपाही परिवार के साथ स्विफ्ट डिजायर कार से रामपुर से नैनीताल घूमने गई थी। लौटते वक्त बेकाबू डंपर ने कार में टक्कर मार दी, जिससे कार में आग लग गई। देवर (22) और पति (25) किसी तरह गेट खोलकर बाहर निकल गए, जबकि बेटे को बचाने की कोशिश में महिला सिपाही बाहर नहीं निकल पाई। पति चीखता-चिल्लाता रहा, लेकिन वह उन्हें बचा नहीं पाया।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस और फायर ब्रिगेड को बुलाया और आग बुझाई गई। इसके बाद कार से महिला सिपाही और उसके बेटे को निकाला गया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सिपाही ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। पुलिस ने पति और देवर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसा गंज थाना क्षेत्र में रात हुआ। हादसे के बाद डंपर चालक फरार हो गया।

गांव में रानी बेगम बनकर रह रही महिला निकली महमूदा

हापुड़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले से सुरक्षा और सतर्कता को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां गढ़मुक्तेश्वर तहसील के दौताई गांव में एक विदेशी महिला पिछले कई सालों से अपनी पहचान बदलकर रह रही थी। जिस महिला को गांव के लोग रानी बेगम के नाम से जानते थे, असल में वह बांग्लादेश की नागरिक महमूदा खातून निकली।

इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान होने वाले एसआईआर (सत्यापन) में हुआ। जब वोटर लिस्ट की जांच की जा रही थी, तब एक महिला के दस्तावेजों पर अधिकारियों को शक हुआ। गहनता से जांच की गई तो पता चला कि महिला ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे न केवल भारतीय पहचान बनाई, बल्कि गांव की प्रधान अफसाना के नाम का फर्जी लेटर हेड इस्तेमाल कर कागजात भी तैयार करवाए। इस धोखाधड़ी को लेकर ग्राम प्रधान ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने के बाद जब पुलिस आरोपी मसरूफ के घर पहुंची, तो वहां सन्नाटा पसरा था।

तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ एक संदिग्ध लेडीज पर्स लगा, जिसने पूरी कहानी बयां कर दी। पर्स के अंदर से महमूदा खातून और उसकी बेटी रोजा का बांग्लादेशी पासपोर्ट और वीजा मिला। बांग्लादेशी दस्तावेज और वहां की करेंसी (मुद्रा) बरामद हुई। एक निकाहनामा भी मिला, जो फर्जीवाड़े की कड़ियां जोड़ता है।

सीतापुर के मिश्रिख नगर पालिका पहुंची आयकर की टीम, दस्तावेज कर रही चेक

सीतापुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के सीतापुर में गुरुवार को मिश्रिख नगर पालिका में आयकर विभाग की टीम पहुंची है। टीम ऑफिस में दस्तावेज चेक कर रही है। हाल ही में हुए उपचुनाव में मिश्रिख से भाजपा विधायक रामकृष्ण भार्गव की बहू सीमा भार्गव अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। विधायक के बेटे विजय भार्गव का कहना है कि यह छापा की कार्रवाई नहीं है। बल्कि, आयकर टीम दस्तावेज देखने आई है। प्रत्येक वर्ष ठेकदारों का टैक्स कटता है, तो वही दस्तावेज देखने टीम आई है।

हॉस्टल के मेस में खाना खाते ही बेहोश हुई छात्रा

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ विश्वविद्यालय के गंगा गर्ल्स हॉस्टल में मेस के खाने की गुणवत्ता को लेकर छात्राओं का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार देर रात लॉ की थर्ड ईयर की एक छात्रा ने मेस का खाना खाते ही उल्टियां शुरू कर दीं और कुछ ही देर बाद बेहोश हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अन्य छात्राएं आगबबूला हो गईं और हॉस्टल परिसर में जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्राओं ने बताया कि रात के खाने में दी गई सब्जी और रोटी खाने के कुछ ही मिनट बाद पीड़िता की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उल्टी-दस्त के बाद वह बेहोश हो गई। तुरंत साथी छात्राओं ने उसे अस्पताल पहुंचाया।

इस घटना ने हॉस्टल में तनाव पैदा कर दिया। बड़ी संख्या में जमा छात्राओं ने हॉस्टल प्रोवोस्ट के सामने प्रदर्शन किया और मेस संचालक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। छात्राओं का आरोप है कि पिछले कई महीनों से मेस के खाने की गुणवत्ता बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि हम बार-बार शिकायत कर चुकी हैं,

खुले में मांस की बिक्री पर रोक के बाद भड़के मुकेश सहनी

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्य के अंदर खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का मांस-मछली खुले में नहीं बेचा जाएगा। इस फैसले को लेकर राजनीति गरमा गई है। इस बीच विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी की प्रतिक्रिया आई है। मुकेश सहनी ने कहा कि यह तो सब लोग जानते हैं कि हिंदू-मुसलमान का नैरेटिव सेट करने के लिए पहले चिकन और मटन से शुरू हुआ और अब मछली पहुंच गया है।

यह एक जाति, एक धर्म के लोगों को निशाना बनाना की सोच है। उसके लिए अब मछुआरों को घसीट लिया गया। मुकेश सहनी ने कहा कि कुछ दिन पहले बिहार के डिप्टी सीएम सोकर उठे और आदेश दिया कि कोई भी मछुआरा मछली नहीं बेचेगा, मांस नहीं बेचेगा। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि सबका अपने बाबूजी का राज है, जो मर्जी होगी करने लगेगा।

मुकेश सहनी ने आगे कहा कि हम भी मंत्री बने थे। हमने 5 हजार करोड़ रुपये का बजट बनाया था। पूरे बिहार में मछली बाजार बनाया जाएगा। इसमें कोई भी खुले में, सड़क किनारे मछली-मटन नहीं बेचेंगे। इसके लिए हमने 5 साल का ब्लूप्रिंट बनाया था। जिसके लिए 5 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे। इस ब्लूप्रिंट के मुताबिक हर साल में एक हजार करोड़ रुपये का खर्चा करना था। उन्होंने आगे कहा कि हमको रोड पर मछली बेचने का शौक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का काम हर जगह व्यवस्था करने का है।

अविमुक्तेश्वरानंद की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई आज

प्रयागराज, 26 फरवरी (एजेंसियां)। यौन शोषण के आरोपों से घिरे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की अग्रिम जमानत की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार यानी 27 फ़रवरी को सुनवाई होगी। झूंसी थाने में दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले से गिरफ्तारी से बचने के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। कोर्ट नंबर 72 में फ्रेश कॉज लिस्ट में 142 नंबर पर शुक्रवार यानी 27 फरवरी को केस लगा हुआ है।

जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई होगी। अग्रिम जमानत अर्जी में यूपी सरकार और पांच अन्य को पक्षकार बनाया गया है। शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय, आरोप लगाने वाले दोनों नाबालिग पीड़ित, हाईकोर्ट लीगल सर्विस कमेटी और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी को पक्षकार

बनाया गया है। अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के जरिए याचिका दाखिल की गई है। तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। जिस पर एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी को पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना का आदेश दिया था।

इन धाराओं में दर्ज है मुकदमा

कोर्ट के इस आदेश के अनुपालन में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। झूंसी थाना पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी और दो-तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर बीएनएस की धारा 351(3), लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5आई, 6,3,4(2),16 और 17 के तहत दर्ज की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना भी शुरू कर दी है।

जमानत ना मिलने पर हो सकती है गिरफ्तारी

मामले में पुलिस ने अब तक दोनों पीड़ित नाबालिगों का बयान दर्ज कर मेडिकल भी करा लिया है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी का दावा है कि पीड़ितों के बयान में दो अन्य आरोपियों के नाम सामने आए हैं। अरविंद मिश्रा और प्रकाश उपाध्याय के नाम यौन उत्पीड़न में सामने आए हैं। कोर्ट से अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी को अग्रिम जमानत नहीं मिलती है, तो झूंसी थाना पुलिस कभी भी उन्हें गिरफ्तार कर सकती है।

पति ने रिटायरमेंट का किया इंतजार, फिर पत्नी के कर दिए 12 टुकड़े; कोर्ट ने सुनाई फांसी!

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के अरवल जिले की एक अदालत ने एक सनसनीखेज हत्याकांड में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपी पति को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है। यह अरवल जिले के न्यायिक इतिहास में किसी मामले में सुनाई गई मौत की पहली सजा है। जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश रवि रंजन मिश्रा की अदालत ने इस मामले को 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' (दुर्लभतम से दुर्लभ) श्रेणी में रखते हुए दोषी बीरबल साहू को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत फांसी की सजा सुनाई है। महेंदिया थाना क्षेत्र के जमुहारी गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक बीरबल साहू ने जिस बेरहमी से इस वारदात को अंजाम दिया, उसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

पीयू छात्रसंघ चुनाव- एबीवीपी में 20 लाख में टिकट का सौदा

छात्र नेता बोला-10 लाख दे दिए फिर नहीं दी टिकट, छात्रा बोली-मुझे रेप की धमकी दे रहे

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव हो रहे हैं। 28 फरवरी को मतदान है। इससे पहले छात्र संगठन एबीवीपी पर टिकट बेचने के आरोप लगे हैं। छात्र नेता अंचल कुमार ने आरोप लगाया है कि उससे टिकट के लिए 20 लाख रुपए मांगे गए थे। 10 लाख देने पर भी टिकट नहीं मिला। दूसरी ओर एबीवीपी प्रत्याशी

अनुष्का पर चुनाव जीतने के लिए इमोशनल कार्ड खेलने के आरोप लगे हैं। अनुष्का ने रेप की धमकी दिए जाने की बात कही है। इस संबंध में पूछने पर अनुष्का ने कहा, 'जो लोग सिंपैथी लेने की बात कर रहे हैं उनके घर भी मां बहन हैं। वे भी जाकर ऐसा कर सिंपैथी ले सकते हैं। पटना यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति में लंबे समय से एक्टिव रहे अंचल कुमार ने एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) पर टिकट के लिए 20 लाख मांगने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, 'मुझसे नॉमिनेशन कराया गया। टिकट के लिए 10 लाख रुपए दिए थे। 10 लाख बाकी था, इसलिए टिकट नहीं दिया गया।' अंचल कुमार ने कहा, 'एबीवीपी के संगठन मंत्री शुक्ला जी (बिहार झारखंड क्षेत्र के संगठन मंत्री याज्ञवल्क शुक्ला) हैं। उन्होंने 10 लाख रुपए और देने की बात कही थी। पैसे नहीं देने पर मेरा टिकट कट गया। आधा पैसा नॉमिनेशन के बाद देने की बात तय हुई थी, लेकिन वो पहले ही पूरा पैसा मांगने लगे। उनकी उम्मीदवार (अनुष्का) सिर्फ इमोशनल ब्लैकमेल कर रही हैं। इनको कैंपस में भी कोई नहीं जानता। यूनिवर्सिटी का गेट तक नहीं पता था कि कहां पर नॉमिनेशन करना है।' अंचल कुमार ने बताया, 'मैं पिछले 5 साल से कैंपस में रहकर छात्रों का मुद्दा उठा रहा हूं। विद्यार्थी परिषद में पिछले 5 साल से काम कर रहा हूं, लेकिन मेरे साथ ऐसा किया गया। ये लोग मेरे समर्थकों को बिना वजह जेल भेज रहे हैं।'

पवन पर भड़कीं अक्षरा, कहा-वो 10 जगह मुंह मारता है

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार पवन सिंह की एक्स गर्लफ्रेंड अक्षरा सिंह ने बिना उनका नाम लिए उनपर जोरदार हमला किया है। अक्षरा सिंह ने पवन सिंह के साथ पुराने रिश्तों पर कहा, इस बात को जमाना बीत चुका है। मुझे भी अपना जीवन बसाना है। एक ही जगह उलझ कर नहीं रह सकती। वो दस जगह लड़कियों के साथ इधर-उधर घूम रहा है, उससे कोई सवाल नहीं पूछ रहा। उसका चरित्र सबके सामने है।

मुझे कोई चैन से जीने नहीं दे रहा। क्या सिर्फ इसलिए कि मैं लड़की हूं? क्या यह मेरा गुनाह है? पॉडकास्ट के दौरान जब अक्षरा सिंह से पूछा गया कि क्या अभी भी पवन सिंह के लिए उनके दिल में सॉफ्ट कॉर्नर है तो वे झिझकी नहीं, बल्कि उन्होंने दो टूक जवाब देकर ऐसा सोचने वालों की बोलती बंद कर दी। उन्होंने पूछा, 'वो हैं कौन?' सवालों में उलझी अक्षरा ने कहा, 'अब लोग कहेंगे कि हर बार उसी का टॉपिक ले आती हैं। अरे मैं क्या करूं, मुझसे पूछा जाता है हर बार जैसे अभी आपने पूछा। कहीं और जाऊंगी तो फिर से यही सवाल किया जाएगा। हो गई बहुत पुरानी बात, एक टाइम पर एक पॉडकास्ट में मैंने सारी बातें कह दी थी।

मैंने तभी ये कहा था कि मैं अब इस टॉपिक पर बार-बार बात नहीं करूंगी। वो मेरा अतीत था, इसे लेकर नहीं घूम सकती।' करीब 6 महीने पहले पवन सिंह का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें पवन सिंह हरियाणवी एक्ट्रेस की स्टेज पर कमर छुते दिखे थे।

विधायक उमाशंकर सिंह के घर से 10 करोड़ कैश बरामद

लखनऊराजधानी लखनऊ में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर बुधवार से जारी आयकर टीम का छापा गुरुवार को समाप्त हो गया। उनके घर से 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई है। अभी उनके ऑफिस और अन्य स्थानों पर कार्रवाई जारी है।

विपुलखंड स्थित उनके आवास पर कार्रवाई पूरी हो गई है। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से एकमात्र बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर बुधवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। लखनऊ, बलिया, सोनभद्र, कौशांबी, मिर्जापुर और प्रयागराज में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें सुबह 11 बजे से देर रात तक जांच में जुटी रहीं। खबर लिखे जाने तक तीन करोड़ रुपये से अधिक की नकदी गिनी जा चुकी थी। आयकर विभाग की तीन टीमों ने लखनऊ के गोमतीनगर में विपुल खंड स्थित उमाशंकर सिंह के आवास, उनकी कंपनी छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस और वजीर हसन रोड पर करीबी ठेकेदार फैजी के ठिकानों को खंगाला।

इसके अलावा सोनभद्र में साईं राम इंटरप्राइजेज कंपनी के नाम से खनन का कारोबार करने वाले उमाशंकर सिंह के करीबी सीबी गुप्ता समेत कई खनन कारोबारियों के ठिकानों को खंगाला जा रहा है। आयकर विभाग ने सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था, जिसके बाद टैक्स चोरी और बेनामी संपत्तियों से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। उमाशंकर सिंह छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईं राम इंटरप्राइजेज के नाम से सड़क और खनन से जुड़े कार्य करते हैं। बीते वर्ष सीएजी (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सोनभद्र में अवैध खनन कार्यों से करीब 60 करोड़ रुपये की राजस्व की हानि हुई थी। माना जा रहा है कि सीएजी की इस रिपोर्ट के बाद ही उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के ठिकानों को खंगाला गया है। बलिया में विधायक उमाशंकर के आवास पर छापा मारना आयकर विभाग के लिए आसान नहीं था।

ऐसे में टीम सरकारी गाड़ियों के बजाय बरातियों के अंदाज में पहुंची। वाहनों पर महेंद्र कुमार संग संगीता कुमारी नाम के शादी वाले स्टीकर लगा दिए गए, ताकि किसी को शक न हो।

केरल का नाम 'केरलम' करने पर बोले राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

'अंग्रेजों ने कहा केरल, असल नाम तो केरलम ही है'

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आरिफ मोहम्मद खान ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने राज्य को 'केरल' कहना शुरू किया था। जबकि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से इसका नाम 'केरलम' ही रहा है। उन्होंने इसे सकारात्मक पहल बताया। राज्यपाल के अनुसार यह कदम परंपरा से जुड़ाव को मजबूत करेगा। साथ ही सांस्कृतिक अस्मिता को भी पहचान दिलाएगा।

'अच्छी बात है'-राज्यपाल की स्पष्ट राय

राज्यपाल ने कहा, 'ये तो अच्छी बात है।' उनका मानना है कि नाम में बदलाव कोई नई बात नहीं है। देश में कई शहरों और राज्यों के नाम बदले गए हैं। यह बदलाव ऐतिहासिक सच्चाई को स्वीकार करने जैसा है। उन्होंने कहा कि पहचान और विरासत का सम्मान जरूरी है। इसी सोच के साथ इस पहल को देखा जाना चाहिए।

विकसित भारत के संदर्भ में बयान

राज्यपाल ने अपने बयान को 'विकसित भारत' के लक्ष्य से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत तभी बनेगा जब सभी राज्य आगे बढ़ें। आज जो राज्य पिछड़े माने जाते हैं, उन्हें अग्रणी भूमिका निभानी होगी। हर क्षेत्र में संतुलित विकास जरूरी है। क्षेत्रीय असमानता खत्म करना समय की मांग है। तभी राष्ट्रीय प्रगति का लक्ष्य साकार होगा।

दक्षिण और उत्तर का साझा योगदान

उन्होंने कहा कि देश का विकास किसी एक क्षेत्र से संभव नहीं। उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम-सभी का योगदान अहम है। राज्यों को अपनी ऐतिहासिक पहचान पर गर्व होना चाहिए। लेकिन साथ ही विकास की दौड़ में भी आगे रहना होगा। संघीय ढांचे में सहयोग की भावना जरूरी है। इसी समन्वय से मजबूत और विकसित भारत का निर्माण होगा।

एनडीपीएस कोर्ट का फैसला: अंतरराज्यीय तस्कर अजीत सिंह को 10 साल की सजा

लुधियाना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब में नशे के खिलाफ कार्रवाई को बड़ी मजबूती देते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की चंडीगढ़ जोनल यूनिट को अहम कामयाबी मिली है। लुधियाना की विशेष एनडीपीएस अदालत ने अंतरराज्यीय चरस तस्करी मामले में आरोपी अजीत सिंह को 10 साल की कठोर कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है, जिसे नशा तस्करों के लिए कड़ी चेतावनी माना जा रहा है। मामला 20 फरवरी 2018 का है। एनसीबी को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में चरस की खेप लाई जा रही है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एनसीबी की चंडीगढ़ जोनल यूनिट ने जाल बिछाया और जम्मू-कश्मीर के कठुआ निवासी अजीत सिंह को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 2.840 किलो चरस बरामद हुई।

किससे परेशान थे सूरत के बिल्डर तुषार गेलानी ?

सुसाइड के बाद नई व्हाट्सएप चैट आई सामने, पलटी पूरी थ्योरी

सूरत, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सूरत के दिग्गज बिल्डर तुषार गेलानी आत्महत्या मामले में नया मोड़ आ गया है। इस केस में मुख्य आरोपी और तुषार की महिला मित्र पूनम भदोरिया ने अब गेलानी परिवार पर ही गंभीर पलटवार किया है। बुधवार को सत्र न्यायालय में अपनी जमानत याचिका दाखिल करते हुए पूनम ने सनसनीखेज दावे किए और तुषार की बड़ी बेटी पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए। पूनम भदोरिया के वकील ने अदालत में दलील दी कि तुषार की आत्महत्या के लिए वह जिम्मेदार नहीं, बल्कि उनका अपना परिवार है। याचिका में कहा गया कि गेलानी परिवार तुषार को सिर्फ एक 'एटीएम मशीन' समझता था।

सबसे चौंकाने वाला दावा तुषार की बड़ी बेटी को लेकर किया गया। पूनम का आरोप है कि विदेश से पढ़कर लौटी बेटी अपने पिता को 'पापा' नहीं बल्कि

'मिस्टर तुषार गेलानी' कहकर बुलाती थी।

तुषार की बेटी के व्हाट्सएप चैट

कोर्ट में पूनम ने कुछ व्हाट्सएप चैट भी पेश किए गए, जिनमें बेटी ने पिता तुषार को लिखा था- चिंता मत करो, जरूरत पड़ी तो पैसे चुकाने के लिए खुद को बेच दूंगी, अब तुम मजे करो। पूनम ने दावा किया कि बेटी अपने पिता की हर हरकत, कॉल और मुलाकातों पर नजर रखती थी, जिससे तुषार घुटन महसूस कर रहे थे।

कहानी की शुरुआत कहां से हुई

ये पूरा मामला 1 फरवरी को शुरू हुआ जब 58 वर्षीय तुषार गेलानी ने अपनी बेटी की शादी की तैयारियों के बीच खुद को गोली मार ली। 5 फरवरी को अस्पताल में इलाज के दौरान तुषार की मृत्यु हो गई। तुषार की बेटी ने पूनम भदोरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। बेटी का आरोप था कि पूनम पिछले 15 वर्षों से उनके पिता के साथ अनैतिक संबंधों में थी और उन्हें बदनाम करने की धमकी देकर करोड़ों रुपये वसूल चुकी थी। शिकायत के अनुसार, पूनम ने तुषार के एक प्री-प्राइमरी स्कूल में जबरन 50% की हिस्सेदारी ले ली थी और लगातार मानसिक दबाव बना रही थी।

"सुसाइड से पहले तुषार खुश थे"

वहीं, पूनम ने अपनी याचिका में बताया कि वह 2010 से तुषार के संपर्क में थी। कहा कि तुषार बाहर से खुश दिखते थे लेकिन अंदर से टूटे हुए थे। पूनम के मुताबिक, 31 जनवरी (सुसाइड से एक दिन पहले) की शाम को जब उसकी तुषार से बात हुई, तो वो बहुत खुश थे और उनके व्यवहार से आत्महत्या का कोई संकेत नहीं मिल रहा था। अदालत इस मामले में अब गुरुवार को आगे की सुनवाई करेगी। फिलहाल पूनम पुलिस हिरासत में है और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट जमानत पर फैसला लेगा।

राजस्व नहीं वसूल पा रही सरकार, 4844 करोड़ बकाया: सीएजी रिपोर्ट में खुलासा

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में आज कैग रिपोर्ट पेश की गई। जिसमें कई तरह के खुलासे हुए हैं। बड़ी बात ये सामने आई है कि सरकार राजस्व तक नहीं वसूल पा रही है। आज पेश रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2023 तक 4844 करोड़ रुपये राजस्व बकाया है। जिनमें से 1430.32 करोड़ 5 साल से पेंडिंग। वहीं फसलों की सब्सिडी में अनियमितता की बातें सामने आई हैं। साथ ही सीएजी ने एटीएस को लेकर परिवहन विभाग में गड़बड़ी का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सोप का पालन किए बगैर गाड़ियों के फिटनेस सर्टिफिकेट जारी हुए, जिससे सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ। सीएजी रिपोर्ट पर राजद विधायक सर्वजीत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है, बिहार में जीएसटी इनपुट घोटाला हुआ है। बिना टैक्स दिए 200 करोड़ कारोबारियों को लौटा दिया गया।

मंडल का बजट सत्र कल शुक्रवार को पूरा हो रहा है। इससे पहले आज गुरुवार को विधान परिषद में फोटो सेशन हुआ। इस दौरान सीएम नीतीश लगातार हाथ जोड़ते नजर आए। जबकि कैमरामैन कह रहे थे कि सर चेहरा छिप रहा है। जिसके बाद उपसभापति अवधेश नारायण सिंह ने उन्हें टोका। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ठीक पीछे एमएलसी सच्चिदानंद राय खड़े थे । वे दोनों हाथों को एक साथ जोड़कर खड़े थे।

इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुटकी ली, ये दोनों हाथ को एक साथ जोड़कर खड़े रहते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद को असहज महसूस किया और अपनी कुर्सी थोड़ी आगे करके बैठे। फोटो सेशन में नेता विपक्ष राबड़ी देवी मौजूद नहीं रहीं। कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्ष के विधायकों ने पोर्टिको में प्रदर्शन किया। दलितों को तीन डिसमिल जमीन देने को लेकर नारेबाजी की गई। इधर, अमित शाह के बिहार दौरे पर राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'वो जहां भी जाते हैं, आंतकवाद को हवा देते हैं। सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ते हैं।

साध्वी रंजना और शिष्यों पर बदमाशों का हमला कार में भी तोड़फोड़; विहिप-बजरंग दल ने घेरा थाना

भोपाल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी के मिसरोद गांव में ओवरटेकिंग के विवाद को लेकर साध्वी रंजना और उनके शिष्यों से मारपीट हो गई। ये घटना शाम की है। इसके साथ ही बदमाशों ने उनकी कार में भी तोड़फोड़ कर दी। शिष्यों ने कार चालक की चेन झपटने का आरोप भी लगाया है। शिकायत करने पर मिसरोद पुलिस ने छह घंटे तक कार्रवाई नहीं की।

इस बात से गुस्साए विश्व हिंदू परिषद् और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मिसरोद थाना घेरकर धरना दिया। फिर देर रात पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार साध्वी रंजना शाम

को सलैया में एक कार्यक्रम से अपने पेबल बे स्थित घर लौट रही थीं। उनकी कार में दो अन्य साध्वियां और एक शिष्य भी थे, वही कार चला रहे थे। शाम करीब 4:30 बजे कार जब मिसरोद गांव पहुंची तो सामने से एक कार आ रही थी। रास्ता न होने के कारण साध्वी रंजना के चालक ने पहले सामने वाली कार के निकलने का इंतजार किया।

इसी दौरान पीछे से कार सवार कुछ बदमाश लगातार उनकी कार को पीछे से टच कर रहे थे। चालक और एक अन्य साध्वी ने इसे लेकर कार चालकों को समझाइश दी तो वे कार से उतरकर गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद वे अभद्र व्यवहार करने लगे। साध्वी रंजना व उनके शिष्य ने समझाया तो बदमाशों ने उनसे मारपीट शुरू कर दी।

10वीं की छात्रा के साथ वैन में 3 लोगों ने की गैंगरेप की कोशिश

तंजावुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तंजावुर जिले के पापनासम इलाके में 10वीं क्लास की छात्रा के साथ रेप करने की कोशिश करने के आरोप में पुलिस ने 19 साल के वेलमुरुगन एक टूरिस्ट वैन ड्राइवर को पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दो अन्य लोगों की तलाश जारी है, जिन्होंने आरोपी की मदद की। पुलिस के मुताबिक, वेलमुरुगन तिरुमानूर इलाके के तिरुनावुकरसु का बेटा है और वह मंदिरों में आने वाले भक्तों को वैन से ले जाता था। छात्रा और वेलमुरुगन के बीच पहले से दोस्ती हो गई थी। 23 तारीख को वेलमुरुगन ने नियमित रूप से भक्तों को वैन में ले जाने के बाद छात्रा को वैन में बैठने के लिए कहा। उस समय उसके साथ उसके दोस्त वीर (पापनाट्टई निवासी) और कन्नन (57, नाचियार्कोइल के पास तिरुचेराई इलाके के निवासी) भी मौजूद थे।

मेघालय विधानसभा में अनोखा नजारा, विधायक पत्नी ने मुख्यमंत्री पति से पूछे सवाल; मांगा काम का ब्यौरा

शिलांग, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय विधानसभा में एक बहुत दिलचस्प नजारा देखने को मिला। यहां नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) की विधायक मेहताब चांदी ए संगमा ने मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा से विकास कार्यों को लेकर सवाल पूछे। यह चर्चा इसलिए चर्चा में रही क्योंकि विधायक और मुख्यमंत्री आपस में पति-पत्नी हैं। सदन में दोनों के बीच नीतिगत मुद्दों पर बहुत अच्छी और स्वस्थ बहस हुई। विधायक मेहताब चांदी ने साल 2022 में प्रस्तावित पशु चिकित्सा (वेटरनरी), मत्स्य पालन और डेयरी कॉलेजों की प्रगति के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने राज्य के पशु चिकित्सा केंद्रों में कर्मचारियों की भारी कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्र के लोग स्टाफ की कमी की वजह से परेशान हैं और इससे उनकी आजीविका पर असर पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार एक वेटरनरी कॉलेज, दो फिशरी कॉलेज और एक डेयरी कॉलेज बनाने की योजना पर काम कर रही है। प्रस्तावित वेटरनरी कॉलेज के लिए री-भोई जिले के किर्देमकुलाई में 800 एकड़ जमीन चुनी गई है। इस बड़े प्रोजेक्ट पर लगभग 334 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और इसमें 19 विभाग होंगे। काम में देरी की वजह बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन की पहचान और मानव संसाधन की योजना बनाने में समय लगा है। उन्होंने माना कि कर्मचारियों की कमी एक गंभीर समस्या है। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया कि खाली पदों को भरने का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

कृषि मंत्री ने पेड़ लगाने का किया आग्रह कहा- इससे मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा

भोपाल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन आने वाला है। इस बीच उन्होंने गुरुवार को अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे उनके जन्मदिन पर एक पेड़ जरूर लगाएं और उसकी फोटो खींचकर उन्हें भेजें, जिससे उनका जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि प्रिय बहनों-भाइयों और भांजे-भांजियों, हमारा जीवन किसलिए है। वो कैसे सफल और सार्थक होगा। वो सार्थक होगा किसी अच्छे उद्देश्य के लिए जीने से। पर्यावरण का संरक्षण मेरे जीवन का एक पवित्र उद्देश्य रहा है। इसलिए मैं रोज पौधा लगाता हूं। 5 मार्च को मेरा जन्मदिन है। आप स्नेह के कारण, प्रेम और आत्मीयता के कारण उसे उत्साह से मनाते भी हैं। राजनीतिक क्षेत्र का कार्यकर्ता होने के कारण कई कार्यकर्ता होर्डिंग लगा देते हैं। कई शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह लेकर आते हैं। लेकिन, 5 मार्च को इस बार मेरी आप सबसे अपील है कि जन्मदिन को भी उद्देश्यपूर्ण बनाएं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मेरे जन्मदिन पर न फूल-मालाएं, न शॉल, न श्रीफल, न स्मृति चिन्ह, न होर्डिंग, बस इस दिन एक पेड़ जरूर लगाएं।

उसका फोटो अपलोड कर दें या मुझे भेज दें। मेरा जन्मदिन सार्थक हो जाएगा। हर सेवा महत्वपूर्ण है, लेकिन जब मैं गहराई में सोचता हूं तो पौधा लगाना इस दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है। पेड़ हर एक के काम आते हैं। मनुष्यों को जीने के लिए जरूरी हैं। कीट-पतंगे और पक्षी उनका घर और भोजन हैं पेड़। पशुओं को छांव भी देते हैं और भोजन भी देते हैं। धरती का श्रृंगार भी हैं और धरती का जीवन भी हैं पेड़। पौधा लगाना इस संसार की सबसे बड़ी सेवा है और इसीलिए तो मैं पौधा लगाता हूं। आप पौधा लगाएं, केवल मेरे जन्मदिन पर नहीं, अपने जन्मदिन पर भी। मैं बीते 5 वर्षों से प्रतिदिन पौधा लगा रहा हूं।

तेजस्वी के एमएलसी ने विधान मंडल परिसर में शराब की डिलीवरी का किया दावा, पहुंचाने वाले कौन हैं

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में शराबबंदी पर शुरू हुई सियासत थमने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष सरकार को घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। आज विधान परिषद् सदस्य और राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में कोई भी ऐसी योजना नहीं चल रही है, जिसमें भ्रष्टाचार नहीं है। नल जल योजना, आवास योजना समेत सभी में भ्रष्टाचार व्यापत है। उन्होंने शराबबंदी को फेल बताते हुए कहा कि 2016 से पहले जितनी शराब बिहार में आती थी, उससे कई गुना ज्यादा शराब बंदी के बाद आ रही है। यूपी, झारखंड और बंगाल से आराम से शराब आ रही है और अवैध रूप से बेची जा रही है। युवा पीढ़ी बर्बाद हो गई।

ऐसी कोई जगह नहीं जहां पैसा देकर शराब की डिलीवरी नहीं हो

एमएलसी सुनील ने कहा कि कम उम्र के युवा सूखे नशे का शिकार हो गए हैं। सीएम नीतीश कुमार राजा राम मोहन राय बनना चाहते थे लेकिन वह नहीं बन पाएं। वह शराबबंदी लागू करवा नहीं पाएं। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को मैं इसी सदन के प्रागंण में शराब की लाइव डिलीवरी करवा दूंगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आप लोग कैमरा लेकर आइएगा मैं लाइव दिखा दूंगा। उन्होंन कहा कि केवल यहां ही नहीं अणे मार्ग में भी शराब की आसानी से डिलीवरी हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि कोई ऐसी जगह नहीं है जहां पर पैसा देकर शराब की डिलीवरी नहीं हो जाए। जहां पर बड़े बड़े मंत्री और नेताओं का रहना होता है, वहां पर शराब की अवैध डिलीवरी होती है। स्कूल और कॉलेज के लड़के साइकिल और स्कूटर से डिलीवरी करते हैं। सरकार इसे रोक नहीं पा रही है।

राजद एमएलसी पर एनडीए के विधायक ने किया पलटवार

राजद एमएलसी सुनील सिंह पर पलटवार करते हुए राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक दल के नेता और विधायक माधव आनंद ने कहा कि राजद वाले सुबह में कुछ और शाम में कुछ और बोलते हैं। वह लोग बेतुका बयान देते हैं। उन्होंने पता नहीं है कि शराबबंदी एक सफलतम कानून है। उन्हें अगर क्षमता है तो वह शराब की डिलीवरी करवा दें। किसी की इतनी हिम्मत है कि विधान मंडल परिसर में कोई शराब मंगवा लेगा। वह बेतुका बयान देते हैं। सुर्खियों में बने रहने के लिए वह ऐसा करते हैं। शिक्षा की कमी है। थोड़ा पढ़कर लिखकर उन्हें आना चाहिए।

मणिपुर में उग्रवादियों से लड़ते हुए पंजाब का जवान शहीद; राजकीय सम्मान से होगा अंतिम संस्कार

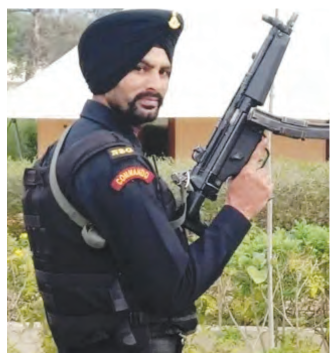

संगरूर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के संगरूर जिले के गांव महलां चौक के रहने वाले सैनिक गुरप्रीत सिंह मणिपुर में ड्यूटी के दौरान उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि वे भारतीय सेना में तैनात थे और पिछले 21 वर्षों से देश की सेवा कर रहे थे। मणिपुर में चल रहे एक ऑपरेशन के दौरान आतंकियों की ओर से हुई। अचानक फायरिंग में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। साथियों ने उन्हें बचाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन उन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की। शहादत की खबर मिलते ही गांव महलां चौक सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आसपास के इलाकों के लोग परिवार के घर पहुंचकर संवेदना जता रहे हैं। शहीद अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि गुरप्रीत सिंह मिलनसार, बहादुर और कर्तव्यनिष्ठ सैनिक थे, जिन्हें गांव का हर व्यक्ति सम्मान देता था। इस बीच शहादत को लेकर मुआवजे और सरकारी सहायता को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

नंबरदार यूनियन पंजाब के नेता रण सिंह मैहलां ने राज्य सरकार से मांग की है कि शहीद के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और गांव में उनकी याद में स्मारक बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार शीघ्र घोषणा नहीं करती तो संगठन स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। प्रशासन की ओर से एसडीएम दिड़बा ने जानकारी दी कि शहीद का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। क्षेत्र के लोग अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देने की तैयारी में जुटे हैं। गुरप्रीत सिंह की शहादत ने एक बार फिर देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के साहस और बलिदान को उजागर किया है।

कोर्ट में चंद मिनट भी नहीं टिकेंगी शिमला पुलिस की दलीलें

किन तीन आधार पर दिल्ली पुलिस पर दर्ज किया केस?

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हुए इंडिया एआइ इंपैक्ट समिट के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा कांग्रेस के तीन आरोपितों को पकड़ने शिमला गई दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की टीम पर शिमला पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कराया है। लगभग 24 घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामा के दौरान शिमला पुलिस ने दिल्ली पुलिस को 5 घंटे तक हिरासत में भी रखा। इसके साथ ही शिमला पुलिस ने दिल्ली पुलिस पर अपहरण का मामला भी दर्ज किया है। गौरतलब है कि बुधवार को तीन प्रदर्शनकारियों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा था लेकिन शिमला पुलिस ने राज्य सीमा से उन्हें निकलने नहीं दिया। अदालती प्रक्रिया के बाद आज (गुरुवार) सुबह दिल्ली पुलिस तीनों को वहां से लेकर आ रही है। शिमला पुलिस ने दिल्ली पुलिस पर तीन आधार पर केस दर्ज किया है। हालांकि यह तीनों ऐसे ग्राउंड पर जिन पर दलीलें एक मिनट भी कोर्ट में नहीं टिकेंगी। बता दें कि शिमला पुलिस ने जिन तीन ग्राउंड पर दिल्ली पुलिस के खिलाफ केस दर्ज किया है, कानूनन उस आधार पर कोई केस नहीं बनता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यही वजह है कि आज शिमला कोर्ट शिमला पुलिस द्वारा दर्ज केस को रद करने का आदेश दे सकती है। पहला ग्राउंड यह बताया गया कि दिल्ली पुलिस ने रिजॉर्ट में घुसकर बिना लोकल पुलिस को कुछ सूचना दिए तीन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उठा लिया जिससे अपहरण का मामला बनाया गया। दिल्ली पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड के लिए आवेदन कर दिया, जिससे यह ग्राउंड खारिज हो सकता है। दूसरा ग्राउंड रिजॉर्ट से डीवीआर को उखाड़ने का बनाया गया। दिल्ली पुलिस ने उसे अपने सीजर मेमो में दिखा दिया है। तीसरा आधार रिजॉर्ट में 20 पुलिसकर्मियों के एक साथ घुसने का बताया गया। दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को बताया कि दूसरे राज्यों में रेड के लिए पुलिस अपनी पूरी तैयारी के साथ कहीं भी रेड कर सकती है।

मेधा सोमैया मानहानि मामले में संजय राउत को राहत, किरीट सोमैया बोले- एचसी में करेंगे अपील

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मेधा सोमैया मानहानि मामले में सांसद संजय राउत को अदालत से राहत मिली है। अब इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी नेता किरीट सोमैया ने कहा कि कोर्ट का विस्तृत आदेश अभी प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन इस मामले में हाई कोर्ट में अपील निश्चित रूप से दायर की जाएगी। यह मामला कथित 'टॉयलेट घोटाले' को लेकर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। इससे पहले शिवड़ी कोर्ट के फैसले के खिलाफ संजय राउत ने सेशन कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस दौरान विधायक सुनील राउत भी सेशन कोर्ट पहुंचे।

मेधा सोमैया मानहानि मामले में संजय राउत बरी

बता दें सेशन कोर्ट ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत को बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया की ओर से दायर मानहानि के मामले में बरी कर दिया है। ये मामला बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया से जुड़े मानहानि केस

से संबंधित है। इससे पहले सेशन कोर्ट ने मंगलवार (17 फरवरी) को संजय राउत की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में संजय राउत को दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ उन्होने सेशन कोर्ट में याचिका दी थी।

संजय राउत को हुई थी 15 दिन जेल की सजा

सितंबर 2024 में, मझगांव मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मेधा सोमैया की ओर से 2022 में दायर मानहानि केस में संजय राउत को दोषी ठहराया था। उद्धव गुट के नेता को 15 दिन की जेल के साथ उन पर 25,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। इसके तुरंत बाद राउत ने अदालत में याचिका दाखिल की थी। इसके बाद उनकी जेल की सजा को निलंबित कर दिया गया था। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मीरा रोड (ठाणे) में 100 करोड़ रुपए के टॉयलेट बनाने के घोटाले का आरोप लगाया था, जो सोमैया की ओर से चलाए जा रहे एक एनजीओ से जुड़ा था। मुंबई के रुइया कॉलेज में ऑर्गेनिक केमिस्ट्री की प्रोफेसर मेधा सोमैया ने अपने और अपने पति के खिलाफ राउत के 'बदनाम करने वाले आरोपों' के लिए उन्हें अदालत में घसीटा था।

मेड ने कराई मालिक के घर ईडी की फर्जी रेड, ऐसा केस देख पुलिस भी हो गई हैरान

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है, जहां घर की नौकरानी ने अपने मालिक के यहां ईडी की फर्जी रेड करा दी। दिल्ली पुलिस ने नौकरानी और उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की यूनिफॉर्म, घर का महंगा सामान और हथियार बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, नौकरानी ने पूरी प्लानिंग के साथ अपने करीबियों को इस साजिश का हिस्सा बनाया। उसने घर की पूरी जानकारी साथियों को दी और स्पेशल 26 वाला प्लान तैयार किया। घर में कौन-कौन रहता है और क्या करता है, इसकी पूरी जानकारी इस रेड में मददगार बनी।

तय समय के मुताबिक, ईडी के अफसर बनकर टीम उस घर पर छापेमारी करने पहुंच गई। घर में मौजूद लोग जरा भी भांप नहीं पाए कि रेड करने वाले नकली अफसर हैं। स्पेशल 26 फिल्म की कहानी तो आपको याद होगी, जिसमें अक्षय कुमार के साथ फर्जी सीबीआई और इनकम टैक्स अधिकारी बनकर टीम रेड डालती थी। भ्रष्ट नेताओं और कारोबारियों के काले धन पर नकली रेड मारकर लूट लेते थे। कुछ दिनों पहले गुजरात में भी ऐसे ही फर्जी ईडी रेड हुई थी और स्पेशल 26 की तरह लूट को अंजाम दिया गया था। ईडी अफसर बनकर 12 लोगों की टीम ने एक बड़े सर्राफा कारोबारी के घर रेड डाली गई थी। इसमें करोड़ों का सोना-चांदी और नकदी लेकर टीम फरार हो गई थी।

इस रैकेट का मास्टरमाइंड राजस्व खुफिया विभाग में काम करने वाला एक ट्रांसलेटर था। जो खुद ईडी के मुख्य अधिकारी के तौर पर टीम की कमान संभालता था। फर्राटेदार अंग्रेजी और रौब के साथ टीम अचानक रेड मारने पहुंचती थी और तुरंत ही मोबाइल, इंटरनेट जैसे अन्य चीजों पर कब्जा जमा लेती थी, ताकि कोई किसी को फोन कर जानकारी न दे पाए। इतनी बड़ी रकम निकालने के लिए कारोबारी ने बैंक जाने की बात कही। फर्जी ईडी अफसरों की टीम कारोबारी के साथ हौज खास के बैंक गई। लेकिन कारोबारी ने चालाकी से अपने मैनेजर और वकील को मैसेज भेजा, जिसने बताया कि ये मामला फर्जी हो सकता है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

सनकी और क्रूर शासन को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते

वॉशिंगटन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा।

वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं। ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिकी हमलों के बाद अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

वेंस बोले- बातचीत का अंतिम फैसला ट्रम्प के हाथ में है

जब वेंस से पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता को हटाना भी अमेरिका का लक्ष्य है, तो उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे।

वेंस ने कहा कि बातचीत कितने समय तक जारी रखनी है, इसका अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। उन्होंने कहा- हम कोशिश जारी रखेंगे। लेकिन राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे तय करें कि कूटनीति अपनी सीमा तक पहुंच गई है या नहीं।

हमें उम्मीद है कि इस बार बातचीत बुरे अंजाम तक नहीं पहुंचेगी, लेकिन अगर पहुंचती है तो फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के अधिकारी गुरुवार यानी आज जिनेवा में तीसरे दौर की बातचीत करेंगे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची अपनी टीम के साथ जिनेवा पहुंच चुके हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मिडिल ईस्ट दूत स्टीव विटकॉफ करेंगे। वॉशिंगटन इस बीच 'मैक्सिमम प्रेशर' अभियान के तहत नए प्रतिबंधों की भी तैयारी कर रहा है।

ईरान ने जिनेवा वार्ता से पहले अमेरिकी दबाव की रणनीति को खारिज किया। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रम्प के बयानों को झूठ बताया और उन पर दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया।

राष्ट्रपति ट्रंप के भाषण को कमला हैरिस ने झूठा बताया

अमेरिकियों को गुमराह करने का लगाया आरोप

वाशिंगटन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे झूठ से भरा हुआ बताया। इसके साथ ही उन पर अर्थव्यवस्था, मतदान के अधिकार और ईरान के मुद्दों पर अमेरिकियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। ट्रंप के भाषण के एक दिन बाद, हैरिस ने बुधवार (स्थानीय समय) को अपने सबस्टैक शो द पारनास पर्सपेक्टिव के होस्ट आरोन पारनास को बताया कि उन्होंने भाषण देखा और पाया कि यह आम परिवारों के सामने आने वाली वास्तविकताओं से अलग था।

उन्होंने कहा "मैंने इसे देखा। यह झूठ से भरा हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की स्थिति मजबूत है। हैरिस ने कहा, बिल्कुल नहीं मैं आपको बता दूं, बहुत से लोग बढ़ती कीमतों, महंगी स्वास्थ्य सेवाओं और महंगे आवास के बोझ तले दबे हुए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में दक्षिणी राज्यों की अपनी यात्राओं का वर्णन किया। उन्होंने मिसिसिपी में एक ऐसी मां से मिलने का किस्सा सुनाया, जिसका चार लोगों के लिए साप्ताहिक किराने का बजट मात्र 150 डॉलर था। हैरिस ने कहा, कार्ट में जो कुछ भी था, वह उसके बच्चों के लिए ही था, और आगे बताया कि उस मां ने उनसे कहा कि जो कुछ भी उनके बच्चे नहीं खाएंगे, वह खुद खा लेगी। वह बोतलबंद पानी लेने के लिए चलकर गई क्योंकि वह नल का पानी नहीं पी सकती, क्योंकि पानी भूरा और जहरीला है। यही है अमेरिका।

हैरिस ने प्रस्तावित खर्च प्राथमिकताओं की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, जब आप मेडिकेड में 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करते हैं, तो इससे किसके लिए आवाज उठती है?

वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के सबसे अमीर लोगों के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की जा रही है। यही हमारे देश में अभी हो रहा है। मतदान के अधिकारों के मुद्दे पर, हैरिस ने सेव एक्ट का कड़ा विरोध किया, जिसे ट्रंप ने कांग्रेस से पारित करने का आग्रह किया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस उपाय के तहत लोगों को मतदान के लिए पंजीकरण कराने हेतु जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा। वहीं, उन्होंने दावा किया कि लगभग 40 प्रतिशत अमेरिकियों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं

विदेश नीति पर बात करते हुए, हैरिस ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पहले दावा किया था कि उन्होंने उनके कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है।

इसे पूरी तरह से बकवास बताया। उन्होंने कहा कि अब वह इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों को भेज रहे हैं, जिससे यह बहुत संभव है कि अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं को युद्ध में तैनात किया जाएगा।

हैरिस ने आगे कहा, "अमेरिकी जनता एक और युद्ध नहीं चाहती और न ही वे अपने बेटों और बेटियों को ऐसी कार्रवाई शुरू करने के लिए भेजना चाहते हैं जिसे टाला जा सकता है और जो कि संभव भी है।"

छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों में भाजपा नेता समेत 11 मौतें

रायगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में अलग-अलग सड़क हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई। पहली घटना रायगढ़ जिले की है, जहां 25 फरवरी की रात तेज रफ्तार पिकअप बेकाबू होकर खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों ने दम तोड़ दिया, करीब 18 लोग घायल हुए हैं।

दूसरी घटना सरगुजा के नेशनल हाईवे-43 पर शांतिपारा के पास दो बाइकों की भिड़ंत में युवा भाजपा नेता समेत 2 युवकों की मौत हुई है। तीसरी घटना में सूरजपुर जिले में बाइक की टक्कर में 2 युवक और महिला टीचर समेत 3 की मौत हुई है।

वहीं बालोद में स्कूल वैन नाले में गिरने से पहली की छात्रा की मौत हो गई। जबकि 13 बच्चे घायल हैं। बिलासपुर-कोरबा NH पर ट्रेलर की चपेट में आने से मोपेड सवार पत्नी ने दम तोड़ दिया।

रायगढ़ में बुधवार (25 फरवरी) रात छाल थाना क्षेत्र के बंगुरसुता गांव से राठिया समाज के करीब 25 लोग पिकअप में सवार होकर कापू थाना क्षेत्र के गोसाईपोड़ी गांव गए थे। सभी रणविजय राठिया के घर सगाई कार्यक्रम में फलदान करने पहुंचे थे। दिनभर के कार्यक्रम के बाद शाम 7 बजे सभी पिकअप से वापस लौट रहे थे। तभी रात करीब 8 बजे मड़वाताल-जमरगा मार्ग पर पहुंचते ही तेज रफ्तार पिकअप अचानक बेकाबू हो गई और सड़क से लगे खाई में पलट गई। घटना के बाद आसापास के ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया और थाने में सूचना दी।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से 22 घायलों को कापू अस्पताल भेजा।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बेटी के साथ देखी मिलिट्री परेड

न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ाने का ऐलान, दी धमकी

प्योंगयांग, 26 फरवरी (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने राजधानी में अपनी मिलिट्री की परेड देखी है। इस दौरान उन्होंने देश की सैन्य क्षमता बढ़ाने, खासतौर से न्यूक्लियर वेपन प्रोग्राम को मजबूत करने पर जोर दिया। किम जोंग उन ने धमकी दी है कि उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो साउथ कोरिया को 'पूरी तरह तबाह' कर दिया जाएगा। साथ ही किम ने अमेरिका के साथ बातचीत का रास्ता खुला होने का ऐलान किया है। परेड में किम के साथ उनकी बेटी जू ए मौजूद रहीं।

नॉर्थ कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि बुधवार को राजधानी प्योंगयांग के किम इल सुंग स्क्वायर से 14,000 सैनिकों ने मार्च किया।

सैनिकों की टुकड़ियां फ्लडलाइट के नीचे गूज-स्टेपिंग करती गुजरीं और ऊपर फाइटर जेट गरज रहे थे। परेड में टैंक, इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) और दूसरे हथियार नहीं थे। इसने ध्यान खींता है क्योंकि किम शासन अपने सबसे खतरनाक हथियार परेड में दिखाता रहा है।

किम ने अपने संबोधन में सबसे ज्यादा जोर देश के न्यूक्लियर हथियारों के जखीरे को बढ़ाने पर दिया। उन्होंने इसे पार्टी की पक्की इच्छा बताया कि देश की न्यूक्लियर पावर को मजबूत किया जाए और हथियारों की संख्या और उन्हें तैनात करने के तरीके बढ़ाए जाएं। किम का परमाणु हथियारों पर जोर और तबाही की धमकी निश्चित तौर पर दक्षिण कोरिया की टेंशन बढ़ा सकता है।

नॉर्थ कोरिया की मीडिया में बीते हफ्ते ही किम को 600एमएम के मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर को चलाते हुए दिखाया गया था। यह एक ऐसा सिस्टम हैस जिसे नॉर्थ कोरिया न्यूक्लियर-कैपेबल बताता है। किम की तस्वीरों में दर्जनों लॉन्च व्हीकल हमला करने के लिए लाइन में खड़े थे। चार महीने पहले नॉर्थ कोरिया ने रूलिंग पार्टी की 80वीं सालगिरह पर भी बड़ी मिलिट्री परेड हुई थी।

किम ने कहा कि उनकी सरकार वॉशिंगटन के खिलाफ सख्त रुख बनाए हुए है लेकिन अगर अमेरिका अपनी दुश्मनी वाली पॉलिसी वापस लेता है तो कोई कारण नहीं है कि हम उनके साथ मिलकर काम न कर सकें। उनकी बातें नॉर्थ कोरिया के पिछले रुख से मेल खाती हैं, जिसमें वॉशिंगटन से बातचीत फिर से शुरू करने की शर्त के तौर पर नॉर्थ के डीन्यूक्लियराइजेशन की मांगों को छोड़ने के लिए कहा गया था।

42 लाख की अवैध विदेशी शराब जब्त

पलामू, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पलामू में होली के मद्देनजर अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद विभाग को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को पाटन थाना क्षेत्र के बसदह गांव में एक पक्के मकान पर छापेमारी कर 45 लाख रुपए मूल्य की अवैध विदेशी शराब जब्त की गई। यह कार्रवाई उपायुक्त के निर्देश पर की गई।

छापेमारी के दौरान संतन भुईयां के मकान से कुल 4233.36 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। जब्त शराब में रॉयल मेंशन गोल्ड की 750 एमएल की 150 पेटी (1350 लीटर), 375 एमएल की 252 पेटी (2268 लीटर) और 180 एमएल की 65 पेटी (561.6 लीटर) शामिल थी। इसके अतिरिक्त, इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की की 220 बोतल (39.6 लीटर), ब्लैक डॉट व्हिस्की की 16 बोतल (12 लीटर) और मैकडॉवेल्स नंबर-1 की 12 बोतल (2.16 लीटर) भी मिली।

बरामद शराब की बोतलों पर उत्तराखंड का लेबल चिपका हुआ था। उत्पाद विभाग इस बात की जांच कर रहा है कि शराब को उत्तराखंड से लाया गया था या झारखंड में ही कहीं पैक करके उत्तराखंड का लेबल लगाया गया था। उत्पाद अधीक्षक सुजित कुमार की देखरेख में पाटन थाना पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की गई।

मौके से रामाशीष भुईयां को गिरफ्तार किया गया, जबकि अवैध शराब का कारोबारी और मकान मालिक संतन भुईयां फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उत्पाद अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत संतन भुईयां, रामाशीष भुईयां, पंडुल सिंह, दादा सिंह, उमा सिंह और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इंटरपोल से करें ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप की गिरफ्तारी के नोटिस की अपील

ढाका की अदालत का निर्देश

ढाका, 26 फरवरी (एजेंसियां)। ढाका की एक अदालत ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक ब्रिटिश सांसद की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध करें। यह मामला एक निजी रियल एस्टेट परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ा है।

ट्यूलिप सिद्दीक पर क्या आरोप हैं?

लंदन के हैम्पस्टेड और हाईगेट से सांसद और पूर्व ब्रिटिश मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक के खिलाफ बांग्लादेश में भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

बांग्लादेश का भ्रष्टाचार निरोधक आयोग उनके खिलाफ मामला आगे बढ़ा रहा है।

सिद्दीक को पहले ही बांग्लादेश में तीन अन्य भ्रष्टाचार मामलों में छह साल की सजा सुनाई जा चुकी है। ये सभी मामले उनकी मौसी और देश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से जुड़े हैं।

शेख हसीना को 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए जन आंदोलन के बाद सत्ता से हटा दिया गया था, जिससे उनके 15 साल के शासन का अंत हुआ। पांच अगस्त 2024 से वह भारत में निर्वासन में रह रही हैं।

सिद्दीक ने पहले अपने खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने फैसलों को 'पूरी तरह मजाक' बताया और कहा कि वह बांग्लादेशी नहीं बल्कि ब्रिटिश नागरिक हैं।

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग का क्या कहना है?

आयोग का कहना है कि सिद्दीक ने हसीना से अपने संबंधों का इस्तेमाल करते हुए ढाका के पॉश गुलशन इलाके में एक निजी कंपनी को जमीन आवंटित कराने की प्रक्रिया को प्रभावित किया। सिद्दीक, हसीना की छोटी बहन शेख रेहाना की बेटी हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष जज मोहम्मद सब्बिर फैज ने गुरुवार को भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी की याचिका पर यह आदेश जारी किया। यह आदेश तब आया, जब आयोग के सहायक निदेशक एकेएम मुर्तजा अली सागर ने इंटरपोल के जरिये रेड नोटिस जारी करने की मांग की, ताकि सिद्दीक की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। गुरुवार को इस मामले पर सिद्दीक की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

पिछले साल ट्यूलिप सिद्दीक ने क्यों दिया पद से इस्तीफा?

पिछले साल जनवरी में ट्यूलिप सिद्दीक ने प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कैबिनेट में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

शेख हसीना से उनके संबंधों को लेकर दबाव बढ़ने के बाद उन्होंने यह कदम उठाया।

सिद्दीक ने कहा था कि जांच में उन्हें किसी भी गलत काम का दोषी नहीं पाया गया है।

उन्होंने कहा था कि फिर भी उन्होंने ट्रेजरी के आर्थिक सचिव पद से इस्तीफा देने का फैसला किया, क्योंकि उनके अनुसार यह विवाद सरकार के कामकाज से ध्यान भटका रहा था।

हसीना के सत्ता से हटने के तीन दिन बाद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने अंतरिम नेता के रूप में पद संभाला। बाद में 12 फरवरी को चुनाव की निगरानी की।

क्यूबा की फायरिंग से बढ़ा तनाव

क्यूबा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कैरिबियाई सागर में स्थित द्वीपीय देश क्यूबा और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। यह तनाव बुधवार (25 फरवरी) देर रात फ्लोरिडा से आ रही एक नाव पर गोलीबारी की घटना के बाद हुआ है। क्यूबा सरकार के मुताबिक फ्लोरिडा से आ रही एक नाव ने उसके सैनिकों पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप झड़प शुरू हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। क्यूबा सरकार ने बुधवार देर रात कहा कि उसके सैनिकों पर गोली चलाने वाली नाव में सवार 10 यात्री अमेरिका में रहने वाले सशस्त्र क्यूबाई नागरिक थे, जो द्वीप में घुसपैठ करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहे थे। यह प्रतिक्रिया क्यूबा द्वारा यह कहने के कुछ घंटों बाद आई है कि उसके सैनिकों ने फ्लोरिडा में पंजीकृत एक स्पीड बोट पर सवार चार लोगों को मार डाला और छह अन्य को घायल कर दिया, जो क्यूबा के जलक्षेत्र में प्रवेश कर गई थी और उसने पहले सैनिकों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक क्यूबा अधिकारी घायल हो गया था।

क्यूबा सरकार ने कहा कि नाव में सवार 10 लोगों में से अधिकांश का 'आपराधिक और हिंसक गतिविधियों का ज्ञात इतिहास है'। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इससे पहले पत्रकारों को बताया था कि उन्हें इस घटना की जानकारी है और अमेरिका अब यह निर्धारित करने के लिए अपनी जानकारी जुटा रहा है कि पीड़ित अमेरिकी नागरिक थे या स्थायी निवासी।

रुबियो ने सेंट किट्स के बासेटेरे हवाई अड्डे पर कहा कि अमेरिकी सरकार के कई अलग-अलग विभाग इस कहानी के उन पहलुओं की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं, जो हमें अभी तक नहीं बताए गए हैं।

बालू माफियाओं का डीटीओ टीम पर हमला

पाकुड़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पाकुड़ में बालू माफियाओं ने जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मिथिलेश कुमार चौधरी की टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान माफियाओं ने डीटीओ के निजी अंगरक्षक और चालक के साथ मारपीट की और जबरन बालू लदा एक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। हालांकि, डीटीओ मिथिलेश कुमार चौधरी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना सुबह मालीपाड़ा मोड़ के समीप पाकुड़-बड़हरवा रोड पर हुई। डीटीओ मिथिलेश कुमार चौधरी ने दो ओवरलोड बालू लदे ट्रैक्टरों को आते देखा। उनकी गाड़ी देखकर दोनों ट्रैक्टर चालक वाहन सड़क पर छोड़कर भाग गए। जब डीटीओ टीम ट्रैक्टरों के पास पहुंची, तभी लगभग 10 से 12 असामाजिक तत्व लाठी-डंडे और रॉड लेकर वहां आ गए। उन्होंने जबरन एक ट्रैक्टर छुड़ा लिया और लेकर फरार हो गए। इसके बाद, डीटीओ के निजी अंगरक्षक लालू प्रसाद सिंह और सरकारी वाहन के चालक घोलटन रजक दूसरे बचे ट्रैक्टर को जब्त कर पुलिस केंद्र की ओर ले आए। जैसे ही वे पुलिस लाइन के मुख्य द्वार पर पहुंचे, दो युवक एक मोटरसाइकिल से आए और ट्रैक्टर के आगे अपनी बाइक खड़ी कर दी। उन्होंने अंगरक्षक और चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। मुख्य द्वार पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को पकड़ लिया और नगर थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

मजदूर को मारी गोली, हालत गंभीर

गिरिडीह, 26 फरवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखंड क्षेत्र में एक मजदूर को अज्ञात अपराधियों ने गोली मार दी। घटना बिरनी-परसन ओपी सीमा क्षेत्र अंतर्गत डबरी के पास रांची-दुमका मुख्य मार्ग पर करमाटांड़ और बरमसिया के बीच स्थित जंगल में करीब सात बजे हुई। घायल की पहचान बिरनी थाना क्षेत्र के पूर्णानगर निवासी 30 वर्षीय नंदकिशोर माली के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि नंदकिशोर राजधनवार के कोडाडीह स्थित कौशल सीमेंट दुकान में पिछले दो-तीन वर्षों से मजदूरी कर रहे हैं। रोज की तरह काम खत्म कर वे बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात बाइक सवार ने उन पर अचानक गोली चला दी।

सुरक्षाबलों ने 2 वर्दीधारी नक्सली को किया ढेर

जगदलपुर/बीजापुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मौके से SLR और इंसास समेत अन्य हथियार भी जब्त किए गए हैं। एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है।

जांगला थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के जैगुर-डोडुम के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम सर्चिंग के लिए निकली थी। जवानों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां दागी। ढेर हुए नक्सलियों में एक महिला नक्सली भी शामिल है। दोनों पर 5-5 लाख का इनाम था। फिलहाल इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है। वहीं, कांकेर में 23 सालों से सक्रिय रही एक महिला नक्सली ने सरेंडर किया है। एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च अभियान में दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए। मौके से एक SLR, एक इंसास राइफल, एक 12 बोर राइफल, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग के सामान भी जब्त किए गए हैं।

कांकेर के छिंदपदर गांव से माओवादी डीवीसीएम मासे बारसा ने एके 47 के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

चीनी सेना में शी जिनपिंग का सफाई अभियान

100 जनरल और कमांडर लापता, सवालों में युद्ध लड़ने की क्षमता

बीजिंग, 26 फरवरी (एजेंसियां)। चीन की सेना में बहुत बड़ा सफाई अभियान चल रहा है। एक बड़े डिफेंस रिसर्च सेंटर के मुताबिक चीन की सेना में करप्शन के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई चल रही है। इसके तहत अधिकारियों का सफाया किया जा रहा है, जिससे कमांड स्ट्रक्चर में बड़ी कमियां पैदा हो रही हैं। लंदन के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने अपनी सालाना मिलिट्री बैलेंस रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। इसमें कहा गया है कि बड़ी जांच की वजह से पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में सीनियर लेवल पर गंभीर कमियां पैदा हो गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ये कार्रवाई ताकतवर सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी), रीजनल थिएटर कमांड, हथियार खरीदने वाली संस्थाओं और डिफेंस एकेडेमिया तक चल रही हैं और अभी तक ये कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। लंदन में मौजूद आईआईएसएस ने अपने सालाना मिलिट्री बैलेंस में कहा है कि ऑर्गेनाइजेशनल नजरिए से जब तक खाली पद नहीं भरे जाते पीएलए अपने कमांड स्ट्रक्चर में गंभीर कमियों के साथ काम कर रहा है।

हालांकि, चीनी डिफेंस मिनिस्ट्री ने अभी तक इन दावों पर कोई जवाब नहीं दिया है और शायद ही कोई जवाब भी दे। यह रिपोर्ट चीन के दो सबसे ऊंचे रैंक वाले जनरलों के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में फंसने के बाद सामने आई है। पिछले महीने पता चला था कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बहुत पुराने साथ झांग यूशिया, जो चीनी सेना के शीर्ष अधिकारियों में शामिल थे उन्हें पिछले साल अक्टूबर में सेना से बाहर निकाल दिया गया था। इसके अलावा हे वेइदोंग को भी सेना से बाहर निकाल दिया गया था। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और उनके खिलाफ जांच चल रही है। इस कार्रवाई के बाद चीन की सात सदस्यों वाली सीएमसी में अब सिर्फ 2 सदस्य ही रह गये हैं।

ब्रज की पंद्रह दिनी होली
जहां गुलाल भी जीवंत दस्तावेज बन जाता है...

सुरेश गांधी

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में यदि किसी उत्सव को सबसे अधिक बहुरंगी, बहुस्तरीय और बहुआयामी कहा जाए तो वह होली है। किंतु जब बात ब्रजभूमि की होली की आती है, तो यह उत्सव केवल रंगों का पर्व नहीं रह जाता, बल्कि धार्मिक प्रतीकवाद, लोकसाहित्य, सांस्कृतिक मनोविज्ञान, सामुदायिक संरचना और ऐतिहासिक निरंतरता का जीवंत दस्तावेज बन जाता है। ब्रज की होली को समझना वास्तव में भारतीय लोकसंस्कृति की आत्मा को समझना है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदगांव, ये चारों केंद्र मिलकर ब्रज की होली का सांस्कृतिक चतुर्भुज बनाते हैं। यहाँ फाल्गुन मास में लगभग पंद्रह दिनों तक चलने वाले उत्सवों की श्रृंखला भारतीय लोकजीवन की एक अद्भुत सांस्कृतिक प्रयोगशाला प्रस्तुत करती है। ब्रज में होली की शुरुआत फाल्गुन शुक्ल अष्टमी से मानी जाती है।

मंदिरों में विशेष श्रृंगार होता है और फाग गायन प्रारंभ हो जाता है। ब्रजभाषा के पारंपरिक गीतों में प्रेम, भक्ति और हास्य का अद्भुत मिश्रण दिखाई देता है। ढोलक, झांझ और मंजीरों के साथ गाए जाने वाले ये फाग गीत केवल संगीत नहीं, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक स्मृति हैं। ब्रज क्षेत्र केवल भौगोलिक परिभाषा नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक अवधारणा है। "ब्रज" शब्द का अर्थ है, गायों का चरागाह, परंतु धार्मिक संदर्भ में यह वह भूमि है जहाँ श्री कृष्ण ने बाल और किशोर लीलाएं कीं। ब्रज मंडल लगभग 84 कोस क्षेत्र में फैला माना जाता है, जिसमें उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल हैं। इस क्षेत्र का सांस्कृतिक केंद्र मथुरा और वृंदावन रहे हैं। ब्रज की पहचान केवल मंदिरों से नहीं, बल्कि लोकगीतों, परंपराओं और उत्सवों से भी है। यहाँ प्रत्येक त्योहार किसी न किसी लीला से जुड़ा हुआ है।

पौराणिक मान्यताएं : रास और फाल्गुन उत्सव

ब्रज की होली का मूल आधार श्रीकृष्ण और राधा की लीलाओं से जुड़ा हुआ है। धार्मिक ग्रंथों विशेषकर भागवत पुराण में वर्णित रासलीला और वसंतोत्सव को होली की परंपरा का आधार माना जाता है। भागवत पुराण में फाल्गुन मास के उत्सवों का वर्णन मिलता है, जिसमें श्रीकृष्ण गोपियों के साथ रंग और आनंद के उत्सव में भाग लेते हैं। हालाँकि "लाठीमार होली" का सीधा उल्लेख ग्रंथों में नहीं मिलता, लेकिन इसकी प्रेरणा लोक परंपराओं से विकसित मानी जाती है।

ब्रज की होली का सांस्कृतिक मनोविज्ञान

ब्रज की होली केवल धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक संवाद भी है। यह त्योहार समाज में आनंद, हास्य और सामूहिकता का भाव पैदा करता है। यहाँ औपचारिकताएँ समाप्त हो जाती हैं और लोकजीवन खुलकर उत्सव मनाता है।

रंगों में लिखी जाती संस्कृति की कहानी

ब्रज की पंद्रह दिनी होली हमें यह सिखाती है कि त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। यहाँ रंग केवल चेहरे नहीं रंगते, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ते हैं। जब बरसाना की लाठियाँ, नंदगांव के रंग और वृंदावन के फूल एक साथ मिलते हैं, तब भारतीय संस्कृति का सबसे सुंदर रूप सामने आता है। ब्रज की होली वास्तव में रंगों में लिखी गई वह सांस्कृतिक गाथा है जो हर वर्ष नई होकर भी सदियों पुरानी लगती है।

लोकपरंपरा से सांस्कृतिक संस्थान तक

ब्रज की होली का वर्तमान स्वरूप कई शताब्दियों के सांस्कृतिक विकास का परिणाम है। मध्यकाल में भक्ति आंदोलन के दौरान ब्रज क्षेत्र में कृष्ण भक्ति का व्यापक प्रसार हुआ। विशेषकर 16वीं शताब्दी में वैष्णव संतों और कवियों ने फाग गीतों और रास परंपराओं को संगठित स्वरूप दिया। भक्ति काल के कवियों, सूरदास, नंददास और रसखान, की रचनाओं में ब्रज की होली का अत्यंत सुंदर वर्णन मिलता है। इन काव्य परंपराओं ने लोकगीतों को धार्मिक स्वरूप प्रदान किया।

ब्रज के फाग गीत : लोकसाहित्य का अमूल्य खजाना

ब्रज की होली को समझने के लिए फाग गीतों का अध्ययन आवश्यक है। ये गीत लोकजीवन के सांस्कृतिक दस्तावेज हैं। फाग गीतों में निम्न तत्व मिलते हैं : प्रेम और हास्य, सामाजिक व्यंग्य, धार्मिक प्रतीकवाद, ग्रामीण जीवन की झलक ब्रजभाषा का साहित्यिक महत्व भी इन गीतों से मजबूत हुआ है।

रंगों का सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक अर्थ

ब्रज की होली में रंगों का प्रयोग केवल मनोरंजन नहीं बल्कि प्रतीकात्मक है। लाल प्रेम और ऊर्जा, पीला आध्यात्मिकता, हरा प्रकृति, गुलाबी सौम्यता. लोकमनोविज्ञान के अनुसार रंग सामाजिक दूरी को कम करते हैं और सामूहिकता को बढ़ाते हैं।

सामुदायिक संरचना और उत्सव

ब्रज की होली सामाजिक संरचना को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसमें वर्ग, जाति और आर्थिक अंतर कम दिखाई देते हैं। उत्सव सामाजिक समरसता का माध्यम बनता है। विशेष रूप से लाठीमार होली में स्त्री-पुरुष संवाद सामाजिक संतुलन का प्रतीक है।

आधुनिकता और परंपरा का संतुलन

डिजिटल युग में ब्रज की होली का प्रसारण विश्वभर में होने लगा है। ड्रोन कैमरे, लाइव स्ट्रीमिंग और सोशल मीडिया ने इसकी लोकप्रियता बढ़ाई है। फिर भी लोक परंपरा का मूल स्वरूप सुरक्षित है।

ब्रज की होली एक सांस्कृतिक प्रयोगशाला

ब्रज की होली केवल उत्सव नहीं बल्कि बहुआयामी सांस्कृतिक अध्ययन का विषय है। यहाँ धर्म, समाज, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र और लोकसाहित्य एक साथ दिखाई देते हैं। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण है।

परंपरा से भविष्य तक

आज जब आधुनिक जीवनशैली लोक परंपराओं को प्रभावित कर रही है, तब ब्रज की होली जैसी परंपराएँ हमारी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करती हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए आवश्यक है।

रंगों में जीवित भारतीयता

ब्रज की होली वास्तव में भारतीय संस्कृति का जीवंत रूप है। यहाँ रंग केवल चेहरे नहीं रंगते, बल्कि इतिहास, परंपरा और भावनाओं को भी रंग देते हैं। जब फाग गूंजता है, गुलाल उड़ता है और रास की स्मृतियाँ जीवित होती हैं, तब लगता है कि ब्रज केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभव है। ब्रज की होली हमें यह सिखाती है कि संस्कृति केवल संग्रहालयों में नहीं, बल्कि लोकजीवन में जीवित रहती है।

मार्च में बनेगा त्रिग्रही राजयोग 3 राशियों की बढ़ेगी इनकम

ज्योतिष अनुसार मार्च के महीने में 3 राशि वालों की किस्मत चमकने जा रही है। दरअसल ऐसा सूर्य, शनि और शुक्र की युति के कारण हो रहा है। 15 मार्च को ये तीनों ग्रह मीन राशि में त्रिग्रही राजयोग बनाएंगे जिससे इन तीन राशियों को जबरदस्त लाभ मिलेगा। इनकम में बढ़ोतरी होगी और करियर में ऊंचा मुकाम मिलेगा। चलिए जानते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए त्रिग्रही राजयोग किस्मत बदलने वाला साबित होगा। इस राशि वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। करियर में ऊंचा मुकाम मिलेगा। कई माध्यमों से धन की प्राप्ति होगी। नई नौकरी प्राप्त होने के प्रबल आसार हैं। विदेश में नौकरी पाने का सपना पूरा हो सकता है। कुल मिलाकर मार्च का महीना आपके लिए शानदार साबित होने वाला है।

मिथुन राशि

त्रिग्रही राजयोग से मिथुन राशि वालों की किस्मत चमक जाएगी। इनकम में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। पुराने कर्जों से मुक्ति मिल जाएगी। अचानक से धन की प्राप्ति के मार्ग खुलेंगे। नई नौकरी मिलने के योग बनेंगे। बिजनेस में खूब मुनाफा मिलेगा। मकान या वाहन सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल काफी खुशनुमा रहेगा।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों के लिए मार्च का महीना शानदार साबित होगा। धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। कई माध्यमों से धन की प्राप्ति होने के योग बन रहे हैं। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। करियर को नई दिशा मिलेगी। नया काम शुरू करने की योजना बन सकती है। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। मकान खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। विदेश में नौकरी पाने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए समय बेहद शुभ है।

होली के दिन का टोटका बचाएगा बुरी नजर से

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि खुशियों, सकारात्मक ऊर्जा और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर भी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किया गया छोटा सा शुभ कार्य भी कई गुना फल देता है। इसलिए रंग खेलने से पहले कुछ पारंपरिक उपाय कर लेना पूरे साल के लिए लाभकारी माना जाता है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप होली के त्योहार को अपने और अपने परिवार वालों के लिए अधिक शुभ और मंगलमय बना सकते हैं। तो आइए जानते हैं एक-दूसरे को होली के रंग लगाने से पहले कौन से उपाय करना लाभदायक साबित होगा।

होली का दिन क्यों है खास?

होली को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन वातावरण में सकारात्मक तरंगें अधिक सक्रिय रहती हैं। इसलिए इस अवसर पर किए गए धार्मिक और शुभ कार्य घर-परिवार के लिए मंगलकारी सिद्ध होते हैं।

पहला उपायः मुख्य द्वार की शुद्धि

होली की सुबह स्नान के बाद घर के मुख्य दरवाजे पर गंगाजल का छिड़काव करें। गंगाजल को पवित्रता और शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसके बाद हल्दी या गुलाल से दरवाजे पर छोटा सा स्वस्तिक बनाएं। स्वस्तिक को सुख, शांति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। यह उपाय पूरे साल घर में शुभता बनाए रखने में सहायक माना जाता है।

दूसरा उपायः परिवार संग प्रार्थना

रंग खेलने से पहले परिवार के सभी सदस्य कुछ मिनट एक साथ बैठकर भगवान का स्मरण करें। अपने इष्ट देव से सुख-समृद्धि और आपसी प्रेम की कामना करें। इसके बाद घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। मान्यता है कि बड़ों का आशीर्वाद जीवन की बाधाएं कम करता है और रिश्तों में मजबूती लाता है। यह छोटा सा कदम घर में प्रेम और विश्वास को बढ़ाता है।

तीसरा उपायः होलिका दहन की राख का तिलक

होलिका दहन की राख को अगले दिन घर लाकर उसका तिलक लगाना शुभ माना जाता है। यह राख बुराई के नाश का प्रतीक है। माथे पर इसका तिलक लगाने से बुरी नजर और नकारात्मक प्रभाव दूर रहते हैं। कुछ लोग इसे घर के कोनों में हल्का सा छिड़कते भी हैं, ताकि वातावरण शुद्ध और सकारात्मक बना रहे।

क्या आप भी गिनकर बनाती हैं रोटियां, ये सही है या अशुभ?

आज के समय में ज्यादातर लोग न्यूक्लियर फैमिली में रहते हैं। संयुक्त परिवारों का चलन कम हो या है। घर में कम सदस्य होते हैं, ऐसे में खाना भी गिनती का ही बनता है। बिजली से चलने वाला चूल्हा, रसोई गैस आदि की की व्यवस्था होने के कारण लोग तुरंत ही खाना बनाकर खाना पसंद करते हैं। ऐसे में अक्सर रोटियां बनाते समय उन्हें गिनते हैं, लेकिन क्या यह सही है?

क्या रोटियां गिनकर बनाना गलत है?

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, रोटियां गिनकर बनाना उचित नहीं माना जाता। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से गेहूं का संबंध सूर्य देव से माना गया है, जो ऊर्जा और तेज के प्रतीक हैं। इसलिए रोटियां गिनना सूर्य की कृपा में कमी का कारण बन सकता है।

रोटी बनाने से जुड़े अन्य वास्तु नियम

चकला-बेलन की आवाजः वास्तु में रसोई को घर का सबसे पवित्र स्थान माना गया है।यहीं से परिवार के स्वास्थ्य, ऊर्जा और समृद्धि का प्रवाह होता है। ऐसे में छोटे-छोटे नियम भी खास महत्व रखते हैं। रोटी बनाते समय चकला-बेलन की तेज आवाज आना अशुभ संकेत होता है। इसे घर में तनाव और कलह से जोड़ा जाता है। अगर ज्यादा आवाज आती है तो चकले के नीचे कपड़ा रखें।

बासी आटाः कुछ लोग आटा गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन वास्तु में इसे सही नहीं माना गया है। बासी आटे को नकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि ताजे आटे से बनी रोटियां घर में सकारात्मकता बढ़ाती हैं।

गर्म तवे पर पानी डालनाः रोटी बनाने के बाद तुरंत गर्म तवे पर पानी डालना भी अशुभ माना गया है। ऐसा करने से घर में अचानक तनाव या समस्याएं बढ़ने की आशंका बताई जाती है।

पहली और आखिरी रोटी का महत्व

हमारी दादी-नानी हमेशा पहली रोटी गाय के लिए निकालती थी। जबकि, तवे पर सेकी जाने वाली रोटी भी कुत्ते के लिए रख दी जाती थी। आज भी कई घरों में ऐसा होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पहली रोटी गाय के लिए निकालनी चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि और बरकत बनी रहती है। वहीं, आखिरी रोटी कुत्ते को देने की परंपरा है, जो सकारात्मक ऊर्जा और संरक्षण का प्रतीक मानी जाती है।

ग्रहण के दौरान यात्रा से बचें या करें

सूतक काल क्या होता है?

ग्रहण से कुछ समय पहले सूतक काल शुरू हो जाता है।

चंद्र ग्रहण के लिए सूतक काल लगभग 9 घंटे पहले माना जाता है।

इस दौरान मंदिरों के पट बंद कर दिए जाते हैं।

शुभ कार्य, यात्रा, विवाह, खरीदारी या नए काम की शुरुआत वर्जित मानी जाती है।

सूतक काल को शास्त्रों में संयम और साधना का समय बताया गया है।

क्या ग्रहण के दौरान यात्रा करनी चाहिए?

शास्त्रों और ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, ग्रहण के दौरान यात्रा से बचने की सलाह दी जाती है। इसके पीछे कई कारण बताए गए हैं।

नकारात्मक ऊर्जा का प्रभावः मान्यता है कि ग्रहण के समय वातावरण में नकारात्मक कंपन बढ़ जाते हैं, जो मानसिक शांति को प्रभावित कर सकते हैं।

बाधाओं की आशंकाः कहा जाता है कि इस समय शुरू की गई यात्रा में रुकावटें आ सकती हैं।

शुभ कार्य वर्जितः यात्रा को भी एक प्रकार का शुभ आरंभ माना जाता है, इसलिए इसे टालना बेहतर समझा जाता है।

विशेषकर लंबी दूरी की यात्रा, नया व्यवसायिक सफर या महत्वपूर्ण मीटिंग के लिए निकलने से बचना चाहिए।

अगर यात्रा जरूरी हो तो क्या करें?

कई बार परिस्थितियां ऐसी होती हैं कि यात्रा टालना संभव नहीं होता। ऐसे में शास्त्र कुछ उपाय भी बताते हैं जैसे, घर से निकलने से पहले भगवान का स्मरण करें।

यात्रा से लौटने के बाद स्नान अवश्य करें फिर साफ वस्त्र धारण कर पूजा-पाठ करें।

माना जाता है इससे इससे नकारात्मक प्रभाव कम होने की मान्यता है।

ग्रहण काल में क्या करें?

भगवान का नाम जपें और ध्यान करें।

जरूरतमंदों को दान करें।

ग्रहण समाप्त होने के बाद घर की साफ-सफाई करें।

काशी में क्यों खेली जाती है मसान होली?

साल 2026 में 4 मार्च को देशभर में धुलंडी खेली जाएगी, लेकिन बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में 3 तीन पहले अद्भुत और अकल्पनीय होली खेली जाएगी। मणिकर्णिका घाट पर चिता की भस्म से होली खेलने की यह परंपरा सदियों पुरानी है।

रंगभरी एकादशी के अगले दिन काशी की मसान होली खेलने की परंपरा निभाई जाती है। इस साल आमलकी (रंगभरी) एकादशी 27 फरवरी को है, जिसके अगले दिन यानी 28 फरवरी 2026 को मसान होली का आयोजन किया जाएगा। जहां एक ओर श्मशान का नाम सुनकर ही मन में डर और कई तह की आशकाएं पैदा होने लगती है। वहीं, बाबा भोलेनाथ के भक्त यहां राख उड़ाकर मृत्यु के उत्सव का आनंद लेते हैं।

क्यों खेली जाती है चिता की राख से होली

ऐसी मान्यता है कि काशी नगरी में चिता की राख से होली खेलने की परंपरा की शुरुआत स्वयं भगवान शिव ने की थी, जिसके पीछे एक गहरा आध्यात्मिक कारण बताया जाता है। बताया जाता है शिव की अपने विवाह के उपरांत पहली बार काशी पहुंचे थे, उस दिन लोगों ने होली खेलकर खुशियां मनाई थीं। इस उत्सव में सारे देवी-देवता इकट्ठा हुए थे। शिव पुराण और दुर्गा सप्तशती जैसे प्रमुख धार्मिक ग्रंथों में वर्णित है कि उल्लास के इस मौके पर शंकर भगवान के प्रिय गण भूत-प्रेत, यक्ष और गंधर्व इस उत्सव से वंचित रह गए। अब भोलेनाथ तो भोलेनाथ है वो अपने सभी भक्तों का ख्याल रखते हैं। इसके बाद भोलेनाथ ने फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी पर मणिकर्णिका घाट पर श्मशान में अपने गणों के साथ के साथ भस्म की होली खेली थी। यहीं से काशी में मसान की राख से होली खेलने की परंपरा चली आ रही है।

काशी में मृत्यु को मोक्ष का द्वार मानते हैं। इसलिए मसान होली मृत्यु को उत्सव में बदलने का भी पर्व है। काशी की ये अद्भुत होली संदेश देती है कि जीवन का असली रंग मृत्यु के उस पार ही तो है, जहां न कोई द्वेष है और न कोई मोह या भय।

काशी की मसान होली यह बड़ी सीख देती है कि भोलेनाथ की नजर में कुछ भी अपवित्र नहीं है। महादेव एक गृहस्थ द्वारा जल अर्पित करने से भी प्रसन्न हो जाते हैं और श्मशान में अघोरियों के साथ राख में भी खुश हैं। शिव जी के लिए जीवन का उल्लास और मृत्यु की शांति दोनों ही समान है। वहीं, श्मशान की राख से होली खेलना इस बात का संकेत है कि मृत्यु हमारा अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है।

ऐसे खेली जाती है मसान की होली

नागा साधुओं, अघोरियों और अन्य साधु संत इस उत्सव में शामिल होते हैं। ये लोग मणिकर्णिका घाट पर इकट्ठा होते हैं। जहां बाबा महाश्मशान नाथ और माता मसान काली की आरती की जाती है। इसके बाद शुरू होता जलती चिताओं के बीच राख से होली खेलने का अद्भुत उत्सव। गले में नरमुंड लटकाए ये लोग भूत पिशाचों की वेशभूषा में मस्त मलंग हो जाते हैं। शिव की धुन में नाचते गाते और भस्म रगड़ते इस होली को अद्भुत बनाते हैं। जब डमरू की गूंज में भक्त भस्म को रंगों की तरह हवा में उड़ाते हैं, तो वह नजारा अलग ही होता है।

क्या आम लोग भी खेलते हैं मसान होली?

मसान की होली साधु संत ही खेलते हैं। हालांकि, समय के साथ कुछ शिव भक्त भी इस होली में शामिल होने लगे हैं। क्योंकि जलती चिताओं के बीच राख से होली खेलना सब के बस की बात नहीं है। ज्यादातर लोग दूर से ही इस दिव्य नजारे का आनंद लेते हैं। ऐसा बताया जाता है कि महिलाएं इस उत्सव से दूर ही रहती हैं, क्योंकि उनके इस होली में भाग लेने पर पूरी तरह से पाबंदी है।

बल को परमात्मा से जोड़ें तो ऊंचाइयों पर ले जाएगा

जब बल आक्रमण में काम आता है, तो उसे शक्ति कहते हैं। और जब सुरक्षा में काम आता है तो उसे सहनशक्ति कहते हैं। मनुष्य को ईश्वर ने तीन तरह के बल दिए हैं- देहबल, मनोबल और आत्मबल। स्वस्थ रहने में देहबल काम आता है, दुर्गुणों से रक्षा करने में मनोबल काम आता है और शांति पाने के लिए आत्मबल काम आता है।

इस समय हमारे जीवन में तकनीक और विज्ञान का अत्यधिक उपयोग हो रहा है। देहबल इससे कमजोर होगा। इसका असर मनोबल पर भी पड़ेगा। आप पाएंगे हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा मनोरोगी होता ही है। इस दौर में और बढ़ रहा है ये रोग। मनोरोगी जेल, अस्पताल, पागलखाने में ही पाए जाते हों- ऐसा नहीं है।

हमारे आसपास, हमारे घरों में, हमारे काम करने की जगह भी वे आपको मिल जाएंगे और ठीक से तलाश करें तो एक मनोरोगी हमारे भीतर भी प्राप्त होगा। लेकिन परमात्मा ने तीन बल हमें दिए हैं। इनका उपयोग कैसे करना, ये हमारे ऊपर है। बल की धारा को परमात्मा से जोड़ें तो ये आपको ऊंचाइयों पर ले जाएगा। और यही बल गलत दिशा में मुड़ गया तो आपका पतन पशु से भी अधिक हो सकता है।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 27 फरवरी - 2026

किताब, कोर्ट और करप्शन

एनसीईआरटी की कक्षा 8 की एक किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का उल्लेख होते ही जो विवाद खड़ा हुआ, उसने एक बड़े और असहज प्रश्न को सामने ला दिया है। क्या हम संस्थाओं की गरिमा बचाने के नाम पर भ्रष्टाचार पर चर्चा से बचना चाहते हैं? सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख की आपत्ति के बाद सरकार ने भी माना कि किताब से इस अंश को हटाया जा सकता है। ऐसे में असली सवाल यह है कि क्या समस्या का समाधान पाठ्यपुस्तक से पंक्तियाँ हटाने में है, या व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने में? ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले वर्ष की तुलना में मामूली सुधार जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी उसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सीधा आघात है। कई सरकारी योजनाएं कागजों पर दम तोड़ देती हैं, नीतियाँ अपना प्रभाव खो देती हैं और आम नागरिक को न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ता है। जब बात न्यायपालिका की आती है, तो उम्मीदें और ऊँची हो जाती हैं, क्योंकि अदालतें ही विश्वास की अंतिम आश्रयस्थली मानी जाती हैं। हाल के वर्षों जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़ा कथित भ्रष्टाचार प्रकरण अभी तक अंतिम निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा है। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई थी कि करियर के अंतिम चरण में बड़े फैसलों की प्रवृत्ति बढ़ रही है। यह जरूरी नहीं कि हर निर्णय भ्रष्टाचार से प्रेरित हो, लेकिन पारदर्शिता की कमी ही संदेह को जन्म देती है। और लोकतंत्र में संदेह से बड़ा संकट कोई और नहीं है। न्यायपालिका की एक बड़ी चुनौती लंबित मामलों का ढेर है। विभिन्न अदालतों में लगभग 4.9 करोड़ मामले लंबित हैं। अदालतों में कई पद खाली पड़े हैं। न्याय में देरी, न्याय से वंचित होने के समान है। आम नागरिक अदालतों के चक्कर लगाने से डरता है। वजह समय, धन और मानसिक पीड़ा का बोझ उसे तोड़ देता है। ऐसे में यदि किताबों में यह बताया जाता है कि किसी भी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की आशंका हो सकती है, तो इसे संस्थाओं को बदनाम करना नहीं, बल्कि छात्रों को यथार्थ से परिचित कराना माना जाना चाहिए। यह भी सच है कि न्यायपालिका ने आत्मसुधार की दिशा में कदम उठाए हैं। पिछले वर्ष शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करने की सहमति दी थी, जिसे पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया। संस्थाओं की गरिमा आलोचना से नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार से बढ़ती है। यदि शिक्षा में यह सिखाया जाए कि भ्रष्टाचार किसी एक संस्था तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की व्यापक समस्या है, तो यह लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करेगा। एनसीईआरटी के लिए भी यह अवसर है कि वह संतुलित और तथ्याधारित सामग्री प्रस्तुत करे। केवल न्यायपालिका का उल्लेख कर देना पर्याप्त नहीं; कार्यपालिका, विधायिका और अन्य संस्थाओं में भी भ्रष्टाचार की चुनौतियों पर समान रूप से चर्चा होनी चाहिए। बच्चों को यह समझाना आवश्यक है कि कोई भी व्यवस्था पूर्ण नहीं होती, पर सुधार की निरंतर प्रक्रिया ही लोकतंत्र की ताकत है।

केरलम : पहचान की वापसी

नृत्य भारत के संघीय ढांचे में राज्यों की पहचान केवल प्रशासनिक सीमाओं से तय नहीं होती, बल्कि भाषा, संस्कृति और ऐतिहासिक चेतना से भी गढ़ी जाती है। ऐसे में केरल का आधिकारिक नाम बदलकर 'केरलम' करने का प्रस्ताव केवल एक औपचारिक बदलाव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मस्वीकृति का प्रश्न बन गया है। राज्य विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव और केंद्र सरकार की सहमति की दिशा में बढ़ते कदम यह संकेत देते हैं कि 2026 तक भारत के मानचित्र पर एक और नाम परिवर्तन दर्ज हो सकता है। 'केरलम' शब्द मलयालम भाषा और स्थानीय परंपरा में पहले से प्रचलित है। यह भूमि की उस ऐतिहासिक पहचान को दर्शाता है, जो औपनिवेशिक दौर में अंग्रेजी उच्चारण और प्रशासनिक सुविधा के कारण 'केरल' बन गई। आज जब देश अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने की बात कर रहा है, तब यह बदलाव एक स्वाभाविक कदम प्रतीत होता है। आखिर बेंगलुरु, मुंबई, कोलकाता, गुरुग्राम और पुडुचेरी जैसे उदाहरण हमारे सामने हैं, जहाँ नाम परिवर्तन को स्थानीय अस्मिता की पुनर्स्थापना के रूप में देखा गया।

लेकिन सवाल यह है कि क्या यह निर्णय केवल सांस्कृतिक है, या इसके पीछे राजनीतिक गणित भी छिपा है? वामपंथी सरकार ने इसे जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग बताया है, जबकि विपक्ष इसे चुनावी वर्ष से जोड़कर देख रहा है। राजनीति में प्रतीकवाद की अपनी ताकत होती है। नाम बदलना भावनाओं को आंदोलित करता है, पहचान को स्पर्श करता है और जनता के मानस में गहरी छाप छोड़ता है। ऐसे में यह मान लेना कि इस फैसले का चुनावी प्रभाव नहीं होगा, वास्तविकता से आंख मूंदना होगा। फिर भी, हर नाम परिवर्तन को केवल सियासी चश्मे से देखना भी उचित नहीं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में स्थानीय भाषाओं और संस्कृतियों को संवैधानिक सम्मान देना संघीय ढांचे को मजबूत करता है। जब कोई राज्य अपनी मूल भाषा के अनुरूप नाम चाहता है, तो यह उसकी आत्मगौरव की अभिव्यक्ति होती है। 'केरलम' भी उसी आत्मगौरव का प्रतीक है—एक ऐसा नाम, जो भूमि, जल, परंपरा और साहित्य से गहरे जुड़ा है।

इतिहास गवाह है कि नाम बदलने की परंपरा नई नहीं है। मद्रास से तमिलनाडु, मैसूर से कर्नाटक और उड़ीसा से ओडिशा—इन परिवर्तनों ने स्थानीय पहचान को अधिक प्रामाणिक स्वरूप दिया। पश्चिम बंगाल में 'बंगाल' नाम का प्रस्ताव भी इसी क्रम का हिस्सा है। हालांकि, यह भी सच है कि नाम परिवर्तन केवल बोर्ड और दस्तावेज बदलने तक सीमित नहीं रहता; इसके साथ प्रशासनिक, आर्थिक और कानूनी प्रक्रियाओं का लंबा सिलसिला जुड़ा होता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि यह बदलाव सुचारु, पारदर्शी और व्यापक सहमति के साथ हो। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या नाम बदलने से आम नागरिक के जीवन में कोई ठोस परिवर्तन आएगा? बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दे अपनी जगह कायम हैं। यदि नाम परिवर्तन के साथ-साथ सरकार इन क्षेत्रों में ठोस सुधार भी प्रस्तुत करे, तो यह निर्णय अधिक सार्थक प्रतीत होगा। अन्यथा, यह केवल प्रतीकात्मक उपलब्धि बनकर रह जाएगा। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो 'केरलम' का प्रस्ताव भारत की भाषाई विविधता का सम्मान है। यह उस भावना को पुष्ट करता है कि भारतीय संघ अपनी इकाइयों की सांस्कृतिक विशिष्टता को स्वीकार करता है। किंतु साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि पहचान की राजनीति कहीं विकास के एजेंडे पर भारी न पड़ जाए। अंततः, इतिहास केवल इतना दर्ज करेगा कि 2026 में भारत के एक सुंदर तटीय राज्य का नाम 'केरलम' रखा गया। पर यह भी दर्ज होना चाहिए कि यह निर्णय व्यापक सहमति, संवैधानिक प्रक्रिया और जनता की वास्तविक आकांक्षाओं के अनुरूप लिया गया था। नाम बदलना आसान है, पर उस नाम की गरिमा बनाए रखना कठिन। 'केरलम' तभी सार्थक होगा, जब वह केवल शब्द नहीं, बल्कि समावेशी विकास, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बने।

एआई, सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनरल्स में आत्मनिर्भर होता भारत

रामस्वरूप रावतसरे

वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के इस दौर में तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनरल्स किसी भी देश की ताकत का आधार बन चुके हैं। 21वीं सदी में जिस देश के पास मजबूत और सुरक्षित तकनीकी सप्लाई चेन होगी, वही आर्थिक, सामरिक और रणनीतिक रूप से आगे रहेगा। जानकारों के अनुसार इसी सोच के तहत अमेरिका के नेतृत्व में एक नया रणनीतिक गठबंधन खड़ा किया गया है, जिसका नाम है 'पैक्स सिलिका। इस पहल का मकसद है दुनिया भर में सिलिकॉन आधारित तकनीकों, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जरूरी खनिजों की एक सुरक्षित, भरोसेमंद और मजबूत सप्लाई चेन तैयार करना।

अब भारत भी इस महत्वपूर्ण वैश्विक पहल का हिस्सा बन गया है। भारत 20 फरवरी 2026 को अमेरिका के नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका अलायंस में शामिल हुआ। दिल्ली में चल रही एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत और अमेरिका ने घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत के प्रवेश को एक रणनीतिक घटनाक्रम बताया। विषेषज्ञों के अनुसार यह कदम भारत-अमेरिका संबंधों में नई मजबूती लाएगा और भारत को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में एक अहम खिलाड़ी बना देगा। इस फैसले का असर सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी विकास, सेमीकंडक्टर उद्योग और ।ए मिशन को भी जबरदस्त बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस रणनीतिक गठबंधन की शुरुआत दिसंबर 2025 में अमेरिका ने की थी। 12 दिसंबर को वॉशिंगटन में आयोजित 'पैक्स सिलिका समिट' में कई देशों ने इस घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य था, क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और उससे जुड़ी पूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित, भरोसेमंद और नवाचार आधारित बनाना। शुरुआत में इस पहल में अमेरिका के साथ ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजराइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम जैसे देश शामिल हुए। भारत को पहले चरण में इसमें शामिल नहीं किया गया था, जिससे कई तरह की अटकलें भी लगाई गईं। हालाँकि पिछले महीने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने औपचारिक रूप से नई दिल्ली को इस रणनीतिक गठबंधन में शामिल होने का न्योता दिया।जानकारों की माने तो 'पैक्स सिलिका' का मुख्य उद्देश्य दुनिया की तकनीकी सप्लाई चेन को किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता से मुक्त करना है। खासकर चीन पर निर्भरता कम करना इस पहल का एक अहम लेकिन अप्रत्यक्ष लक्ष्य माना जा रहा है। वर्तमान में दुनिया के करीब 70 प्रतिशत दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मिनरल्स) का खनन अकेले चीन करता है। यही खनिज सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैटरी, एआई सर्वर और अत्याधुनिक तकनीकों के निर्माण में जरूरी होते हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों का मानना है कि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में आर्थिक दबाव, आपूर्ति संकट और राजनीतिक ब्लैकमेल जैसी स्थितियाँ पैदा कर सकती है। इसलिए 'पैक्स सिलिका' के जरिए एक ऐसा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिसमें ऊर्जा, क्रिटिकल मिनरल्स, मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, एआई मॉडल, डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तक पूरी सप्लाई चेन को सुरक्षित किया जा सके। इस पहल का एक और महत्वपूर्ण पहलू है भरोसेमंद तकनीक का विकास। ऐसे में यह जरूरी है कि एआई सिस्टम सुरक्षित हों, उनके दुरुपयोग की संभावना कम हो और वे किसी शत्रुतापूर्ण ताकत के नियंत्रण में न जाएँ। पैक्स सिलिका इसी सोच के तहत देशों को एक साझा मंच पर लाकर काम करने का अवसर देता है। भारत के लिए 'पैक्स सिलिका' में शामिल होना कई स्तरों पर फायदेमंद साबित हो सकता है। सबसे बड़ा लाभ भारत के तेजी से बढ़ते तकनीकी बाजार को मिलेगा। भारत में डिजिटल क्रांति, 5जी नेटवर्क, डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई आधारित सेवाओं की माँग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में भरोसेमंद और सस्ती सप्लाई चेन तक पहुँच भारत की विकास गति को और तेज कर सकती है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत अभी शुरुआती दौर में है। सरकार ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' के तहत देश में चिप मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। पैक्स सिलिका के जरिए भारत को अत्याधुनिक तकनीक, निवेश और विशेषज्ञता तक पहुँच मिलेगी, जिससे देश में सेमीकंडक्टर फैब्स, पैकेजिंग यूनिट्स और एआई हार्डवेयर निर्माण को गति मिलेगी। एआई के क्षेत्र में भी यह साझेदारी भारत के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही भारत में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, ओपनएआई और अन्य दिग्गज कंपनियों की दिलचस्पी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में बढ़ रही है। पैक्स सिलिका के तहत भारत को एडवांस्ड एआई चिप्स, डेटा सेंटर टेक्नोलॉजी और अनुसंधान सहयोग मिल सकता है, जिससे भारत वैश्विक एआई रेस में तेजी से आगे बढ़ सकेगा। इसके अलावा चीन पर निर्भरता कम होना भी भारत के लिए एक बड़ा रणनीतिक लाभ है। खासकर टेलीकॉम, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल और बैटरी जैसे क्षेत्रों में भारत चीन से आयात पर काफी निर्भर है। पैक्स सिलिका के तहत वैकल्पिक सप्लाई चेन विकसित होने से भारत को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।विषेषज्ञों का यह भी मानना है कि सुरक्षा के लिहाज से भी यह पहल बेहद अहम है। संवेदनशील तकनीकों की सुरक्षा, साइबर इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती और डिजिटल नेटवर्क की विश्वसनीयता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़ी है। इस गठबंधन से भारत को सुरक्षित और भरोसेमंद डिजिटल इकोसिस्टम बनाने में मदद मिलेगी। पैक्स सिलिका केवल एक तकनीकी गठबंधन नहीं है, बल्कि यह भविष्य की वैश्विक व्यवस्था की नींव रखने की कोशिश है। जिस तरह 20वीं सदी में तेल आधारित गठबंधन वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते थे, उसी तरह 21वीं सदी में सिलिकॉन, एआई और सेमीकंडक्टर आधारित गठबंधन नई भू-राजनीति को आकार देंगे।

भारत की इसमें भागीदारी उसे सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक प्रमुख निर्माता और इनोवेशन हब बनने का अवसर देगी। भारत के पास विशाल मानव संसाधन, मजबूत आईटी सेक्टर, बढ़ता स्टार्टअप इकोसिस्टम और तेजी से विकसित होता डिजिटल बाजार है। यदि इन सभी ताकतों का सही उपयोग किया गया, तो भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक एआई और सेमीकंडक्टर हब बन सकता है।जानकारों का यह भी कहना है कि हालाँकि इसके साथ चुनौतियाँ भी हैं। अन्य देशों की तुलना में भारत के पास अभी सीमित खनिज संसाधन और अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है। ऐसे में भारत को अपने हितों की रक्षा करते हुए इस गठबंधन में संतुलित भूमिका निभानी होगी, ताकि वह केवल बाजार न बनकर एक मजबूत उत्पादन और तकनीकी शक्ति के रूप में उभर सके। भारत का 'पैक्स सिलिका' में शामिल होना केवल एक कूटनीतिक कदम नहीं, बल्कि देश के तकनीकी और आर्थिक भविष्य की दिशा तय करने वाला फैसला बताया जा रहा है। यह पहल भारत को वैश्विक तकनीकी मंच पर मजबूत स्थान दिला सकती है, सेमीकंडक्टर और एआई क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना सकती है और चीन पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

पर्यावरण की ढाल, अर्थव्यवस्था की चाबी: भारत का ग्रीन अमोनिया मिशन

आरके जैन

दुनिया आज जीवाश्म ईंधनों की जकड़न में जकड़ी है, और हर देश ऊर्जा संकट की चपेट में है। लेकिन भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलते हुए एक नई ऊर्जा क्रांति की अगुवाई शुरू कर दी है, जो ऊर्जा की भूख मिटाएगी और पर्यावरण को नया जीवन देगी। ग्रीन अमोनिया अब सिर्फ एक रसायन नहीं रहा—यह राष्ट्रीय सुरक्षा की ढाल, आर्थिक आत्मनिर्भरता की चाबी और 2070 के नेट-ज़ीरो लक्ष्य का सबसे तेज़ हथियार बन चुका है। जनवरी 2026 में इंडिया एनर्जी वीक पर प्रधानमंत्री द्वारा 500 अरब डॉलर के निवेश अवसरों की घोषणा ने इस बदलाव को वैश्विक मंच पर स्थापित कर दिया। नीतियां अब केवल कागज पर नहीं, बल्कि धरातल पर जिंदा हो रही हैं, और ग्रीन अमोनिया इस परिवर्तन का सबसे दमकता और ठोस प्रतीक बनकर उभरा है।

यह ग्रीन अमोनिया सीधे हवा से नाइट्रोजन और सौर-पवन ऊर्जा से हाइड्रोजन लेकर बनता है-एक भी ग्राम कार्बन छोड़े बिना। जबकि पारंपरिक ग्रे अमोनिया प्राकृतिक गैस जलाकर बनाया जाता है, जो उर्वरक क्षेत्र में अरबों टन कार्बन डाइऑक्साइड फैलाता है। लेकिन 2025 की एसईसीआई नीलामी ने इतिहास रच दिया-49.75 से 64.74 प्रति किलो की कीमतें यूरोप की एच2ग्लोबल से 40-50% सस्ती साबित हुईं। 13 उर्वरक संयंत्रों के लिए 7.24 लाख टन वार्षिक मांग सुनिश्चित की गई, और दस साल के स्थिर मूल्य अनुबंधों ने निवेशकों में नया विश्वास पैदा किया। यह दर अब ग्रे अमोनिया के करीब पहुँच चुकी है, और बहुत जल्द इसे पीछे छोड़ देगी।

राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन इस ऊर्जा क्रांति का मुख्य इंजन है। 2030 तक 5 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है। साइट (स्ट्रैटेजिक इंटरवेंशन्स फॉर ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांज़िशन) योजना के 17,490 करोड़ प्रोत्साहन ने इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण और उत्पादन में तेजी ला दी। 15 कंपनियों को कुल 3000 मेगावाट वार्षिक क्षमता आवंटित हो चुकी है। ग्रीन अमोनिया मिशन का सबसे व्यावहारिक और ताकतवर पहलू यह है कि इसे भंडारण, परिवहन और उपयोग में आसानी से अपनाया जा सकता है। उर्वरक, नौवहन, स्टील और रिफाइनरी जैसे कठिन क्षेत्रों को डीकार्बनाइज करने में यह सबसे प्रभावी और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। बड़े प्रोजेक्ट अब वास्तविकता की ओर बढ़ रहे हैं और भारत की ग्रीन ऊर्जा क्रांति को ठोस आकार दे रहे हैं। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का पुदीमडका हब 7 गीगावाट इलेक्ट्रोलाइजर और 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से लैस होगा, जो सालाना 2.5 मिलियन टन ग्रीन केमिकल्स अमोनिया, यूरिया और मेथनॉल उत्पादित करेगा। एनजीईएल-असागो का समझौता भारत का पहला बड़े पैमाने पर ग्रीन यूरिया प्लांट ला रहा है। एएम ग्रीन की काकीनाडा इकाई 1.5 मिलियन टन क्षमता वाली है, और यूनिपर के साथ 5 लाख टन वार्षिक ऑफटेक 2028 से यूरोप में निर्यात शुरू करेगा। गुजरात, ओडिशा और राजस्थान में हब तेजी से विकसित हो रहे हैं, और यह देश को वैश्विक ग्रीन अमोनिया मानचित्र पर अग्रणी बनाएंगे। आर्थिक लाभ गहरा और तत्काल हैं। भारत दुनिया का प्रमुख अमोनिया आयातक है, और गैस मूल्य उतार-चढ़ाव से लगातार प्रभावित रहता है।

ग्रीन अमोनिया के उत्पादन से आयात 30% तक घट सकता है, विदेशी मुद्रा बचेगी और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिशन 6 लाख से अधिक रोजगार पैदा करेगा, 1 लाख करोड़ जीवाश्म ईंधन आयात की बचत करेगा और 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में बड़े पैमाने पर कटौती करेगा। सौर-पवन से ग्रीन अमोनिया उत्पादन की लागत दुनिया की सबसे कम है, और 2030 तक यह और गिरने की संभावना है। आईएसटीएस (इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम) छूट, ओपन एक्सेस और नवीकरणीय बैंकिंग जैसी नीतियां निवेश को तेजी से आकर्षित कर रही हैं।

नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य में ग्रीन अमोनिया की भूमिका निर्णायक और अभूतपूर्व है। उर्वरक उद्योग में प्रक्रिया उत्सर्जन शून्य करना, स्टील निर्माण में डीआरआई को हरा हाइड्रोजन देना, और नौवहन में बंकर ईंधन के रूप में इसका उपयोग—ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ बैटरी या सीधे बिजली का विकल्प काम नहीं कर सकता। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पहले ही 263 गीगावाट पार कर चुकी है, और 2030 का 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य तेजी से पूरा होने की राह पर है। यह मजबूत आधार ग्रीन अमोनिया को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी और भरोसेमंद बनाता है। 2028 से निर्यात शुरू होने जा रहा है, और यूरोप, जापान तथा कोरिया जैसी बड़ी मांग देश इसके प्रमुख ग्राहक होंगे। अब भारत सिर्फ आयातक नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है।

हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं-उच्च प्रारंभिक पूंजी, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण, सप्लाई चेन का सुदृढ़ीकरण, प्रमाणीकरण और आधुनिक बंदरगाह ढांचे की आवश्यकता। लेकिन 2025-2027 निर्णायक वर्ष बनकर उभरेंगे। कीमतें तेजी से गिर रही हैं, तकनीक पूरी तरह परिपक्व हो रही है, और नीतियां पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं।

एसईसीआई का डिमांड एकत्रीकरण और लंबी अवधि अनुबंध मॉडल न केवल वैश्विक मानक स्थापित करने की क्षमता रखता है, बल्कि भारत की ग्रीन ऊर्जा क्रांति को स्थायी, निर्णायक और प्रभावशाली रूप देने वाला निर्णायक स्तंभ भी बनेगा।

ग्रीन अमोनिया अब केवल ऊर्जा का साधन नहीं, बल्कि भारत की नई पहचान बन चुका है-आत्मनिर्भर, हरित और साहसिक। जब पूरी दुनिया जलवायु संकट की पकड़ में संघर्ष कर रही है, भारत अपनी रणनीतिक सोच और नवाचार से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और वैश्विक मंच पर नेतृत्व का अधिकार जता रहा है। यह मार्ग कठिनाइयों और चुनौतियों से भरा है, लेकिन अवसरों की संभावनाओं से भी संपन्न है। अब भारत सिर्फ सपनों का निर्माण नहीं कर रहा; वह उन्हें वास्तविकता में बदल रहा है। यही वह समय है जब बदलाव अपरिहार्य है, और भारत उसी बदलाव का साहसिक अग्रदूत बनकर भविष्य की ऊर्जा और पर्यावरण की दिशा को नई ऊँचाई पर ले जा रहा है।

काकोरी से अल्फ्रेड पार्क तक, 'आजाद' की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में जन्मे चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी थे, जिनका जीवन साहस, संघर्ष और बलिदान की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करता है। चंद्रशेखर आजाद बचपन से ही साहसी और निडर थे, उन्हें अन्याय और अत्याचार बिल्कुल पसंद नहीं था।उनके भीतर बचपन से ही देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर थी और यही भावना आगे चलकर उन्हें ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करने के लिए प्रेरित करती रही। उनका प्रारंभिक नाम चंद्रशेखर सीताराम तिवारी था लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर चंद्रशेखर आजाद कर लिया था। उनका बचपन गरीबी में बीता। उनके पिता एक गरीब किसान थे और उन्हें अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। चंद्रशेखर आजाद ने केवल 14 वर्ष की अल्पायु में ही स्वतंत्रता संग्राम में प्रवेश किया था। 1921 में उन्होंने असहयोग आंदोलन में भाग लिया और जब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जब उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया तो उन्होंने अपना नाम 'आजाद', अपने पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और अपने निवास का नाम 'जेल' बताया। उसके बाद मजिस्ट्रेट ने उन्हें 15 कोड़ों की सजा सुनाई, जिसे आजाद ने बड़ी बहादुरी से सहा। कोड़े के हर वार पर उन्होंने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, जिससे उनकी दृढ़ता और साहस का परिचय मिलता है।

चंद्रशेखर आजाद की क्रांतिकारी यात्रा काकोरी कांड से प्रारंभ होती है। यह वह समय था, जब ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियां चरम पर थी। काकोरी कांड 9 अगस्त 1925 को हुआ था, जब हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को लूटकर ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी थी। उस घटना में शामिल कई क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन चंद्रशेखर आजाद बच निकले थे। उसके बाद उन्होंने संगठन को फिर से मजबूत करने का बीड़ा उठाया। 1928 में उन्होंने भगत सिंह और सुखदेव के साथ मिलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की। इस संगठन का उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराना था। संगठन ने कई क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें काकोरी ट्रेन डकैती, लाहौर षडयंत्र मामला और केंद्रीय विधान सभा बमबारी शामिल हैं। काकोरी ट्रेन डकैती इस संगठन की सबसे प्रसिद्ध गतिविधियों में से एक थी। चंद्रशेखर आजाद और उनके साथियों ने 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के पास काकोरी में एक ट्रेन को लूट लिया था। उस डकैती का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को यह संदेश देना था कि भारतीय क्रांतिकारी अभी भी सक्रिय हैं। चंद्रशेखर आजाद ने न केवल क्रांतिकारी गतिविधियों का नेतृत्व किया बल्कि भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव सहित अनेक क्रांतिकारियों को प्रेरित भी किया। वे संगठन के भीतर अनुशासन और निष्ठा को सर्वोपरि मानते थे। उन्होंने अपने संगठन को मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास किए और ब्रिटिश सरकार को कई बार चकमा देने में सफल रहे।

1928 में लाहौर षडयंत्र मामला हुआ था। उस मामले में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जेपी सॉन्डर्स की हत्या के आरोप में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को गिरफ्तार किया गया था। चंद्रशेखर आजाद ने अपने साथियों को बचाने की अथक कोशिश की लेकिन वे असफल रहे। 8 अप्रैल 1929 को केंद्रीय विधानसभा में बमबारी को हुई थी। उस घटना में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली में केंद्रीय विधानसभा में बम फैंके। उस बमबारी का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार को यह संदेश देना था कि भारतीय क्रांतिकारी अभी भी अपनी मांगों के लिए लड़ रहे हैं।

चंद्रशेखर आजाद जब छोटे थे तो उन्होंने एक दिन एक बैलगाड़ी को पलटते हुए देखा। उन्होंने बिना किसी डर के बैलगाड़ी को सीधा करने में मदद की। अपने क्रांतिकारी कार्यों के लिए चंद्रशेखर आजाद अक्सर एक स्थान से दूसरे स्थान पर साइकिल से यात्रा किया करते थे, जो उनकी सादगी और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। ब्रिटिश पुलिस से बचने के लिए वे अक्सर छद्मवेश धारण किया करते थे। एक बार पुलिस उनके पीछे पड़ी थी। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने अपनी घनी मूंछें मुड़वा ली और भेष बदलकर वाराणसी चले गए। वहां उन्होंने साधु का रूप धारण कर लिया और ब्रिटिश पुलिस की आंखों में धूल झोंक दी। आजाद जब पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग वेशभूषा अपनाते थे, तब एक बार वे साधु का वेश धारण कर एक मंदिर में शरण लिए हुए थे। अंग्रेज पुलिसकर्मी उन्हें पहचान नहीं सके और वे सुरक्षित बच निकले।

इसी प्रकार, एक बार वे बनारस के एक घाट पर नाविक बनकर ब्रिटिश जासूसों को धोखा देने में सफल रहे। उनकी बुद्धिमानी और तेजतर्रार स्वभाव के कारण ही वे कई बार अंग्रेजों के हाथ आने से बच गए। उन्होंने विभिन्न व्यवसायों और सामाजिक वर्गों के लोगों के रूप में स्वयं को प्रच्छन्न किया। चंद्रशेखर आजाद एक उत्कृष्ट निशानेबाज थे। उन्होंने अपनी युवावस्था में ही निशानेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था और कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। उनमें अद्भुत नेतृत्व क्षमता थी। उन्होंने अपने साथियों को प्रेरित किया और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

हे मॉडर्न महारानी !

डॉ. सुरेश कुमार

नमस्कार है हे मॉडर्न महारानी! आप इस डिजिटल संसार के उस डेटा पैक की तरह हैं जिसके खत्म होते ही पुरुष का सारा 'सिस्टम' हैंग हो जाता है। लोग कहते हैं कि विवाह एक बंधन है, पर हम तो कहते हैं कि यह वह परमानेंट 'जेल' है जिसमें कैदी खुद ही मिठाई के डिब्बे लेकर दाखिला लेने पहुंचता है।

पुराने जमाने में पाणिनि ने आपके यज्ञ-संयोग की महिमा गाई थी, पर आज का शास्त्र तो कहता है कि बिना 'वाइफ' के वाई-फाई का पासवर्ड तक नसीब नहीं होता। यज्ञ-दान तो छोड़िए, बिना आपकी अनुमति के तो पुरुष अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर 'फीलिंग हैप्पी' तक लिखने का साहस नहीं जुटा पाता।

शास्त्रीय विधान था कि बिना गृहस्थ हुए मोक्ष नहीं मिलता। आज का विधान यह है कि बिना गृहस्थ हुए आदमी को बैंक से 'होम लोन' नहीं मिलता। जो लोग देश सुधारने का बीड़ा उठाए टीवी डिबेट्स में दहाड़ते हैं, वे भी घर की दहलीज पार करते ही ऐसे 'म्यूट' हो जाते हैं जैसे किसी ने रिमोट का बटन दबा दिया हो। उनकी वीरता का सारा तेल आपकी एक तिरछी चितवन में निकल जाता है। धन्य है वह पत्नी-भक्ति, जो एक शेर को भी 'सर्कस का शेर' बना देती है जो केवल रिंग मास्टर की सीटी (यानी बेलन की खनक) पर ही करतब दिखाता है।

हे आदि रस की स्वामिनी! आज के शूरवीर साहबान, जो ऑफिस में फाइलों के ढेर पर बैठकर मुल्क का इंतजाम करने की चतुराई दिखाते हैं, वे आपके सामने आते ही ऐसे 'सरेंडर' होते हैं जैसे कोई आउटडेटेड सॉफ्टवेयर। जो साहब बड़े-बड़े घोटालों को पी जाते हैं, वे एक 'साधारण-सी' सेल या शॉपिंग की लिस्ट देखकर कर्ज में ऐसे डूबते हैं जैसे टाइटैनिक। औसत दर्जे की तनख्वाह पाने वाला बाबू महीने की दस तारीख तक आपके चरणों में अपनी सारी 'अर्थव्यवस्था' समर्पित कर खुद 'फकीर' बना घूमता है, पर मजाल है कि आपके चेहरे की चमक में एक प्रतिशत की भी गिरावट आए!

जिस घर में आप मुस्कुराती हैं, वहां क्रेडिट कार्ड की लिमिट भले ही खत्म हो जाए, पर खुशियां 'कैशबैक' की तरह बरसती रहती हैं। और जहां आपने अपना 'रौद्र रूप' धारण किया, वहां साक्षात यमराज भी बिना अपॉइंटमेंट के आने से डरते हैं। पुराने कवियों ने आपको दासी, मित्र और गुरु कहा था; आज के कवि आपको 'होम मिनिस्ट्री', 'सुप्रीम कोर्ट' और 'फाइनेंस डिपार्टमेंट' का कॉम्बो पैक मानते हैं। गजगामिनी और कोकिल-वचनी होना तो पुरानी बातें हैं, आज की पत्नी तो वह 'स्मार्टफोन' है जिसका फ्रंट कैमरा पति की हर हरकत पर 'फेस अनलॉक' लगाए बैठा है। भर्तृहरि ने कहा था कि या तो सुंदर नारी मिले या गुफा।

आज के युग में तो सुंदर नारी ही वह गुफा है जिसमें घुसने के बाद बाहर निकलने का रास्ता गूगल मैप भी नहीं बता पाता। जो वनिता-भक्त हर समय 'महारानी' के मुख की छवि निरखता हुआ ऑफिस से छुट्टी मारता है, वह भले ही दरिद्र हो जाए, पर मानसिक शांति का वह उच्च स्तर प्राप्त कर लेता है जिसे पाने के लिए ऋषि-मुनि हिमालय पर भी ठंड में ठिठुरते रह गए। अंत में यही फल-स्तुति है कि जो सब काम छोड़कर पत्नी की रील लाइक करता है, वही इस कलयुग का असली 'परमवीर' है। बाकी सब तो केवल 'यूजर' हैं, एडमिन तो आप ही हैं!

'हल्के-फुल्के रोल करना चाहती हूं', तापसी पन्नू ने टाइपकास्ट किए जाने पर उठाए सवाल; कहा- धारणा तोड़नी पड़ती है

तापसी पन्नू को अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' के लिए प्रशंसाएं मिल रही हैं। फिल्म को भी क्रिटिक्स द्वारा काफी सराहा जा रहा है। हालांकि, हर बार की तरह इस बार भी अच्छा कंटेंट और तारीफों के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस धीमी रफ्तार से ही आगे बढ़ रही है। इस बीच तापसी पन्नू ने एक ही तरह के किरदार के लिए एक ही तरह के कलाकारों को चुनने के मुद्दे पर सवाल उठाया। तापसी की अनुभव सिन्हा के साथ ये तीसरी फिल्म है, इससे पहले दोनों 'मुल्क' और 'थप्पड़' में भी साथ काम कर चुके हैं।

कोई अपने कंफर्ट जोन से बाहर नहीं आना चाहता

एक बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने बताया कि उन्होंने कई प्रमुख निर्देशकों से उनकी फिल्मों में बार-बार दोहराए जाने वाले कास्टिंग विकल्पों के बारे में सवाल किए हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह मुश्किल है।

मेरे लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल है क्योंकि हम अपनी कल्पना के आरामदायक दायरे में इतने खुश रहते हैं। 'ठीक है, यह इस तरह की भूमिका है, तो यह ठीक रहेगी।' कोई भी लीक से हटकर सोचना नहीं चाहता।

जब मैं यहां के कुछ शीर्ष निर्देशकों से मिलने जाती हूं, तो उनसे मेरी बातचीत होती है। सबसे पहले मुझे यह धारणा तोड़नी पड़ती है कि मैं ऐसी फिल्में करने में सहज हूं, जिनमें मैं मुख्य भूमिका में नहीं हूं। यानी कि कहानी मेरी नहीं है। फिर मुझे उन्हें बताना पड़ता है कि मैं कुछ हल्की-फुल्की भूमिकाएं करना चाहती हूं। ऐसा नहीं है कि अगर मुझे फिल्म में होना ही है तो उससे कोई समस्या जुड़ी होनी चाहिए।

मैं हमेशा सवाल उठाती हूं

तापसी ने आगे बताया कि मैं सच में उन पर सवाल उठाती हूं। आप एक ही तरह के किरदारों के लिए हमेशा एक ही चेहरे को क्यों चुनते हैं? यह उनके साथ भी अन्याय है। यह मेरे जैसे लोगों के साथ भी अन्याय है जो अपनी कला में प्रयोग करना चाहते हैं। एक निर्देशक के तौर पर यह सोचना आपकी आत्मसंतुष्टि है कि अरे, यह एक खास तरह का किरदार है और इसके जैसी दिखने वाली लड़कियां कौन हैं? सिर्फ ये लड़कियां। फिर वे किसी और फिल्म में भी वही करेंगी जो उन्होंने पहले किया है। लेकिन जब मैं शायद ऐसा कुछ करूंगी, तो मैं कुछ नया लेकर आऊंगी।

महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए मशहूर हैं तापसी

'अस्सी' में तापसी पन्नू एक वकील के किरदार में नजर आ रही हैं। इससे पहले तापसी अनुभव सिन्हा की ही फिल्म 'मुल्क' में भी वकील की भूमिका निभा चुकी हैं। तापसी पन्नू को अक्सर ही महिला केंद्रित और दमदार भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। उनकी इस तरह की फिल्मों में 'अस्सी' और 'मुल्क' के अलावा 'थप्पड़', 'पिंक', 'बदला' और 'सांड की आंख' शामिल हैं। हालांकि, इसके अलावा उन्होंने अपने करियर में कुछ अलग तरह के किरदार भी निभाए हैं, जिनमें 'चश्मे बद्दूर', 'जुड़वां 2', 'हसीन दिलरुबा', 'डंकी' और 'खेल खेल में' शामिल हैं।

'घमंड आ गया है', अक्षरा सिंह ने खेसारी लाल पर भी साधा निशाना

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, पवन सिंह के साथ अपने फेयर के अलावा उनके साथ ब्रेकअप के वक्त हुए विवाद को लेकर काफी चर्चा में रह चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने कहा कि अब उनका नाम पवन सिंह से ना जोड़ा जाए, वो लाइफ में मूव-ऑन करन चाहती हैं। इसके अलावा अक्षरा ने खेसारी लाल यादव और काजल राघवानी के अफेयर और उसके बाद हुए विवादों पर भी खुलकर बात की है।

दरअसल काजल राघवानी और खेसारी लाल यादव का कथित अफेयर 5 साल से भी ज्यादा समय तक चला था। ब्रेकअप के बाद काजल ने खेसारी पर आरोप लगाए थे कि उन्होंने शादी का वादा किया था लेकिन वो मुकर गए। इसके बाद खेसारी ने एक इंटरव्यू में काजल संग रिश्ते में रहने की बात तो गलत बताया, इतना ही नहीं उन्होंने एक्ट्रेस को 'टेंपो' भी कहा। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के फैंस के बीच भी काफी समय तक बहस जारी रही।

अब अक्षरा ने उनके विवाद को लेकर खेसारी पर तंज कसा है। सिद्धार्थ कनन के साथ बातचीत में अक्षरा ने बताया कि खेसारी के फैंस ने सोशल मीडिया पर काजल राघवानी को खूब परेशान किया और काजल ने फोन कर उनसे मदद भी मांगी। इसके साथ ही अक्षरा ने बताया कि अब उनके भी खेसारी के साथ संबंध अच्छे नहीं हैं, वो अब बड़े आदमी हो गए हैं और उनमें घमंड आ गया है।

अक्षरा ने कहा, "हां बेचारी, उनका फोन आया था मेरे पास, उनके ऊपर अभद्र गाने बन रहे थे। उनके साथ एक स्टेज शो में बदसलूकी हुई थी। उन्होंने अपनी बात रखी, मैंने उस चीज को सुना और शायद मैंने कहीं ना कहीं उनका मनोबल भी बढ़ाया। मैं ये नहीं कहूंगी कि मैं उनका साथ देने लिए खड़ी हो गई थी, लेकिन मैंने कहीं कुछ अच्छा कहा होगा। उस दौर में वो बहुत परेशान थीं, उनके साथ जो हो रहा था वो किसी भी लड़की साथ होता तो वो टूट जाती।"

खेसारी पर साधा निशाना

अक्षरा ने आगे कहा, "अगर आप किसी लड़की के लिए गंदे गाने बनवाओगे, आप स्टेज शोज में जाने पर उससे बदतमीजी करवाओगे और इस पर मजे ले रहे थे।" एक्ट्रेस ने कहा कि काजल राघवानी पर भद्दे गाने बनाने वाले कई सिंगर्स को उन्होंने फोन करके डांट लगाई थी। उन्होंने कहा, "क्योंकि जब मेरे साथ ये चीजें हो रही थीं तब मुझे कोई बचाने वाला नहीं था कि भई अक्षरा के लिए ऐसा क्यों किया, हटाओ, खत्म करो। तुमको शर्म आ रही है, तुम्हारे घर में भी मां बहन है। आप चुस्की लेने के लिए इतने गंदे गाने गा रहे हो, सिर्फ इसलिए कि अपने भैया को इम्प्रेस कर सको।?

बॉलीवुड का भी किया जिक्र

इसके बाद अक्षरा सिंह ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का जिक्र करते हुए कहा, "क्या ऐसी चीजें साउथ और बॉलीवुड में होती हैं? जो हम लोग गंदगी पर उतर जाते हैं। इतने सालों में कहां लेकर जा रहे हो भोजपुरी इंडस्ट्री को? जिनका मैटर है उनको लड़ने दीजिए, आपको क्या लेना देना?"

खेसारी को दी सख्त हिदायत

खेसारी लाल ने अपने इंटरव्यू में काजल राघवानी को लेकर जो बातें की थीं, उनका जिक्र करते हुए अक्षरा ने कहा, "उन्होंने काजल के लिए बहुत अभद्र तरीके से एक इंटरव्यू में बात की थी। बहुत गंदा बोला था, आपको जरा भी शर्म नहीं, आपके घर में बीवी है बच्चे हैं उनको कोई कुछ बोलकर चला जाएगा तो कैसा लगेगा? तो किसी भी और लड़की को कैसे कुछ भी बोलकर चले जाते हो। फिर आप पॉलिटिक्स में जाते हो, गलती हो जाती है तो सुधारना भी आता चाहिए।"

अक्षरा ने खेसारी को लेकर कहा कि उन्होंने काजल राघवानी को धोखा दिया या नहीं इसके बारे में वो नहीं जानतीं, लेकिन किसी लड़की के लिए गंदी बातें कहना गलत बात है। अक्षरा ने पवन सिंह को लेकर भी इस इंटरव्यू में काफी कुछ कहा है।

'ओ रोमियो' के बाद अब इन फिल्मों में नजर आएंगी तृप्ति डिमरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आने वाले दिनों में तृप्ति एक से बढ़कर एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने वाली हैं। आइए उनकी अपकमिंग फिल्मों के बारे में जानते हैं।

फिल्म स्पिरिट

फिल्म 'स्पिरिट' इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर पर है। यह एक पैन इंडियन थ्रिलर फिल्म है। यह फिल्म 5 मार्च 2027 को रिलीज होगी। यह एक तेलुगु भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन 'एनिमल' फेम संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। फिल्म में प्रभास और तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आएंगे।

फिल्म मां बहन

फिल्म 'मां-बहन' सीधे ओटोटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह एक अपकमिंग मूवी है, जो एक मां और बेटियों की कहानी हैं। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक डार्क कॉमेडी फिल्म है। इसका डायरेक्शन सुरेश त्रिवेणी किया है। इसकी रिलीज डेट आनी बाकी है।

फिल्म एनिमल पार्क

'एनिमल पार्क' फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा करेंगे। रणबीर कपूर स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल 'एनिमल पार्क' है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी भी अहम किरदार निभाने वाली हैं। फिल्म के पहले पार्ट में भी तृप्ति ने शानदार काम किया था। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

परवीन बाबी बायोपिक

परवीन बाबी पर एक बायोपिक बन सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो 70s की मशहूर अदाकारा परवीन बाबी की जिंदगी पर आधारित होगी। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी लीड रोल में होंगी। इसका डायरेक्शन सोनाली बोस करेंगे। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। अभी इसकी रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 2

'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो पार्ट 2' साल 2024 में आई कॉमेडी फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' का सीक्वल है। इस फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी लीड में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी तक इस फिल्म की

प्रेग्नेंसी के बाद सिंगर रिहाना की बॉडी शेमिंग पर नाराज हुईं इलियाना डिक्रूज, बोलीं- यह बात गुस्सा दिलाती है

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने अपने इंस्टाग्राम पर हॉलीवुड सिंगर रिहाना को सपोर्ट किया। जो लोग प्रेग्नेंसी के बाद उनकी ट्रोलिंग कर रहे थे, उनको इलियाना डिक्रूज ने खूब खरी-खोटी सुनाई।

रिहाना को लोगों ने किया ट्रोल

हाल ही में प्रेग्नेंसी के बाद रिहाना अपने बेटे के साथ नजर आईं। उनका लुक देखकर कई लोगों ने कहा कि वह क्यों वापस शेप में नहीं आईं। इस बात पर इलियाना नाराज हो गईं। इसलिए इंस्टाग्राम पर उन्होंने एक पोस्ट किया। वह लिखती हैं, 'उन्होंने एक बच्चा पैदा किया और उस बच्चे को जन्म दिया। उसे हेल्दी रख रही हैं। फिर भी सवाल यह है कि वह अभी तक बाउंस बैक क्यों नहीं कर पाई हैं? यह बहुत गुस्सा दिलाने वाली अवास्तविक उम्मीदें।'

इलियाना करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

इलियाना डिक्रूज के करियर फ्रंट की बात करें तो वह साल 2024 में एक फिल्म 'दो और दो प्यार' में नजर आईं। दो साल से वह फिल्मों से दूर हैं। पिछले साल उन्होंने दूसरे बेटे को जन्म दिया। इन दिनों वह अपने बच्चों की परवरिश में व्यस्त हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं। अपनी राय कई मुद्दों पर सोशल मीडिया के जरिए साझा करती रहती हैं।

'मुगल-ए-आज़म' की शूटिंग के दौरान दिलीप कुमार ने मधुबाला पर उठाया था हाथ, फिल्म के सेट पर मच गया था हड़कंप

हिंदी सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में शुमार 'मुगल-ए-आज़म' जितनी अपनी कहानी और डायलॉग्स के लिए याद की जाती है, उतनी ही अपने सितारों की निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रही। फिल्म में सलीम बने दिलीप कुमार और अनारकली का किरदार निभाने वाली मधुबाला उस दौर की सबसे चर्चित जोड़ी थी। परदे पर उनकी केमिस्ट्री लाजवाब थी,

लेकिन कैमरे के पीछे हालात बिल्कुल अलग थे। दोनों की प्रेम कहानी के किस्से हर तरफ मशहूर हैं, लेकिन जब ये फिल्म आई थी तब तक उनका रिश्ता टूट चुका था।

दिलीप कुमार के साथ मधुबाला की मुलाकात साल 1951 में आई फिल्म 'तराना' के सेट पर हुई थी। शुरुआत में उनके बीच दोस्ती हुई और बाद में वो एक दूसरे के प्यार में पड़ गए। उन्होंने एक साथ कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उनमें सबसे ज्यादा मशहूर 'मुगल-ए-आज़म' हुई। 'मुगल-ए-आज़म' के वक्त तक पारिवारिक दबाव और एक कानूनी विवाद के चलते दोनों एक दूसरे के एक्स लवर्स बन चुके थे।

शूटिंग के बीच दिलीप कुमार ने जड़ दिया था थप्पड़

फिल्म के एक इमोशनल सीन की शूटिंग चल रही थी। खतीजा अकबर की किताब 'आई वांट टू लिवः द स्टोरी ऑफ मधुबाला' में एक घटना का जिक्र है, जिसमें दिलीप कुमार ने सीन शूट करते समय मधुबाला को सच में थप्पड़ मार दिया था। फिल्म में एक सीन था जिसमें दोनों के बीच बहस चल रही होती है, इस सीन के दौरान माहौल इतना गरमाया कि दिलीप कुमार ने गुस्से में मधुबाला पर हाथ उठा दिया। इस घटना से सेट पर मौजूद लोग सन्न रह गए। कुछ देर के लिए शूटिंग रोकनी पड़ी और माहौल को शांत करने की कोशिश की गई।

पिता बने थे रिश्ते के टूटने की वजह

उनके ब्रेकअप की कई वजहें थीं, जिनमें मधुबाला के पिता का रिश्ते में दखल देना और बाद में फिल्म 'नया दौर' को लेकर हुआ केस। जिसमें फिल्म निर्माता बीआर चोपड़ा ने मधुबाला पर मुकदमा दायर किया और दिलीप कुमार को अपना गवाह बनाया।

प्यार में आ गई थी दूरी

शूटिंग के दौरान दिलीप कुमार और मधुबाला एक-दूसरे से गहरा लगाव रखते थे। दोनों की मोहब्बत के किस्से फिल्मी गलियारों में आम थे। लेकिन धीरे-धीरे निजी मतभेद, पारिवारिक दबाव और एक कानूनी विवाद ने उनके रिश्ते में दरार डाल दी। कहा जाता है कि एक प्रोडक्शन से जुड़े केस में दिलीप कुमार ने कोर्ट में गवाही दी थी, जिससे मधुबाला और उनके परिवार को ठेस पहुंची। इसके बाद दोनों के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती चली गई और दोनों अलग हो गए।

मरते दम तक दिलीप कुमार को चाहती थीं मधुबाला

मधुबाला संग रिश्ता खराब होने के बाद 44 साल की उम्र में दिलीप कुमार ने 22 साल की सायरा बानो से शादी की थी। शादी के कुछ समय बाद ही उन्हें संदेश मिला कि मधुबाला उनसे मिलना चाहती हैं। सायरा बानो जो उनकी पत्नी थीं, उन्हें इस बात से कोई परेशानी नहीं हुई और उन्होंने कहा कि दिलीप कुमार को जाकर मधुबाला से मुलाकात करनी चाहिए।

राज कपूर की आंखें नम हुईं, पंकज उधास ने गाया 'चिट्ठी आई है' और बदल दी गजल की दुनिया

पंकज उधास भारतीय संगीत जगत के उन गायकों में से थे, जिन्होंने अपने गायन से करोड़ों लोगों का दिल जीता। उन्होंने अपने करियर में कई गाने और गजलें ऐसी गाईं, जो आज भी याद की जाती हैं, लेकिन एक ऐसा गाना है, जिसने उन्हें असली पहचान दी। यह गाना है 'चिट्ठी आई है', जो 1986 में रिलीज हुई फिल्म 'नाम' का है। इस गाने के पीछे का किस्सा बड़ा ही दिलचस्प है। शुरुआत में पंकज उधास को फिल्म के लिए इस गजल को गाने में कोई खास रुचि नहीं थी। उनको लगता था कि यह गाना उनके लिए कोई बड़ा बदलाव नहीं लाएगा, लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था। जब यह गाना राज कपूर के पास गया और उन्होंने इसे पंकज उधास से गाने की इच्छा जाहिर की, तो पंकज ने जब इस गाने को गाया, तो वह भावुक हो उठे और उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि इस गाने में जो भाव और एहसास है, वह किसी और के लिए गाना नामुमकिन है। राज कपूर की यह प्रतिक्रिया पंकज उधास के लिए एक बड़ी प्रेरणा बन गई।

पंकज उधास के करियर को 'चिट्ठी आई है' ने नया उछाल दिया। इस गाने के बाद पंकज को फिल्मों और गजल के मंचों में लगातार अवसर मिलने लगे। लोग उन्हें सिर्फ फिल्मों के गायक के रूप में नहीं बल्कि गजल के जादूगर के रूप में भी जानने लगे। उनकी गजल में प्यार, रोमांस और जज्बातों की मिठास होती थी।

पंकज उधास को उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले। 2006 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया और 2025 में उन्हें पद्मभूषण से नवाजा गया। उनके गानों और गजल के लिए उन्हें देश-विदेश में ख्याति मिली। उनका निधन 26 फरवरी 2024 को मुंबई में हुआ, लेकिन उनकी आवाज और ग़ज़लें आज भी लोगों के दिलों में बरकरार हैं।

बॉलीवुड में काम नहीं करना चाहती कानी कुसृति

जहां एक तरफ बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच कलाकारों का आना-जाना तेजी से बढ़ रहा है, वहीं एक कलाकार ने इस ट्रेंड के बीच एक अलग ही फैसला लिया है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने खुद बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से कहा है कि उन्हें कास्ट न करें।

अस्सी फिल्म में काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस

हम बात कर रहे हैं कानी कुसृति की। कानी को इंटरनेशनल पहचान फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' से मिली, जिसे पायल कपाड़िया ने डायरेक्ट किया था। फिलहाल वे फिल्म 'अस्सी' में नजर आ रही हैं, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वे ज्यादा हिंदी फिल्में क्यों नहीं कर रहीं, तो उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी।

आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए

कानी ने बताया कि वे हिंदी ठीक से नहीं बोल पातीं, इसलिए जो रोल उन्हें ऑफर होते हैं, वे उन्हें निभा नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं खुद मेकर्स से कह देती हूं- आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए। 'अस्सी' में मेरा किरदार केरल से रखा गया, इसलिए मैं फिल्म कर पाई।

वरना अगर किरदार उत्तर भारत का होता, तो मुझे काफी मुश्किल होती। मुझे डायलॉग समझने और याद करने में बहुत समय लग जाएगा। मैं हर मायने में खुद को एक सच्ची मलयाली मानती हूं। आज भी मैंमलयालम में ही सोचती हूं और अंग्रेजी बोलते समय भी मन ही मन ट्रांसलेट करना पड़ता है। मेरे लिए भाषा सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि संस्कृति और सोच से जुड़ी चीज है।'

मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं कानी

बता दें कि कानी मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 2005 से 2007 के बीच त्रिशूर स्कूल ऑफ ड्रामा में थिएटर की पढ़ाई की और बाद में पेरिस में भी एक्टिंग की ट्रेनिंग की। उन्हें पहली बड़ी पहचान 2009 की फिल्म 'केरल कैफे' से मिली। 2010 में उन्होंने 'शिक्कर' में नक्सलाइट का किरदार निभाया, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल भी थे। इसी साल फिल्म 'कॉकटेल' में उनके दमदार एक्टिंग ने उन्हें अलग पहचान दिलाई।

बाद में फिल्म 'बिरयानी' के लिए उन्हें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि, असली वर्ल्डवाइड पहचान उन्हें 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' से मिली। वहीं, उनकी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी उनकी एक्टिंग को लोगों ने काफी सराहा।

केरल हाईकोर्ट ने केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर लगाई रोक

विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज इस समय कानूनी पेच में फंसी हुई है। फिल्म पर केरल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे हैं, जिसके चलते मामला केरल हाई कोर्ट पहुंचा। ये फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होनी थी, जो अब नहीं हो पाएगी। बुधवार को कोर्ट में सुनवाई के दौरान फैसला गुरुवार की सुनवाई पर टाला गया था। अब कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक कोर्ट अंतिम निर्णय नहीं दे देता, तब तक फिल्म के राइट्स जारी न किए जाएं। अदालत ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता की आशंकाएं "पूरी तरह निराधार नहीं" हो सकतीं, इसलिए एहतियात के तौर पर रिलीज पर अस्थायी रोक लगाना जरूरी है।

दिलचस्प मोड़ यह है कि इस बीच केंद्र सरकार ने फिल्म के पक्ष में अपना रुख स्पष्ट किया है। केंद्र की ओर से पेश वकील ने सेंसर बोर्ड के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि फिल्म से 'पब्लिक ऑर्डर' को कोई खतरा नहीं है और न ही यह राज्य को नकारात्मक रूप में पेश करती है। साथ ही, उन्होंने रचनात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए कहा कि फिल्ममेकर्स को अपनी कहानी कहने का अधिकार है।

बुधवार को टाली गई थी सुनवाई

बता दें कि पहले इन याचिकाओं पर 25 फरवरी को सुनवाई हुई थी, लेकिन मेकर्स और कोर्ट के बीच तालमेल नहीं बैठ पाया। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, सुबह की सुनवाई में कोर्ट ने फिल्म देखने की इच्छा जताई। जज ने कहा कि जब मेकर्स फिल्म को सच्ची घटना पर आधारित बता रहे हैं और राज्य के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो अदालत के लिए कंटेंट देखना जरूरी है। उस समय मेकर्स की ओर से स्क्रीनिंग के लिए सहमति जताई लेकिन बाद में उन्होंने मना कर दिया।

दोपहर में जब सुनवाई दोबारा शुरू होने पर निर्माताओं के वकील ने पहले यह तय करने की मांग की कि याचिका निजी है या जनहित से जुड़ी। इस पर जस्टिस थॉमस ने टिप्पणी की कि मेकर्स कोर्ट को फिल्म दिखाने के इच्छुक नहीं लगते। मेकर्स ने अपनी सफाई पेश की और उन्होंने याचिकाओं का भी विरोध किया था। किसी निर्णय पर ना पहुंच पाने के कारण सुनवाई आज के लिए टाली गई थी। अब केरल स्टोरी 2 फिल्म की रिलीज पर कोर्ट की अगली सुनवाई का इंतजार करना होगा।

पति-पत्नी बने विजय-रश्मिका तेलुगु रिवाज से पूरी हुई शादी

रश्मिका मंदाना शादी में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस दौरान वो सिल्क के कपड़ों में दुल्हन के तौर पर नजर आईं। जो पारंपरिक रीति-रिवाजों को दर्शाता है। वो दुल्हन के रूप में काफी खूबसूरत नजर आईं।

130 करोड़ की है रश्मिका-विजय की नेटवर्थ लग्जरी गाड़ियां और कई शहरों में है आलीशान घर

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने अपनी इस खास शादी को 'वेडिंग ऑफ विरोश' नाम दिया है, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। शादी की खबरों के साथ-साथ एक बार फिर दोनों की कमाई, लग्जरी लाइफस्टाइल और टोटल नेटवर्थ चर्चा का विषय बन गई है।

रश्मिका मंदाना की नेटवर्थ

रश्मिका मंदाना, जिन्हें फैंस "नेशनल क्रश" भी कहते हैं, आज साउथ की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी नेट वर्थ लगभग 66 करोड़ रुपये बताई जाती है और वह एक फिल्म के लिए करीब 4 करोड़ रुपये फीस लेती हैं।

फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट, विज्ञापन और उनके पर्सनल फ्रेगरेंस ब्रांड से भी अच्छी कमाई होती है। उन्होंने पुष्पाः द राइज, पुष्पाः द रूल, एनिमल और छावा जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया है, जिससे उनकी फैन फॉलोइंग और इनकम दोनों में तेजी आई है।

रश्मिका की प्रॉपर्टी और कार कलेक्शन

रश्मिका मंदाना के पास बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, गोवा और कूर्ग में प्रॉपर्टी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कूर्ग के विराजपेट में उनका खूबसूरत घरहै, जो हरियाली से घिरा हुआ है। इसकी कीमत लगभग 8 करोड़ रुपये बताई जाती है।

उनके कार कलेक्शन में रेंज रोवर स्पोर्ट, ऑडी क्यू 3, मर्सिडीज-बेन्ज सी-क्लास, टोयोटा इनोवा और हुंडई क्रेटा शामिल हैं। 2024 में उनका नाम फॉर्ब्स इंडिया की 30 अंडर 30 लिस्ट में भी शामिल किया गया था।

विजय देवरकोंडा की नेट वर्थ

विजय देवरकोंडा की बात करें, तो उनकी नेट वर्थ करीब 66 से 70 करोड़ रुपये के बीच बताई जाती है। लाइफस्टाइल एशिया की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उनकी नेटवर्थ 66 करोड़ की ती। वहीं डक्कन क्रॉनिकल के अनुसार वही नेटवर्थ अब बढ़कर 2026 में 70 करोड़ पहुंच गई है।

वह एक फिल्म के लिए लगभग 12 से 15 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट से भी उनकी अच्छी कमाई होती है और मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, वह एक इंस्टाग्राम स्पॉन्सर्ड पोस्ट के लिए वह करीब 40 लाख रुपये तक चार्ज करते हैं।

विजय की प्रॉपर्टी और कार कलेक्शन

अभिनय के अलावा विजय ने फैशन और स्पोर्ट्स में भी इनवेस्ट किया है। उनका खुद का स्ट्रीटवियर ब्रांड राउडी वियर युवाओं के बीच काफी पॉपुलर है और वह प्रो वॉलीबॉल टीम हैदराबाद ब्लैकहॉक के को-ओनर भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार,हैदराबाद के जुबली हिल्स में उनका लगभग 15 करोड़ रुपये का लग्जरी बंगला है। उनके कार कलेक्शन में बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, फॉर्ड मस्टेंग, वोल्वो एक्ससी90 और रेंज रोवर शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके पास करीब 30 करोड़ रुपये का प्राइवेट जेट भी है। विजय का नाम भी फॉर्ब्स इंडिया की सिलेब्रिटी 100 लिस्ट में शामिल रह चुका है।

दोनों की टोटल नेटवर्थ

अगर दोनों की टोटल नेटवर्थ जोड़ी जाए तो यह आंकड़ा 130 करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच जाता है। शादी की तैयारियों के बीच यह जोड़ी न सिर्फ टॉलीवुड की सबसे चर्चित जोड़ी बन चुकी है, बल्कि युवा, सफल और प्रभावशाली स्टार कपल के रूप में भी अपनी अलग पहचान रखती है। फैंस अब बेसब्री से 'वेडिंग ऑफ विरोश' की झलक देखने का इंतजार कर रहे हैं।

पूरा फिल्मी है रश्मिका मंदाना का ससुराल, पति हैं हीरो तो ससुर भी हैं साउथ इंडस्ट्री के मशहूर प्रोड्यूसर

केवल रश्मिका और विजय ही फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखते बल्कि विजय देवरकोंडा के पिता यानी रश्मिका के ससुर भी इंडस्ट्री के जाने-माने फिल्म निर्माता हैं। यहां तक की उनकी सास भी फिल्म में कैमियो रोल कर चुकी हैं।

हीरो पति, फिल्मी परिवार

विजय देवरकोंडा तेलुगु सिनेमा के उन सितारों में गिने जाते हैं जिन्होंने कम समय में बड़ी स्टारडम हासिल किया है। 'अर्जुन रेड्डी' जैसी फिल्मों से उन्होंने युवा दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। इसके अलावा 'गीता गोविंदम', 'पेल्ली चूपुलु', 'टैक्सीवाला', 'डियर कॉमरेड' और 'खुशी' भी उनकी चर्चित फिल्में हैं। उनके पिता ने भी तेलुगु इंडस्ट्री की कई फिल्मों का निर्माण किया है। विजय के पिता देवरकोंडा गोवर्धन राव तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े रहे हैं और बतौर प्रोड्यूसर काम कर चुके हैं। इंडस्ट्री में उनका जुड़ाव पुराना और सम्मानजनक रहा है।

क्या करती हैं रश्मिका की सास

वहीं विजय की मां माधवी देवरकोंडा प्रोफेशनल ट्रेनर हैं और परिवार को निजी तौर पर संभालती रही हैं। यानी रश्मिका का ससुराल सिर्फ स्टारडम ही नहीं, बल्कि एक संतुलित और शिक्षित पारिवारिक पृष्ठभूमि भी रखता है। माधवी ने 2019 में आई विजय की फिल्म Dear Comrade में एक छोटा कैमियो किया था। इस फिल्म में माधवी ने एक कॉलेज लेक्चरर की छोटी भूमिका निभाई थी।

देवर भी हैं एक्टर

रश्मिका के देवर आनंद देवरकोंडा भी तेलुगु फिल्म एक्टर हैं। उन्होंने कंटेंट आधारित फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई है। इस लिहाज से देखा जाए तो रश्मिका का ससुराल पूरी तरह से सिनेमा से जुड़ा हुआ है, जहां पति सुपरस्टार, ससुर प्रोड्यूर और देवर भी एक्टर है।

'धुरंधर 2' देखने के लिए दुबई के लोग कर रहे ये काम, आर माधवन ने किया दावा

अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर 2' सुर्खियों में है। इससे पहले 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा चुकी है। कई मिडिल ईस्ट देशों में बैन होने के बावजूद, फिल्म ने ग्लोबली 1300 करोड़ रुपये की कमाई की। अब, 'धुरंधर 2' मार्च में रिलीज होने वाली है। सीक्वल को लेकर हो रही चर्चा के बीच आर माधवन ने बताया कि कैसे दुबई के दर्शक फिल्म देखने के लिए भारत आ रहे हैं।

मीटिंग का प्लान कर रहे दर्शक

सोनिया शेनॉय के पॉडकास्ट में माधवन ने उन लोगों के बारे में बात की जो धुरंधर देखने के लिए दुबई से भारत आते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'यही अच्छे कंटेंट की ताकत है। अब वे 19 मार्च के आसपास अपनी बिजनेस मीटिंग प्लान कर रहे हैं, ताकि वे मीटिंग में शामिल हो सकें और 'धुरंधर 2' देख सकें।

इसकी वजह यह है कि यह दुबई में नहीं रिलीज हो रही है। मैं मानता हूं कि उनके लिए, इसे IPTV पर देखना आसान होगा। वे ऐसा कर सकते हैं। हालांकि वे 'धुरंधर' जैसी फिल्म को लोगों से भरे थिएटर में देखने का अनुभव करना चाहते हैं।'

क्या है 'धुरंधर' की कहानी?

'धुरंधर' एक स्पाई एक्शन थ्रिलर है। इसमें रणवीर सिंह भारतीय जासूस हमजा के रोल में हैं। वह भारत को टारगेट कर रहे एक टेरर नेटवर्क को खत्म करने के मिशन पर पाकिस्तान के क्रिमिनल सिंडिकेट में घुसपैठ करते हैं।

फिल्म में अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त भी अहम रोल में हैं। फिल्म को क्रिटिक्स से मिले-जुले से लेकर पॉजिटिव रिव्यू मिले।

क्या हो सकती है 'धुरंधर 2' की स्टोरी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धुरंधर 2' में हमजा की बैकस्टोरी दिखाई जा सकती है। यह भी दिखाया जा सकता है कि कैसे वह पाकिस्तान में पावर और पॉलिटिकल गेम्स में आगे बढ़ते हुए अपना मिशन पूरा करते हैं। सीक्वल में माधवन, रणवीर, अर्जुन और संजय अपने रोल में दिखेंगे। इसमें सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी अहम रोल में होंगे। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मॉडलिंग से शुरू किया करियर, साउथ में 'पुष्पा' तो हिंदी में दी 'एनिमल' जैसी हिट

साउथ और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आज अभिनेता विजय देवरकोंडा से शादी होने वाली है। खबरों के मुताबिक दोनों एक दूसरे को लगभग 8 वर्षों से डेट कर रहे हैं। बताया जाता है कि दोनों का रिश्ता फिल्म 'गीता गोविंदम' (2018) से शुरू हुआ। हालांकि रश्मिका ने 22 फरवरी 2018 को एक पोस्ट के जरिए अपनी शादी की खबरों की पुष्टि की। रश्मिका की शादी से पहले आइए उनके करियर पर एक नजर डालते हैं।

मॉडलिंग से की करियर की शुरुआत

सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक रश्मिका मंदाना का जन्म 6 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के कोडगु जिले में हुआ। रश्मिका के पिता एक कॉफी शॉप चलाते थे। रश्मिका के मुताबिक उनका जीवन संघर्ष में बीता। उनके लिए खिलौने खरीदने के लिए उनके मां-बाप के पास पैसे नहीं थे। रश्मिका ने पत्रकारिता, मनोविज्ञान और अंग्रेजी में शिक्षा हासिल की। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग में अपना करियर शुरू किया।

एक्टिंग के लिए प्रोफेसर ने मनाया

रश्मिका के मुताबिक शुरूआत में उनका एक्टिंग में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं था। हालांकि उनके कॉलेज के प्रोफेसर ने उन्हें ऑडिशन देने के लिए मना लिया। अपनी पहली फिल्म साइन करने के बाद, उन्होंने अपने माता-पिता को बताया। उनके माता-पिता पहले तो एक्टिंग में उनके करियर को लेकर हिचकिचा रहे थे, बाद में वह मान गए।

साउथ की फिल्मों में की बेहतरीन अदाकारी

साल 2015 में एक सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने के बाद, ऋषभ शेट्टी ने रश्मिका मंदाना को कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' (2016) में डेब्यू करने का प्रस्ताव दिया। इसमें उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का रोल किया, जो इंजीनियर बनने का सपना देखती है। फिल्म में बेहतरीन अदाकारी के लिए उन्हें (SIIMA) अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म गीता गोविंदम, डियर कॉमरेड, कन्नड़ फिल्म चमक और तेलुगु फिल मपुष्पा जैसी फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की।

बॉलीवुड फिल्मों में रश्मिका

साल 2022 तक रश्मिका मंदाना साउथ में काफी मशहूर हो चुकी थीं। उन्हें साल 2022 में बॉलीवुड फिल्म 'गुडबाय' में काम करने का मौका मिला। यह फिल्म फ्लॉप रही। साल 2023 में वह रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल' में नजर आईं। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसी फिल्म से उन्हें बॉलीवुड में पहचान मिली। इसके बाद वह 'छावा' (2025) में नजर आईं। यह फिल्म भी काफी कामयाब रही। वह 'सिकंदर' और 'थामा' में भी नजर आईं, हालांकि ये फिल्में अच्छा नहीं कर पाईं। जल्द ही वह 'कॉकटेल 2' का हिस्सा होंगी।

प्रियंका चोपड़ा ने शेयर कीं अपनी फिल्म 'द ब्लफ' की तस्वीरें, खास लुक में आयीं नजर

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। उनके जितने फैंस इंडिया में हैं उतने ही विदेशों में भी हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'द ब्लफ' की फोटोज वो कई दिनों से शेयर कर रहीं है। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म के बीटीएस मूमेंट भी शेयर किए हैं।

फिल्म के अलग-अलग सीन किए शेयर

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म के बीटीएस मूमेंट्स की कई तस्वीरों साझा की। एक फोटो में जहां उनका टचअप हो रहा है। वहीं दूसरे में वही सीन के लिए तैयार खेतों में नजर आ रही हैं। हर फोटो में वह काफी अलग- अलग नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीरों में वह अपने को-स्टार के साथ दिखाई दीं। प्रियंका के गले में फूलों की माला भी दिखाई दी। वहीं कई फोटोज में निर्देशक उन्हें रोल और सीन समझाते नजर आए।

साथ लिखा फनी कैप्शन

इन तस्वीरों से फैंस को यह भी पता लगता है कि फिल्म समुद्री डाकुओं पर बनी है। प्रियंका ने अपनी इस पोस्ट को एक फनी अंदाज में कैप्शन दिया। उन्होंने लिखा समुद्री डाकुओं को सबसे कम पसंद आने वाला व्यायाम कौन सा है? तख्ते पर चलना। इसके पहले भी प्रियंका ने कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं जिनमें वह एक्शन मोड में नजर आ रही थी। फिल्म से जुड़ी फोटो में वह खून से लथपथ भी दिखाई गई थीं।

'द ब्लफ' हो चुकी है रिलीज

प्रियंका के साथ फिल्म 'द ब्लफ' 26 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन, वेदांतेन नायडू भी भूमिका निभा रहे हैं। हर भाषा के दर्शकों के लिए यह फिल्म अंग्रेजी,तमिल, तेलुगु, कन्नड़ व मलयालम में भी डब की जाएगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रास्ते में रोका काफिला

लोगों से मिलने गाड़ी से उतरीं, बच्चों को बांटी चॉकलेट, सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रही

जमशेदपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जमशेदपुर दौरे के दौरान बारीडीह में एक विशेष दृश्य देखने को मिला। मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति ने अपना काफिला रुकवाया और लोगों से मिलने के लिए गाड़ी से उतरकर पैदल चलीं।

कॉलेज कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब राष्ट्रपति का काफिला बाहर निकला, तो सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग खड़े थे। उन्हें देखकर राष्ट्रपति ने अपना वाहन रुकवाया। इसके बाद वह स्वयं गाड़ी से उतरकर करीब 150 कदम तक पैदल चलीं और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। भीड़ में मौजूद लोगों ने तिरंगा लहराते हुए "भारत माता की जय" के नारे लगाएं।

राष्ट्रपति के आम लोगों के बीच आने से सभी उत्साहित दिखे।

राष्ट्रपति ने बच्चों से मुलाकात की और उन्हें चॉकलेट भी बांटी। एक बच्ची ने बताया कि राष्ट्रपति ने उसे अपने हाथों से चॉकलेट दी। स्थानीय महिला परविंदर ने कहा कि वह कई घंटों से राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए खड़ी थीं। राष्ट्रपति के आम लोगों के बीच आने से सभी उत्साहित दिखे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उनकी बेटी को चॉकलेट देने के साथ आशीर्वाद भी दिया।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रही और कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। लोगों ने राष्ट्रपति को बेहद करीब से देखा और उनका अभिवादन किया। इससे पहले, राष्ट्रपति ने कदमा स्थित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र में भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न किया था।

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रपति ने विभिन्न सत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ फोटो सेशन किया और मेधावी विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इस कार्यक्रम को "परिचय सम्मेलन" नाम दिया गया।

राष्ट्रपति ने कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कॉलेज प्रबंधन ने जानकारी दी कि परिसर में "द्रौपदी मुर्मू स्पोर्ट्स एंड फूड कैंपस" विकसित करने की दीर्घकालिक योजना पर कार्य किया जाएगा।

महिला के गले से चेन स्नैचिंग

बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

गिरिडीह, 26 फरवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह शहर में बुधवार रात चेन स्नैचिंग की एक घटना सामने आई है। नगर थाना क्षेत्र के मकतपुर बंगाली स्कूल के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। पीड़ित महिला की पहचान मनीषा कपिसवे के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह वारदात पास के दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। मनीषा कपिसवे बाजार से टोटो पर सवार होकर घर लौट रही थीं। मकतपुर बंगाली स्कूल के पास टोटो से उतरकर वह चालक को किराया देने लगीं। इसी बीच पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से सोने की चेन झपट ली। अचानक हुई इस वारदात से महिला घबरा गईं। उन्होंने शोर मचाते हुए बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन आरोपी तेज रफ्तार बाइक से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।

पटना मेट्रो खुदाई से दरक रही हैं दीवारें

विधानसभा में गूंजा मुद्दा, डिप्टी सीएम ने दिलाया जांच का भरोसा

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को आश्वस्त किया कि पटना मेट्रो परियोजना के तहत अशोक राजपथ पर सुरंग निर्माण कार्य के दौरान कई इमारतों में आई दरारों की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराई जाएगी। अशोक राजपथ क्षेत्र में कई संरचनाओं में दरारें देखी गई हैं, जिनमें पटना विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित 'व्हीलर सीनेट हाउस' इमारत भी शामिल है। प्रवेश द्वार पर डोरिक स्तंभों के लिए प्रसिद्ध इस भवन का उद्घाटन 20 मार्च 1926 को तत्कालीन बिहार एवं उड़ीसा प्रांत के गवर्नर और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सर हेनरी व्हीलर ने किया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'जयप्रकाश नारायण अनुसंध भवन' कर दिया गया।

नगर विकास एवं आवास विभाग का प्रभार संभाल रहे सिन्हा ने कहा कि 18 फरवरी को मेट्रो सुरंग निर्माण कार्य में लगी कंपनियों के प्रतिनिधियों, दिल्ली

मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया था। उन्होंने प्रश्न के उत्तर में कहा कि निरीक्षण में पाया गया कि दरारों की चौड़ाई में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। यह सही है कि क्षेत्र की कुछ इमारतों में दरारें आई हैं। विभाग उनकी एक बार फिर से जांच कराएगा।

मंत्री ने सदन को बताया कि अशोक राजपथ पर 'बिहार यंग मेन्स इंस्टिट्यूट' से पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पीएमसीएच) तक सुरंग का निर्माण 'पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड' कर रहा है और यह कार्य मई-जून 2025 में शुरू हुआ।

मंत्री ने क्या दिया आश्वासन?

उन्होंने कहा कि सुरंग निर्माण के दौरान संरचनाओं की स्थिति पर निगरानी के लिए 'क्रैक मीटर' और 'बिल्डिंग सेटलमेंट मार्कर' लगाए गए हैं। सिन्हा ने कहा कि दरारों की चौड़ाई में किसी भी परिवर्तन पर नजर रखने के लिए क्रैक मीटर का उपयोग किया जा रहा है। यह मुद्दा प्रश्नकाल के दौरान पटना साहिब से भाजपा विधायक रत्नेश कुमार ने उठाया था। उन्होंने अशोक राजपथ पर जारी मेट्रो सुरंग निर्माण कार्य से कई इमारतों, विशेषकर धरोहर भवनों, को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अशोक राजपथ पर मेट्रो रेल सुरंग निर्माण के चलते कई इमारतों, जिनमें विरासत संपत्तियां भी शामिल हैं, में दरारें आ गई हैं।'व्हीलर सीनेट हाउस' में सीनेट की बैठकें और दीक्षांत समारोह जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं, जिनमें लॉर्ड माउंटबेटन, सरोजिनी नायडू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी हस्तियां शामिल हुई थीं।

ब्रज में छाई फगुआ की खुमारी: सखी बन नंदगांव पहुंचे बरसाना के हुरियारे

बरसाना की लट्ठमार होली

मथुरा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रज की होली का रंग अब गहराने लगा है। परंपराओं की अनूठी कड़ी में गुरुवार को लाड़ली जी की नगरी बरसाना के हुरियारे 'सखी' का स्वरूप धारण कर कान्हा के गांव नंदगांव पहुंचे। मौका था सदियों पुरानी उस परंपरा का, जिसे 'फगुआ' (उपहार) मांगना कहा जाता है। जैसे ही बरसाना के इन मेहमानों ने नंदगांव की सीमा में प्रवेश किया, पूरा माहौल 'राधे-राधे' और 'श्यामा-श्याम' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

नंदगांव में अद्भुत नजारा

मथुरा के नंदगांव में आज एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। बरसाना से आए हुरियारे आम पुरुष नहीं, बल्कि राधा रानी की सखियों के भाव में डूबे थे।

ब्रज की इस प्राचीन संस्कृति के अनुसार, ये हुरियारे नंदभवन में फगुआ लेने पहुंचते हैं। नंदगांव की हुरियारिनों ने भी कृष्ण स्वरूप धारण कर इन सखियों का जोरदार स्वागत किया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यह प्रेम भरी छेड़छाड़ द्वापर युग की याद दिलाती है।

ऐतिहासिक नंद चौक और रंगीली चौक पर जब समाज गायन शुरू हुआ, तो हर कोई भक्ति के सागर में गोते लगाने लगा।

ढोल-नगाड़ों की थाप पर 'रसिया' गायन के बीच चहुंओर गुलाल उड़ने लगा। हुरियारों और हुरियारिनों के बीच लट्ठमार होली की प्रतीकात्मक छेड़छाड़ ने पर्यटकों का मन मोह लिया।

इस दौरान हंसी-ठिठोली और प्रेम का ऐसा संगम दिखा कि देशी-विदेशी श्रद्धालु भी झूमने पर मजबूर हो गए।

ब्रज की यह होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि प्रेम और समर्पण की पराकाष्ठा है। स्थानीय जानकारों का कहना है कि फगुआ मांगने की यह परंपरा ब्रज की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उदाहरण है। यहां न कोई छोटा है न बड़ा, सब राधा-कृष्ण के प्रेम रंग में रंगे हैं।

देर शाम तक चले इस उत्सव के बाद बरसाना के हुरियारे उपहार लेकर विदा हुए, जिससे ब्रज की होली के अगले पड़ाव का रास्ता साफ हो गया।

रायपुर के ब्यूटी-पार्लर में स्पा की चाहत में चली गोली

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित कटोरा तालाब इलाके में एक ब्यूटी पार्लर एंड स्पा में हवाई फायरिंग हुई है। घटना 25 फरवरी 2026 की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। दो युवक दुकान बंद होने के बाद स्पा करवाने की जिद करने लगे। जब स्पा सेंटर की मालकिन ने मना किया तो उन्होंने विवाद कर हवाई फायरिंग कर दी।

महिला संचालिका ने बताया कि दुकान बंद हो चुकी थी और स्टाफ घर जा चुका था। इसी दौरान दो युवक पहुंचे और स्पा कराने की मांग करने लगे। दोनों ने शराब के नशे में बहस शुरू कर दी। आरोप है कि इनमें से एक युवक ने अपने पास रखी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायर कर दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना संचालिका ने अगले दिन दोपहर में सिविल लाइन में दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब दो घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

दवा नहीं मिलने से हुई आदिवासी नेता की मौत

भूपेश बघेल का आरोप, गृहमंत्री बोले- 1 साल में 66 कैदियों की मृत्यु

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। सरकार ने बताया कि पिछले 13 महीनों में राज्य की केंद्रीय जेलों में 66 कैदियों की हिरासत के दौरान मौत हुई है। इसके बाद कांग्रेस ने न्यायिक हिरासत में एक आदिवासी नेता की मौत की सदन की समिति से जांच की मांग की और हंगामा मचाया।

प्रश्नकाल में यह मुद्दा उठाते हुए, कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य की केंद्रीय और जिला जेलों में जनवरी 2025 से 31 जनवरी, 2026 के बीच हुई हिरासत के दौरान मौत की जानकारी मांगी। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या ऐसे सभी मामलों में न्यायिक जांच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के दिशा निर्देश के अनुसार पूरी हो गई है। सवाल का जवाब देते उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा ने

कहा कि उस दौरान राज्य भर की केंद्रीय और जिला जेलों में 66 कैदियों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि इनमें से 18 मामलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट जांच पूरी हो चुकी है, जबकि एनएचआरसी के दिशानिर्देश के मुताबिक 48 मामलों में जांच अब भी जारी है।

भूपेश बघेल ने आदिवासी नेता जीवन ठाकुर का मामला उठाया, जिनकी चार दिसंबर, 2025 को जेल में मौत हो गई थी, और मामले की जानकारी मांगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ठाकुर को शुरू में कांकेर जेल में रखा गया था और बाद में अदालत के आदेश के बाद रायपुर जेल में भेजा गया था। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद, उन्हें जिला अस्पताल और बाद में रायपुर के सरकारी डॉ बीआर अंबेडकर मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। विजय शर्मा ने कहा कि नियम के मुताबिक, जेल अधीक्षक ने जिला जज को जानकारी दी और फिर जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई। भूपेश बघेल ने दावा किया कि ठाकुर कोई आम इंसान नहीं थे, बल्कि एक आदिवासी नेता और आदिवासी समाज के पदाधिकारी थे, जिन्हें झूठे केस में फंसाया गया था। उन्होंने दावा किया कि डायबिटीज के मरीज जीवन ठाकुर को जेल में समय पर दवा नहीं मिली और जेल अधीक्षक के खिलाफ डॉक्टरों की सलाह के बावजूद मुलाकात और मेडिकल मदद देने से मना करने की शिकायतें थीं।

बघेल ने कहा कि आदिवासी समुदाय के सदस्यों ने जांच की मांग को लेकर पूरे बस्तर में विरोध प्रदर्शन और सड़क बंद किए थे। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से पूछा कि क्या कार्रवाई की गई है। बघेल ने कहा कि विपक्ष मजिस्ट्रेट जांच से संतुष्ट नहीं है और उन्होंने मांग की कि मामले की जांच विधानसभा की एक कमेटी से कराई जाए।

होली से पहले शराब तस्करी का भंडाफोड़

23 लाख की 471 पेटी अवैध शराब जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार

बलिया, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बलिया में होली से पहले एसटीएफ और बैरिया थाना पुलिस की जॉइंट (संयुक्त) टीम ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने भवन टोला से दो पिकअप वाहनों से कई ब्रांडों की शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार, होली त्योहार में शराब तस्कर पकड़ी गई शराब की खेप को बिहार ले जाकर ऊंची कीमत पर बेचने के फिराक में थे। पुलिस ने कुल 471 पेटी अवैध शराब बरामद की है। इस शराब की अनुमानित कीमत करीब 23 लाख बताई गई है। पुलिस ने मामले में 3 तस्करों को पकड़ा है।

दरअसल, गुरुवार को पुलिस को शराब तस्करी से जुड़ी सटीक सूचना मुखबिर से सूचना मिली थी। पुलिस को मुखबिर ने बताया था तस्कर कि जयप्रकाश नगर के

भवन टोला बंधे के रास्ते पिकअप वाहनों में भरकर शराब नदी किनारे ले जाएंगे। वहां से नाव के जरिए इन शराब को बिहार ले जाया जाएगा। इस सूचना पर उप निरीक्षक फैजुद्दीन सिद्दिकी (एसटीएफ) और प्रभारी निरीक्षक बैरिया राजेंद्र प्रसाद सिंह संयुक्त रूप से शराब तस्करों को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। टीम भवन टोला बंधे से कुछ पहले ही रुक गई। पुलिस टीम पिकअप वाहनों का इंतजार करने लगी।

पुलिस को कुछ समय इंतजार करने के बाद मुखबिर से मिली सूचना वाले रास्ते पर दो पिकअप वाहन आते दिखाई दिए। थोड़े समय बाद दोनों पिकअप भवन टोला बंधे से नदी की ओर जाने लगे। पुलिस ने इसके बाद पिकअप वाहनों का पीछा करना शुरू किया। कुछ समय के बाद पिकअप चालकों ने वाहन रोक दिया। उन्हें यह समझ में आ गया था कि अब वह गाड़ी लेकर आगे भाग नहीं पाएंगे। ऐसे में पिकअप सवार उतरकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने दौड़ा कर उन्हें पकड़ लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान धर्मजीत भारती (पुत्र सुरेंद्र राम, निवासी हुसैनाबाद बांसडीह), करन कुमार शाह (पुत्र राम बहादुर शाह, निवासी बैरिया) और पिंटू प्रसाद (पुत्र स्व. ननकू प्रसाद, निवासी बहादुरपुर कोतवाली बलिया) के तौर पर पुलिस ने की है।

रायपुर तहसील ऑफिस में वकीलों का हंगामा

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित तहसील दफ्तर में नकल कॉपी को लेकर वकीलों ने जमकर हंगामा किया। वकील ने कर्मचारी से जाति पूछी और गाली-गलौज करते हुए धक्का दिया। 2 कर्मचारियों पर दस्तावेज के बदले पैसे मांगने का आरोप लगा है। जिसके बाद यह विवाद हुआ। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि, तहसील कोर्ट से दस्तावेज की प्रमाणित नकल समय पर नहीं मिलने से वकील नाराज थे।

कुछ वकीलों ने कार्यालय परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन भी किया। किस वकील ने हंगामा किया, ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। तहसीलदार राममूर्ति दीवान ने दोनों पक्षों से पूछताछ की बात कही है।

बिहार में जमीन विवाद, दाखिल खारिज और भूमि सर्वेक्षण की समीक्षा करेंगे प्रधान सचिव

रैयतों को क्या होगा फायदा

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के तत्वावधान में 28 फरवरी को मुंगेर जिले में राजस्व प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर विभाग के अपर सचिव आजीव वत्सराज ने समाहर्ता, मुंगेर को पत्र जारी कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है कि यह कार्यक्रम 28 फरवरी को पूर्वाह्न 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रेक्षा गृह सभागार, मुंगेर में आयोजित होगा। कार्यक्रम दो पालियों में संपन्न होगा। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल करेंगे।

इस अवसर पर मुंगेर जिले के बन्दोबस्त पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, राजस्व अधिकारी तथा राजस्व कर्मचारी/अमीन के साथ राजस्व से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक के लिए विस्तृत एजेंडा निर्धारित किया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से परिमार्जन प्लस की प्रगति, दाखिल-खारिज/नामांतरण वादों की स्थिति, भूमि विवादों का निष्पादन, सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, डीसीएलआर न्यायालयों में लंबित वाद, भूमि मापी की प्रगति, राजस्व न्यायालय प्रबंधन प्रणाली की स्थिति और राज्य में चल रहे भूमि सर्वेक्षण की अद्यतन स्थिति पर फोकस होगा। ध्यान रहे कि बिहार में सरकार जमीन विवाद के मामलों को निपटाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके लिए पूरे बिहार भर में विशेष अभियान समय- समय पर जारी रहता है। इस बार विभाग ने मुंगेर अनुमंडल को चुना है। जहां लोगों और रैयतों के मामलों को निपटाया जाएगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु मानक एसओपी के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित की जाएं।

समर्पण की तैयारी कर रहे नक्सली एरिया कमांडर की हत्या

साथियों ने जंगल में दफनाया शव, अब परिजन खुद निकालेंगे लाश, 22 लाख का था इनामी

जगदलपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल जिले से माओवादी संगठन में अंदरूनी हिंसा का मामला सामने आया है। दरिंगबाड़ी थाना क्षेत्र के पाकरी रिजर्व फॉरेस्ट में केकेबीएन ग्रुप के एरिया पार्टी कमांडर अन्वेष (22 लाख इनामी) की उसके ही साथियों ने हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, अन्वेष समर्पण की तैयारी में था। इसी शक में उसे मारकर जंगल में दफना दिया गया।

जानकारी के अनुसार, अन्वेष अपने करीब 12 साथियों के साथ सरकार की समर्पण नीति के तहत मुख्यधारा में लौटना चाहता था।

यह बात संगठन के भीतर पहुंच गई। इसके बाद मोस्ट वांटेड नक्सली सुकुरु और अन्य साथियों ने उसे समझाने के बजाय रास्ते से हटाने का फैसला किया। दोनों पक्षों में विवाद हुआ और अन्वेष की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को पाकरी रिजर्व फॉरेस्ट में गुपचुप तरीके से दफना दिया गया, जिससे संगठन के भीतर कोई और समर्पण की कोशिश न करे। मामले की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। बालिगुड़ा एसडीपीओ शुभम भोसले के नेतृत्व में टीम ने जंगल में सर्चिंग कर शव बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक, अन्वेष पर ओडिशा सरकार ने 22 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। अधिकारी मानते हैं कि अगर वह जिंदा समर्पण करता तो पुनर्वास नीति के तहत उसे नई शुरुआत का मौका मिल सकता था। परिजनों ने शव को अपने गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करने की इच्छा जताई।

चार ट्रक जल कर राख

दो गाड़ियों में भयानक टक्कर के बाद बड़ा हादसा

दुमका, 26 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के दुमका में बुधवार की देर रात एक सड़क हादसे में चार ट्रक जल कर खाक हो गए। ये हादसा तब हुआ जब ज्वलनशील पदार्थ ले जा रही एक गाड़ी को दूसरी गाड़ी ने तेज टक्कर मारी। इसके बाद उसमें रखे लाइटर बाहर गिर गए और उनमें आग लग गई। बताया जा रहा कि हादसा रात में हुआ जब दुमका में ज्वलनशील पदार्थों से भरी एक गाड़ी को पीछे से दूसरी गाड़ी ने ठोक दिया। इसी के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में चार ट्रक जलकर खाक हो गए। दुमका के एसडीओ कौशल कुमार ने बताया कि इस घटना में हताहत हुए हैं, लेकिन हताहतों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है।

सीएम योगी ने 501 किलोमीटर की रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन में किया सफर

हाई स्पीड से भविष्य पर चर्चा

लखनऊ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान हाई स्पीड बुलेट ट्रेन की यात्रा का अनुभव लिया है। इस दौरान उन्होंने एक सेल्फी ली। इसमें ट्रेन की गति को स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है। इस यात्रा से संबंधित वीडियो को सीएम योगी ने अपने एक्स आईडी पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि आप देख सकते हैं, मैं 501 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफर कर रहा था। सीएम योगी ने अपने दौरे के आखिरी दिन यामानाशी में जापान की एडवांस्ड SCMAGLEV ट्रेन का अनुभव लिया।

सीएम योगी ने कहा कि यह एक नेक्स्ट-जेनरेशन हाई-स्पीड सिस्टम है, जो 500 किलोमीटर

प्रति घंटे तक की रफ्तार तक पहुंचता है। यह साफ, कुशल और सटीक मोबिलिटी के भविष्य को दिखाता है। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा रफ्तार पर भी राइड स्मूद और काफी स्थिर थी। यह इनोवेशन और लंबे समय तक चलने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहतरीन क्वालिटी के लिए जापान के कमिटमेंट को दिखाता है। उन्होंने कहा कि जब टेक्नोलॉजी इस रफ्तार से चलती है, तो भविष्य पहले से कहीं ज्यादा करीब लगता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान यामानाशी में मैग्लेव ट्रेन में सफर किया। इस दौरान ट्रेन की स्पीड 501 किलोमीटर प्रति घंटे की थी। हवा से बातें करती ट्रेन की रफ्तार देख योगी भी हैरान हुए। उन्होंने ट्रेन के स्पीड बोर्ड के साथ फोटो भी खिंचवाई। इसके बाद थम्स अप का साइन दिखाया। इस दौरान वे बार-बार ट्रेन की स्पीड देख रहे थे। यह वाकई चौंकाने वाली थी। मुख्यमंत्री ने करीब 100 किलोमीटर की दूरी ट्रेन से तय की।

मैग्लेव ट्रेन को आधुनिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम का भविष्य माना जा रहा है। चुंबकीय तकनीक के कारण ट्रेन और ट्रैक के बीच प्रत्यक्ष संपर्क नहीं होता है। इससे घर्षण लगभग शून्य हो जाता है। यही कारण है कि यह ट्रेन 500 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति हासिल करने में सक्षम है।

वॉट्सएप 1 मार्च से सिम कार्ड के बिना नहीं चलेगा

सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से मना किया; कंप्यूटर पर हर 6 घंटे में लॉगआउट होगा

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि 'सिम बाइंडिंग' के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत मोबाइल में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप, टेलीग्राम, सिग्नल, स्नैपचैट, शेयरचैट, जियोचैट, अराटाई और जोश जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉगआउट हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे साइबर धोखेबाजों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

सिम बाइंडिंग एक सुरक्षा कवच है। यह आपके मैसेजिंग एप को आपके फिजिकल सिम कार्ड के साथ 'लॉक' कर देता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि कोई भी हैकर या ठग आपके नंबर का इस्तेमाल किसी दूसरे डिवाइस पर बैठकर नहीं कर पाएगा।

जब आप किसी एप को सिम बाइंडिंग से जोड़ते हैं, तो वह एप तभी खुलेगा जब आपका रजिस्टर्ड सिम कार्ड उसी फोन के अंदर मौजूद होगा। यह नियम 1 मार्च 2026 से प्रभावी होगा।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि फिलहाल नियमों को मानने की समय-सीमा आगे बढ़ाने पर कोई विचार नहीं है।उन्होंने कहा कि ये नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किए गए हैं और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार कोई समझौता नहीं करेगी।

यूजर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका वॉट्सएप जिस नंबर पर है, वह सिम उसी फोन में लगा हो। अगर सिम कार्ड फोन से बाहर निकाला तो मैसेजिंग एप काम करना बंद कर सकता है।

इंडस्ट्री एसोसिएशन ने सरकार को चेतावनी दी है कि हर 6 घंटे में लॉगआउट करने का नियम प्रोफेशनल्स के लिए परेशानी भरा होगा। साथ ही उन यूजर्स को भी

दिक्कत होगी जो एक ही अकाउंट शेयर करते हैं। केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक कंपनियों को 120 दिन के भीतर इसको लेकर रिपोर्ट देनी होगी। नियमों का पालन न करने पर टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023, टेलीकॉम साइबर सिक्योरिटी रूल्स और दूसरे लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्टारलिंक की लॉन्चिंग

सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस 'स्टारलिंक' के बारे में सिंधिया ने बताया कि कंपनी ने अभी तक सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के सामने जरूरी डेमो पूरे नहीं किए हैं।कंपनी को यह दिखाना होगा कि वह भारतीय सीमाओं के बाहर इंटरनेट एक्सेस बंद कर सकती है। जरूरत पड़ने पर नेटवर्क पर कंट्रोल दे सकती है।

हाल ही में बीएसएनएल डायरेक्टर विवेक बंजल के प्रयागराज दौरे का एक सरकारी आदेश वायरल हुआ था। इसमें उनकी सेवा के लिए करीब 50 कर्मचारियों का इंतजाम करने को कहा गया था। सिंधिया ने कहा कि इस मामले में 'कारण बताओ' नोटिस जारी कर दिया गया है। 21वीं सदी के भारत में ऐसा आदेश जारी होना कतई मंजूर नहीं है।

हम इसे ऐसे ही नहीं जाने देंगे। विवादों के बीच मंत्री सिंधिया ने ये भी बताया कि सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल फिलहाल आर्थिक रूप से बेहतर कर रही है और कंपनी हेल्दी कैश फ्लो जेनरेट कर रही है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को 11 लाख करोड़ का फायदा, बिटकॉइन से पाई नेटवर्क तक ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गुरुवार को भी तेजी रही। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो का मार्केट 5 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 2.36 ट्रिलियन डॉलर हो गया। कल बुधवार को सुबह 11:30 बजे क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 2.34 लाख करोड़ रुपये था। ऐसे में 24 घंटे में निवेशकों को 0.12 ट्रिलियन डॉलर (करीब 11 लाख करोड़ रुपये) का फायदा हुआ। गुरुवार को बिटकॉइन, इथेरियम और पाई नेटवर्क समेत सभी क्रिप्टो में तेजी रही। यही नहीं, फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स भी बढ़कर 16 पर पहुंच गया। बिटकॉइन में पिछले 24 घंटे में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। सुबह 11:30 बजे बिटकॉइन करीब 68 हजार रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं इथेरियम में भी 9 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। यह 2069 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा रिपल में 6 फीसदी से

ज्यादा, बाइनेंस में करीब 6 फीसदी, सोलाना में 7 फीसदी से ज्यादा और कार्डानो में 11 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया।

24 घंटे में 10% से ज्यादा रिटर्न

लगभग सभी प्रमुख क्रिप्टो पिछले 24 घंटे में हरे निशान पर कारोबार कर रही हैं। यानी इन्होंने निवेशकों को मुनाफा दिया है। कई क्रिप्टोकरेंसी ने 24 घंटे में 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें प्रमुख रूप से कार्डानो, चैनलिंक, एवलांच, यूनिस्वैप, फाइनकॉइन आदि प्रमुख हैं। पोल्काडॉट क्रिप्टो ने तो 24 घंटे में 20 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। पोल्काडॉट का रिटर्न करीब 25 फीसदी है।

पाई नेटवर्क की कीमत बढ़ी

क्रिप्टो मार्केट में तेजी से पाई नेटवर्क कॉइन भी बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में इसमें 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इस तेजी के साथ इसकी कीमत 0.1690 डॉलर हो गई है। हालांकि पिछले एक हफ्ते के रिटर्न में इसमें गिरावट बनी हुई है। एक हफ्ते में यह क्रिप्टो करीब 10 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। पाई नेटवर्क पिछले साल उस समय चर्चाओं में आया था जब इसकी कीमत अचानक से बढ़ गई थी। उस समय इसे भविष्य की बिटकॉइन कहा जाने लगा था। डिस्क्लेमरः क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है।

ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है। कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में इसमें निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

पेट्रोल-डीजल विदेश से लाने के लिए भारत खरीदेगा खुद के जहाज, बचेंगे 6 लाख करोड़ रुपये!

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारत हर साल कच्चे तेल और ईंधन की ढुलाई के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर रहता है। इस रसद पर सालाना करीब 6 लाख करोड़ रुपये का भारी खर्च होता है। अब प्रमुख तेल कंपनियां इस खर्च को कम करने जा रही हैं। यह देश का पैसा बचाने की एक बड़ी पहल है। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एक खास जॉइंट वेंचर बनाने का बड़ा फैसला किया है। इस प्रस्तावित नई कंपनी में तीनों सरकारी तेल कंपनियों की कुल 35 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। वहीं, शिपिंग कॉर्पोरेशन इस नई कंपनी में 50 प्रतिशत के साथ प्रमुख भागीदार की भूमिका निभाएगा। बाकी बची 15 प्रतिशत हिस्सेदारी मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड के पास रहेगी। एमडीएफ सरकार की एक विशेष पहल है, जिसे समुद्री क्षेत्र में वित्तीय मदद देने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेशी जहाजों पर निर्भरता को खत्म करना और मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना है। इस प्रस्तावित नई कंपनी में तीनों सरकारी तेल कंपनियों की कुल 35 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

वहीं, शिपिंग कॉर्पोरेशन इस नई कंपनी में 50 प्रतिशत के साथ प्रमुख भागीदार की भूमिका निभाएगा। बाकी बची 15 प्रतिशत हिस्सेदारी मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड के पास रहेगी। एमडीएफ सरकार की एक विशेष पहल है, जिसे समुद्री क्षेत्र में वित्तीय मदद देने के लिए 25,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेशी जहाजों पर निर्भरता को खत्म करना और मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखना है।

15,000 करोड़ का निवेश, 59 नए जहाज

शिपिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन बीके त्यागी के अनुसार, इस जॉइंट वेंचर की तकनीकी शर्तों पर तेजी से काम चल रहा है। इस महायोजना के तहत 59 जहाज खरीदे जाएंगे।इनमें बड़े क्रूड कैरियर, गैस कैरियर और ऑफशोर जहाज शामिल होंगे। इस पूरी खरीद प्रक्रिया में लगभग 15,000 से 17,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश होने का अनुमान है। इस नई साझेदारी में सभी भागीदार कंपनियों की भूमिकाएं बिल्कुल स्पष्ट हैं। शिपिंग कॉर्पोरेशन अपनी तकनीकी, परिचालन और नियामक विशेषज्ञता इस वेंचर को प्रदान करेगा। दूसरी ओर, तेल कंपनियां दीर्घकालिक अनुबंधों के जरिए माल ढुलाई की पक्की गारंटी देंगी। इन जहाजों के प्रबंधन का पूरा जिम्मा शिपिंग कॉर्पोरेशन संभालेगा, जिसके लिए उसे एक निश्चित प्रबंधन शुल्क मिलेगा।अधिकारियों के मुताबिक, इस कदम से विदेशी झंडे वाले जहाजों को किराए पर लेने का चलन काफी हद तक घटेगा। इससे न केवल विदेशी मुद्रा बाहर जाने से रुकेगी, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी अभूतपूर्व रूप से मजबूत होगी।

ढुलाई लागत के घरेलू नियंत्रण से ऊर्जा आपूर्ति का तंत्र भविष्य में अधिक स्थिर और सुरक्षित बन सकेगा।

अनिल अंबानी पर बीओबी से धोखाधड़ी का नया केस

सीबीआई ने 2,220 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया, घर और ऑफिस पर छापेमारी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ सीबीआई ने धोखाधड़ी का एक नया मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि अनिल अंबानी और उनकी कंपनी ने साल 2013 से 2017 के बीच बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ 2,220 करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी की है। बैंक की शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने गुरुवार को अनिल अंबानी के घर और रिलायंस कम्युनिकेशन के दफ्तरों पर छापेमारी की, जहां से लोन ट्रांजैक्शन से जुड़े कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

इससे पहले अनिल अंबानी आज एक अन्य मामले में ईडी के सामने पेश हुए थे। सीबीआई के अनुसार बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक से लोन लिया, लेकिन उस पैसे का इस्तेमाल तय काम के लिए करने के बजाय अपनी ही दूसरी कंपनियों (रिलेटेड पार्टीज) में फर्जी ट्रांजैक्शन दिखाकर डाइवर्ट कर दिया। जांच में सामने आया है कि इस हेरफेर की वजह से बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा हुआ है।

अधिकारियों के मुताबिक, अनिल अंबानी की कंपनी का यह खाता 2017 में ही एनपीए घोषित हो चुका था। हालांकि, अनिल अंबानी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद कोर्ट ने इस खाते को 'फ्रॉड' घोषित करने पर रोक लगा दी थी। यह स्टे 23 फरवरी 2026 को हटा लिया गया। स्टे हटते ही बैंक ऑफ बड़ौदा ने शिकायत दर्ज कराई और सीबीआई ने तुरंत एक्शन लेते हुए केस दर्ज कर लिया। बैंक का कहना है कि यह साफ तौर पर लोन की शर्तों का उल्लंघन है। रिलायंस इंफ्राटेल द्वारा जुटाए गए 1,783.65 करोड़ रुपए का इस्तेमाल भी आरसीओएम ने अपनी देनदारियां चुकाने या जुड़ी हुई कंपनियों को ट्रांसफर करने में किया। 5 जून 2017 को इस खाते को एनपीए घोषित किया गया था क्योंकि कंपनी लोन चुकाने में नाकाम रही थी।

पेप्सी और कोक के गढ़ में कैम्पा की सेंध

मुकेश अंबानी ने 22 करोड़ में कंपनी खरीद कैसे बदले समीकरण?

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। कैम्पा... सॉफ्ट ड्रिंक का एक ऐसा नाम जो आज आपको हर जगह सुनने को मिल जाएगा। 80 और 90 के दशक तक इस देसी कोल्ड ड्रिंक ने भारतीयों के दिल में खास जगह बनाए रखी। समय बदला और पेप्सी व कोक ने कैम्पा को खत्म कर दिया। समय ने फिर से करवट ली और साल 2022 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस कंपनी को 22 करोड़ रुपये में खरीद लिया। रिलायंस के नेतृत्व में आज कैम्पा ने विदेशी ब्रांड पेप्सी और कोक के गढ़ में सेंध लगा दी है। कैम्पा को 10 रुपये की कीमत में बाजार में लाया गया। यह कीमत प्रतिद्वंदी ब्रांड के मुकाबले आधी थी। पेप्सी और कोक ने शुरू में तो कैम्पा के इस प्राइस को बहुत सीरियस नहीं लिया, लेकिन अब यह कीमत इन दोनों कंपनियों पर भारी पड़ रही है। साथ ही कैम्पा के बिजनेस तरीके ने भी पेप्सी और कोक की नींद उड़ा दी है। स्थिति यह है कि आज दुकानों से लेकर घरों तक में पेप्सी और कोक के साथ लोग कैम्पा को भी तवज्जो दे रहे हैं।रिलायंस ने कैम्पा को साल 2023 में री-लॉन्च किया था। रिलायंस ने कैम्पा को मार्केट में पकड़ बनाने के लिए कई तरह के प्रयोग किए। ग्लोबल डेटा के मुताबिक आज भारत के कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक बाजार में

कैम्पा की हिस्सेदारी बढ़कर 7 फीसदी हो गई है, जबकि साल 2024 में यह 2 फीसदी थी। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्त वर्ष में कैम्पा का रेवेन्यू करीब 1000 करोड़ रुपये रहा। यह दोनों विदेशी ब्रांड के मुकाबले काफी कम है। लेकिन रिलायंस के कैम्पा के लिए सपने काफी बड़े हैं। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि रिलायंस का प्लान अगले तीन सालों में मार्केट में कैम्पा के शेयर को बढ़ाकर 25 फीसदी करना है।रिलायंस का प्लान कैम्पा को मार्केट में बड़ी पहुंच दिलाने का सफल भी हो सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण प्राइस वॉर है।

साल 2016 में रिलायंस जियो ने मोबाइल डेटा सस्ता दिया था। इस प्राइस वॉर में कई छोटे ऑपरेटर जैसे एयरसेल, आइडिया और टेलिनॉर मार्केट में टिक नहीं सके और खत्म हो गए। पेप्सी के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि रिलायंस अगले दो साल तक प्राइस वॉर को खेल सकती है। इससे पेप्सी और कोक की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

ईवाई रिपोर्ट का अनुमानः एफवाई 27 में 6.8-7.2% की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मध्यम अवधि के अनुमान सकारात्मक दिखाई दे रहे हैं। हालिया ईवाई इकोनॉमी वॉच रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। इसके साथ ही, रिपोर्ट में साफ किया गया है कि विकसित भारत 2047 के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को अपने टैक्स-जीडीपी अनुपात में वृद्धि करनी होगी, जो मुख्य रूप से कर अनुपालन में सुधार के जरिए ही संभव है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और बड़े आर्थिक समूहों के साथ भारत के व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के कारण मध्यम अवधि में देश की आर्थिक संभावनाएं काफी उज्ज्वल हुई हैं। इस संबंध में ईवाई इंडिया के चीफ पॉलिसी एडवाइजर डी.के. श्रीवास्तव ने कहा, अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ भारत के व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की पृष्ठभूमि में, भारत की मध्यम अवधि की संभावनाएं बेहतर हुई हैं। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रहेगी।चालू वित्त वर्ष में सरकार द्वारा किए गए प्रमुख टैक्स सुधारों का सीधा असर आम आदमी की जेब और देश की खपत पर पड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिकःवर्तमान वित्त वर्ष में प्रमुख कर सुधार लागू किए गए हैं, जो विशेष रूप से व्यक्तिगत आयकर और वस्तु व सेवा कर से संबंधित हैं। इन सुधारों का मुख्य लक्ष्य परिवारों की डिस्पोजेबल इनकम (खर्च योग्य आय) में वृद्धि करना था। आय बढ़ने से बाजार में निजी उपभोग की मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है।राजस्व में कमी के बावजूद राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण टैक्स दरों में किए गए इन सुधारों के कारण सरकार को अपने राजस्व में एक बड़े हिस्से का त्याग करना पड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, इन कर सुधारों में भारत सरकार के सकल कर राजस्व का काफी बलिदान शामिल था। इन छूटों के चलते यह आशंका भी जताई गई है कि सकल कर राजस्व वित्त वर्ष 2026 के बजट अनुमानों से कम रह सकता है। हालांकि, इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि सरकार अपने वित्तीय अनुशासन को बनाए रखेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्व में इस कमी की आशंका के बावजूद, भारत सरकार से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही है कि वह के लिए अपने तय राजकोषीय घाटे के लक्ष्य का सख्ती से पालन करेगी।

सोना-चांदी के दाम में तेजी:सोना 1.59 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, एक किलो चांदी की कीमत 2.66 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 26 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 35 रुपए बढ़कर 1,59,043 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,59,008 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 233 रुपए बढ़कर 2,65,650 रुपए पर पहुंच गई है। कल इसकी कीमत 2,65,417 रुपए किलो थी।

इस साल सोना 26,000 रुपए और चांदी 35,000 रुपए महंगी हुई

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 26,000 रुपए और

चांदी 35,000 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑल टाइम हाई भी बनाया था।

2025 में सोना 57 हजार महंगा हुआ

2025 में सोना 57 हजार (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76 हजार का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1.33 लाख रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86 हजार की थी, जो साल के आखिरी दिन 2.30 लाख प्रति किलो हो गई।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार; जानिए सेंसेक्स-निफ्टी का हाल

मुंबई,26 फरवरी (एजेंसियां)। उतार-चढ़ाव भरे सत्र में बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को सपाट बंद हुए। एचडीएफसी बैंक और अन्य ब्लू-चिप शेयरों में गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान वार्ता से पहले निवेशकों की सतर्कता ने भी बाजार में बाजार से दूरी बनाए रखी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 1 पैसा गिरकर 90.92 पर बंद हुआ। सीमित दायरे में कारोबार करते हुए, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक या 0.03 प्रतिशत गिरकर 82,248.61 पर बंद हुआ। दिन के दौरान, इसने 82,579.16 का उच्च और 81,970.47 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 608.69 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। वहीं एनएसई निफ्टी 14.05 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 25,496.55 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में, ट्रेंट, एटर्नल, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में शामिल थे। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, अदानी पोर्ट्स, मारुति और भारती एयरटेल लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा कि संयुक्त वैश्विक संकेतों और अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता से पहले बढ़ी सतर्कता के साथ-साथ अमेरिकी प्रारंभिक बेरोजगारी दावों और भारत के जीडीपी आंकड़ों सहित महत्वपूर्ण डेटा जारी होने के कारण घरेलू बाजार ने अपनी शुरुआती बढ़त खो दी, जिससे मुनाफावसूली शुरू हो गई। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार लगभग अपरिवर्तित बंद हुए, जो शुरुआती आशावाद और सतर्क मुनाफावसूली के बीच स्पष्ट खींचतान को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी और धातु क्षेत्रों से मिले सकारात्मक वैश्विक संकेतों ने बाजार के खुलने पर सकारात्मक माहौल को समर्थन दिया, लेकिन जैसे-जैसे निवेशकों ने तेजी का पीछा करने के बजाय उच्च स्तर पर अपना निवेश कम करना चुना, वैसे-वैसे लाभ धीरे-धीरे कम होता गया। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 3.67 प्रतिशत चढ़ गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक भी सकारात्मक स्तर पर बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में अधिकतर तेजी देखी गई।अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	04-50 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	मीन....	05-50 बजे
मंगल	कुंभ	मे	मेष.....	07-29 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-05 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	10-49 बजे
शुक्र	कुंभ	मे	कर्क...	12-49 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	15-02 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	17-14 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	19-21 बजे
			वृश्चिक..	21-26 बजे
			धनु.....	23-36 बजे
			मकर...	01-49 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-40
सूर्यास्त. 18 -17
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष शुक्रवार 27 February 2026
तिथि - एकादशी 22-33 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - आर्द्रा 10-48 तक उप पुनर्वसु
योग - आयुष्मान 19-43 तक उप. सौभाग्य
करण - वणिज 11-32 तक. विष्टी (भद्रा)

आमलकी एकादशी व्रत सर्वे खाटु श्याम मेला,भद्रा 11-32 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 11-01 से 12-29 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06-40 - 08-05	शुभ	रोग	18-17 - 19-53	अशुभ
लाभ	08-05 - 09-33	शुभ	काल	19-53 - 21-25	अशुभ
अमृत	09-35 - 11-01	शुभ	लाभ	21-25 - 22-57	शुभ
काल	11-01 - 12-29	अशुभ	उत्पात	22-57 - 00-29	अशुभ
शुभ	12-29 - 13-57	शुभ	शुभ	00-29 - 02-01	शुभ
रोग	13-57 - 15-25	अशुभ	अमृत	02-01 - 03-33	शुभ
उत्पात	15-25 - 16-53	अशुभ	चंचल	03-33 - 05-04	शुभ
चंचल	16-53 - 18-17	शुभ	रोग	05-04 - 06-40	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज का दिन गृहों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएं मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला, आर्थिक अपराध रोकने के लिए जोधपुर में बनेगा नया निदेशालय

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने आर्थिक अपराधों पर लगाम लगाने के लिए राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय किया है। इसका मुख्यालय जोधपुर में बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय किया गया है।

बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकारों को बताया कि आर्थिक अपराधों पर रोकथाम तथा वित्तीय अनुशासन के लिए राज्य राजस्व आसूचना निदेशालय को समाप्त कर राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय के गठन का निर्णय किया गया है।

प्रेमचंद बैरवा एवं जोगाराम पटेल ने बताया कि यह निदेशालय वाणिज्यिक कर, आबकारी, परिवहन, पंजीयन एवं मुद्रांक, खनिज सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं का विश्लेषण कर राजस्व लीकेज पर निगरानी रखेगा और कर चोरी को रोकेगा।

उन्होंने बताया कि इससे रियल एस्टेट में धोखाधड़ी, बैंक-बीमा-एनबीएफसी एवं शेयर बाजार से जुड़े वित्तीय अपराध, मल्टी लेवल मार्केटिंग ठगी, झूठा दिवालियापन, फर्जी प्लेसमेंट एजेंसी तथा फर्जी दस्तावेज के माध्यम से नौकरी या प्रवेश से संबंधित मामलों पर शीघ्र कार्रवाई हो सकेगी।

अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई होगी

उन्होंने बताया कि साथ ही, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा या विक्रय, स्टाम्प एवं पंजीयन अनियमितताएं, फर्जी कंपनियों का गठन, सहकारी समितियों में घोटाले जैसे आर्थिक अपराधों पर नियंत्रण स्थापित हो सकेगा और अपराधियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई होगी।

मंत्री हैं, आपके गुलाम नहीं, तमीज से बात करिए

विधानसभा में ऐसा क्या हुआ

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में पशु बीमा योजना को लेकर चर्चा के दौरान उस समय माहौल गरमा गया, जब नेता प्रतिपक्ष ने सरकार से लक्ष्य पूरा करने को लेकर तीखे सवाल उठाए और जवाब को लेकर जोरदार बहस शुरू हो गई। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री और सरकारी मुख्य सचेतक ने भी हस्तक्षेप किया, जिसके बाद कुछ देर के लिए हंगामे जैसी स्थिति बन गई।

पशु बीमा योजना से जुड़े प्रश्न पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक सवाल करते हुए कहा कि सरकार ने मार्च तक 42 लाख पशुओं के बीमा का लक्ष्य तय किया था, जबकि अब केवल एक महीना बचा है। उन्होंने पूछा कि इतने कम समय में लाखों पशुओं का बीमा कैसे किया जाएगा। जूली ने तेज आवाज में कहा कि सरकार स्पष्ट बताए कि लक्ष्य कैसे पूरा होगा, अन्यथा यह संभव नहीं दिखता।

इसी दौरान संसदीय कार्य मंत्री और मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग बीच में बोलने लगे। नेता प्रतिपक्ष के ऊंची आवाज में बोलने पर गर्ग ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सवाल पूछते समय मर्यादा और विनम्रता रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सदन है और मंत्री किसी के गुलाम नहीं हैं, इसलिए तमीज से बात करनी चाहिए। इस टिप्पणी के बाद सदन में शोर-शराबा बढ़ गया। स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने अगला प्रश्न लगा दिया।

मंत्री ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

इससे पहले पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत योजना को लेकर सरकार का पक्ष रख रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 2023-24 में मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना शुरू की थी, जिसमें दो दुधारू पशुओं का बीमा करने की घोषणा की गई थी। मंत्री के अनुसार उस समय महंगाई राहत शिविरों में करीब 1 करोड़ 10 लाख पशुपालकों से आवेदन लिए गए, लेकिन केवल 1764 पशुओं का बीमा हुआ और 23 क्लेम प्राप्त होने के बावजूद किसी को भुगतान नहीं किया गया।

कुमावत ने कहा कि वर्तमान सरकार के आने के बाद 7 लाख 33 हजार रुपए का भुगतान किया गया है और योजना को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार 42 लाख पशुओं का बीमा करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। सदन में इस मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहा, जिससे राजनीतिक माहौल गर्माता नजर आया।

मदन दिलावर का बड़ा ऐलान

अब किसी भी कीमत पर नहीं रहेगा 'कांग्रेसी बबूल'

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने तंज कसते हुए कहा कि विलायती बबूल को कांग्रेस लाई थी, इसलिए इसे 'कांग्रेसी बबूल' भी कहते हैं। इसका नाम 'जूली फ्लोरा' भी है। पंचायती राज विभाग किसी कीमत पर 'कांग्रेस बबूल' को राजस्थान की धरती पर नहीं रहने देगा।

भाजपा के लादूलाल पितलिया ने विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बुधवार को विलायती बबूल की समस्या का मामला उठाया। मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि विलायती बबूल रोज 30 लीटर पानी सोखता है, जिसके कारण से भू-जल स्तर नीचे जा रहा है। इसकी वजह से 500 वनस्पतियां विलुप्त हो गई हैं। यह बहुत ही खतरनाक और सबके लिए नुकसानदेह है।

प्रदेशभर की चरागाह जमीन पर हो गया कब्जा

मदन दिलावर ने कहाकि 1960 के दशक में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने हवाई जहाज व हेलीकॉप्टर से इसके बीज बरसाए थे, इस कारण सब जगह उग गए। प्रदेशभर की चरागाह जमीन पर इसका कब्जा हो गया।

3 सीटों पर होगा चुनाव, कांग्रेस में 1 सीट पर दो दावेदार

बीजेपी में राठौड़ और पूनिया की चर्चा

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान से जून में राज्यसभा की तीन सीटें खाली होने जा रही हैं, जिनमें एक सीट कांग्रेस और दो सीटें बीजेपी के खाते की हैं। इन सीटों को लेकर दोनों दलों में मंथन तेज हो गया है। खास तौर पर कांग्रेस की एक सीट को लेकर अंदरखाने हलचल ज्यादा बताई जा रही है, जहां दावेदारों की संख्या बढ़ गई है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दल जातीय, क्षेत्रीय और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों के नामों पर विचार कर रहे हैं।

राजस्थान से बीजेपी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू और राजेंद्र गहलोत तथा कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल जून 2026 में समाप्त हो रहा है। नीरज डांगी और राजेंद्र गहलोत जून 2020 में चुने गए थे और अब छह साल का कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। वहीं रवनीत सिंह बिट्टू अगस्त 2024 में राजस्थान से राज्यसभा पहुंचे थे, लेकिन सीट का कार्यकाल जून 2026 तक होने के कारण वे करीब दो साल ही सदस्य रह पाए।

कांग्रेस की सीट के लिए राष्ट्रीय स्तर के नेता पवन खेड़ा सक्रिय हो गए हैं और पार्टी में अपनी दावेदारी को लेकर लॉबिंग भी शुरू कर दी है। पवन खेड़ा का जन्म उदयपुर में हुआ था और वे इस आधार पर राजस्थान से अपना संबंध भी बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे मेवाड़ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व देने का तर्क भी पार्टी के सामने रख रहे हैं, जहां कांग्रेस अपेक्षाकृत कमजोर मानी जाती है। इससे पहले 2022 में राज्यसभा टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी भी जताई थी।

सूत्रों के अनुसार पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी का नाम भी गंभीरता से विचाराधीन है। जोशी लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहे हैं और संगठन व सरकार दोनों में बड़े पदों पर रह चुके हैं। मेवाड़ क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ को भी पार्टी एक अहम कारण मान रही है।

बीजेपी सूत्रों के अनुसार पार्टी अपनी एक सीट पर रवनीत सिंह बिट्टू को दोबारा भेजने की तैयारी में है। वे केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं और सिख राजनीति के लिहाज से पार्टी उन्हें अहम चेहरा मानती है। रवनीत सिंह बिट्टू मार्च 2024 में बीजेपी में शामिल हुए थे। लोकसभा चुनाव में हार के बाद उन्हें छह महीने के भीतर किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी था, जिसके चलते पार्टी ने उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा था।

दूसरी सीट पर राठौड़ और पूनिया के बीच चर्चा

बीजेपी की दूसरी सीट के लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के नाम चर्चा में बताए जा रहे हैं। राठौड़ लंबे समय तक विधायक और मंत्री रहे हैं, जबकि पूनिया संगठन और संघ पृष्ठभूमि में मजबूत माने जाते हैं। पार्टी के भीतर दोनों नेताओं के समर्थक अपने-अपने स्तर पर दावेदारी मजबूत करने में जुटे बताए जा रहे हैं। राज्यसभा चुनाव को लेकर आने वाले समय में राजनीतिक गतिविधियां और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

ग्रीनलैम लेमिनेट्स पर आईटी की रेड

8 गाड़ियों में पहुंची टीम; मचा हड़कंप

अलवर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के औद्योगिक गलियारे से गुरुवार सुबह एक ऐसी खबर आई, जिसने व्यापारिक जगत में सनसनी फैला दी है। देश की दिग्गज प्लाईवुड और लेमिनेट निर्माता कंपनी ग्रीनलैम लेमिनेट्स आयकर विभाग के निशाने पर आ गई है।

बता दें कि गुरुवार तड़के विभाग की संयुक्त टीमों ने कंपनी के बहरोड़ स्थित बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लांट पर अचानक छापेमारी शुरू कर दी, जो खबर लिखे जाने तक लगातार जारी है।

तड़के हुई 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कार्रवाई

आयकर विभाग की यह छापेमारी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। जानकारी के मुताबिक, कार्रवाई को इतना गोपनीय रखा गया था कि स्थानीय पुलिस और प्रशासन तक को इसकी कानों-कान खबर नहीं होने दी गई।

गुरुवार अलसुबह, जब औद्योगिक क्षेत्र रीको फेज-2 में काम की शुरुआत ही हुई थी, तभी अचानक 8 गाड़ियों का एक बड़ा काफिला कंपनी के मुख्य द्वार पर आकर रुका। इन गाड़ियों में दिल्ली और जयपुर के आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सवार थे।

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के हथियारबंद जवान भी तैनात थे, जिन्होंने पहुंचते ही पूरी फैक्ट्री के चारों ओर मोर्चा संभाल लिया।

कर्मचारियों के फोन जब्त

जैसे ही आयकर विभाग की टीम फैक्ट्री परिसर के भीतर दाखिल हुई, सबसे पहले वहां तैनात सुरक्षा गार्डों और मौजूद कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए। विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि छापेमारी की सूचना बाहर न जा सके और न ही कोई डिजिटल साक्ष्य नष्ट किया जा सके।

अचानक हुई इस रेड से फैक्ट्री के भीतर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुबह की शिफ्ट में काम पर आए मजदूरों और कर्मचारियों को समझ ही नहीं आया कि आखिर माजरा क्या है। टीम ने तुरंत कंपनी के 'एडमिन ब्लॉक' को अपने नियंत्रण में ले लिया, जहां से कंपनी का पूरा वित्तीय लेखा-जोखा संचालित होता है।

जांच के घेरे में 'टैक्स चोरी' और 'संदिग्ध लेनदेन'

सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग को पिछले काफी समय से ग्रीनलैम लेमिनेट्स द्वारा बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के इनपुट मिल रहे थे। वर्तमान में अधिकारी निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कंपनी के बही-खातों, निवेश से जुड़े कागजातों और बैंक ट्रांजेक्शन की बारीकी से जांच की जा रही है।

आईटी एक्सपर्ट्स की टीम कंपनी के मुख्य सर्वर, कंप्यूटर हार्ड डिस्क और क्लाउड डेटा को खंगाल रही है ताकि छिपे हुए वित्तीय विवरणों का पता लगाया जा सके।

पोकरण में वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास

पहली बार लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

जैसलमेर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार (27 फरवरी) को भारतीय वायुसेना का अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'वायुशक्ति-2026' आयोजित होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन की सबसे खास बात यह होगी कि देश की राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू पहली बार स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी इस शौर्य प्रदर्शन के साक्षी बनेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय (26 और 27 फरवरी) जैसलमेर दौरे पर हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 27 फरवरी को वे 'प्रचंड' हेलीकॉप्टर में सह-पायलट के तौर पर उड़ान भरकर सीमावर्ती एयरस्पेस का मुआयना करेंगी। यह उनके करियर में एक नया अध्याय होगा, क्योंकि इससे पहले वे सुखोई-30 एमकेआईऔर राफेल जैसे फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स में उड़ान भरकर अपनी धाक जमा चुकी हैं। दो अलग-अलग फाइटर जेट्स और अब लड़ाकू हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने वाली वे देश की पहली राष्ट्रपति बन जाएंगी। वायुसेना के एयर मार्शल नागेश कपूर के अनुसार, इस युद्धाभ्यास में लगभग 12 हजार किलो गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाएगा। अभ्यास की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें 77 फाइटर जेट्स जिनमें राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और स्वदेशी तेजस शामिल हैं। 43 हेलिकॉप्टर जिनमें अपाचे और प्रचंड अपनी मारक क्षमता दिखाएंगे। सी-130J सुपर हरक्यूलिस विमान 'गरुड़ कमांडो' को सीधे वॉर-जोन में उतारने का प्रदर्शन करेंगे।

बाड़मेर में जमीन से निकल रहा क्रूड ऑयल

अब तक 55 से ज्यादा टैंकर भर चुके

ब्लास्ट से मकान-स्कूल में आईं दरारें

बाड़मेर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में एक खेत में जमीन से क्रूड ऑयल निकल रहा है। पिछले 4 दिन से निकल रहे क्रूड ऑयल को एक गड्ढे में भरा जा रहा है, जिससे अब तक 55 से ज्यादा टैंकर भरे जा चुके हैं। जहां पर क्रूड ऑयल निकल रहा है, वहां से करीब 40 मीटर दूरी पर ऐश्वर्या वेलपैड (तेल का कुआं) है। अधिकारियों को इसकी पाइपलाइन में लीकेज का शक है, जिसे ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौके पर केयर्न वेदांता कंपनी के अफसर मौजूद है। लोगों का कहना है कि यहां 24 फरवरी को ब्लास्ट भी किया गया था, जिससे घरों और स्कूल में दरारें आ गई। मामला कवास गांव का है। विधानसभा में बाड़मेर विधायक प्रियंका चौधरी और बायतु विधायक हरीश चौधरी ने यह मुद्दा उठाया।

दरअसल, 23 फरवरी को दोपहर 12 बजे किसान हरजीराम खोथ के खेत में अचानक जमीन से क्रूड ऑयल निकलना शुरू हो गया। देखते ही देखते खेत के एक हिस्से में तेल फैल गया। सूचना पर कंपनी के इंजीनियर्स की एक टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची।

जहां क्रूड ऑयल निकल रहा है, वहां मशीनों से करीब 100 मीटर लंबी खाई खोदकर एक रास्ता बनाया गया है, जिससे तेल का बहाव उसके जरिए एक गड्ढे तक पहुंचाया जा रहा है।

इसके बाद गड्ढे से टैकरों से तेल को भरकर दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कंपनी क्रूड ऑयल प्रोडक्शन के लिए ब्लास्ट करती है। इससे हमारे घरों में दरारें आ रही है। 24 फरवरी की रात को अचानक तेज ब्लास्ट होने से जमीन में कंपन हो गया। ऐसे लगा जैसे भूकंप आ गया। डर के मारे घरों से बाहर निकले। स्कूल, घरों में दरारें आ गई थी।

किसान हरजीराम खोथ का कहना है- क्रूड ऑयल के रिसाव से एक बीघा जमीन में खेती खराब हो गई है। फसल भी प्रभावित हुई और जमीन भी तैलीय हो गई है। बायतु से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी गुरुवार को विधानसभा में ये मुद्दा उठाते हुए कहा- तेल उत्पादन के लिए ब्लास्ट पर कई देशों में रोक लगी हुई है। तेल कुएं के अंदर पानी, मिट्टी और केमिकल डालकर तेल वापस फेक्रिंग करके निकाला जाता है। इन दोनों के कारण छीतर का पार, काऊ खेड़ा इलाके में बीते दिनों वैल नंबर 8 में तेल बाहर निकल गया। लगातार तेल बह रहा है। पीने का पानी और खेती का पानी प्रभावित हो रहा है। विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि लोगों की बीते 3-4 सालों से मांग है कि सर्वे और जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए।

कंपनी अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा- पिछले 7 दिनों में तेल और गैस से रिलेटेड कोई भी एक्टिविटी नहीं हुई है। उन्होंने कहा- यहां पाइप लाइन से लीकेज नहीं हुआ है।

कोर्ट मैरिज के बाद सुरक्षा मांगने पहुंचे दंपती

कलेक्ट्रेट पर गहमागहमी; पुलिस ने संभाला मोर्चा

जालोर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। जालोर शहर में बुधवार देर शाम उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब प्रेम-प्रसंग में विवाह करने वाले युवक-युवती पुलिस सुरक्षा की मांग को लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे। जानकारी के अनुसार, जालोर निवासी दोनों ने 25 फरवरी को दिन में कोर्ट मैरिज की थी। पारिवारिक विवाद की आशंका को देखते हुए उन्होंने सुरक्षा की गुहार लगाई।

शाम को जैसे ही दोनों एसपी कार्यालय पहुंचे, उनके परिजन और अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक समझाइश और बातचीत का दौर चला, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद युवक-युवती को सुरक्षा के साथ घर छोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि, जब पुलिस वाहन कलेक्ट्रेट के मुख्य गेट से बाहर निकला, तो लड़की पक्ष के लोगों ने विरोध जताते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर धक्का-मुक्की और नारेबाजी की स्थिति बन गई।

करीब एक घंटे तक गहमागहमी चलती रही। हालात बिगड़ते देख पुलिस वाहन को वापस एसपी कार्यालय परिसर में लाया गया और अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी रामेश्वर लाल भाटी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और भीड़ को समझाकर हटाया।

पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों से कानून का पालन करने और शांति बनाए रखने की अपील की। देर रात अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच युवक-युवती को उनके घर पहुंचाया गया। पूरे घटनाक्रम के दौरान पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखी और किसी अप्रिय घटना को होने से रोक दिया।

खैरथल-तिजारा में होली से पहले बड़ी कार्रवाई

180 किलो सिंथेटिक पनीर जब्त कर नष्ट

कोटपुतली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। होली पर्व से पहले मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 180 किलो सिंथेटिक और मिलावटी पनीर जब्त कर मौके पर ही नष्ट करवा दिया। विभाग की इस कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त जयपुर डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार 24 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला खैरथल-तिजारा की टीम ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट के नेतृत्व में मंगलवार सुबह कार्रवाई को अंजाम दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेवात क्षेत्र से सिंथेटिक और मिलावटी पनीर सुबह के समय किशनगढ़ और खैरथल क्षेत्र में सप्लाई के लिए लाया जाता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने सुबह करीब छह बजे किशनगढ़ सर्किल पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान सफेद रंग की ईको कार को रुकवाकर जांच की गई। वाहन में रखी पांच पेटियों में करीब 180 किलो पनीर मिला। मौके पर मौजूद मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन से पनीर की प्राथमिक जांच की गई, जिसमें यह मिलावटी और सिंथेटिक पाया गया। पनीर से दुर्गंध भी आ रही थी, जिससे उसके खराब होने की आशंका भी जताई गई।

अपहरण से जंगल में मर्डर तक, पुलिस ने सुलझाई

हिस्ट्रीशीटर कुंजीलाल हत्याकांड की गुत्थी, 6 आरोपी गिरफ्तार

दौसा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। क्षेत्र में सनसनी फैलाने वाले कुंजीलाल मीणा हत्याकांड मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपहरण के बाद रलावता के जंगल में की गई इस निर्मम हत्या ने इलाके में दहशत का माहौल बना दिया था। पुलिस का कहना है कि प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश भी तेज कर दी गई है। घटना 20 फरवरी 2026 की है। सुरेश मीणा निवासी मुंडकोड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा भाई कुंजीलाल अपने मित्र चेतराम को पुंदरपाड़ा छोड़ने गया था। लौटते समय बड़ाबॉस के समीप दो कारों ने उनकी गाड़ी को आगे-पीछे से रोक लिया। 10-15 बदमाश हथियारों के साथ उतरे, जिनमें तुलसीराम मीणा के हाथ में पिस्तौल बताई गई। दोनों का अपहरण कर रलावता के जंगल में ले जाया गया, जहां कुंजीलाल की हत्या कर दी गई और उसके साथी मोनू को घायल अवस्था में छोड़ दिया गया। पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल व वृताधिकारी रोहिताश देवंदा के सुपरविजन में थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। अनुसंधान के बाद पुलिस ने अजीत कुमार मीणा, तुलसीराम मीणा, चित्रांश सैनी उर्फ गोलू, मिनेश सैनी, लेखराज माली और सहदेव जाट को गिरफ्तार किया है। घटना को लेकर मुंडकोड़ी के दर्जनों ग्रामीण बैजूपाड़ा थाने पहुंचे।

परिजनों ने कुछ आरोपियों को बचाने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हत्या के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आश्वासन के बाद स्थिति सामान्य हुई। इसी दौरान थाने में सीएलजी सदस्यों की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें होली का पर्व भाईचारे और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की गई। पुलिस ने यातायात प्रबंधन व साइबर ठगी से बचाव को लेकर भी लोगों को जागरूक किया।

खिलाड़ियों का समर्पण और अनुशासन सराहनीय : अविनाश मोहंती

सीपी ने पदक विजेताओं की सराहना की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 4वें तेलंगाना पुलिस खेल एवं स्पोर्ट्स मीट-2026 का आयोजन साइबराबाद में 16 फरवरी से 21 फरवरी 2026 तक किया गया, जिसमें पूरे राज्य के पुलिस कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नरेट के पुलिसकर्मियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 81 पदक जीते और ओवरऑल मेडल तालिका में 2वां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में जिम्नास्टिक्स, योग, वॉटर स्पोर्ट्स, ताइक्वांडो, वुशु, एथलेटिक्स, आर्म रेस्लिंग, पावर लिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग, बॉक्सिंग, पेनकाक सिलात, तीरंदाजी, कबड्डी, फुटबॉल, टग ऑफ वार और अन्य खेल शामिल थे। मुख्य उपलब्धियों में कुल पदक तालिका में दूसरा स्थान, कुल पदक 81 (गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज), महिला वर्ग समग्र ऑल-राउंडर रनर्स-अप है। प्रमुख व्यक्तिगत प्रदर्शन में एआरपीसी संजीव विभिन्न इवेंट्स में 8 पदक, एआरपीसी यामन-तीरंदाजी में 4 गोल्ड पदक, डब्लूपीसी नंदिनी- जिम्नास्टिक्स में 5 पदक मिले है। मल्काजगिरी के पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहंती ने इन उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सभी पदक विजेताओं और खिलाड़ियों के समर्पण और अनुशासन की सराहना की। कमिश्नर ने विजेताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया और उन्हें नकद पुरस्कार भी प्रदान किया। कमिश्नर ने कहा कि खिलाड़ियों, कोचों और सहायक कर्मचारियों के प्रयासों से कमिश्नरेट का गौरव बढ़ता है और यह अन्य कर्मचारियों को खेल और शारीरिक फिटनेस में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करता है।

जुबली हिल्स टास्क फोर्स ने चार को पकड़ा

चार किलो गांजा और मोबाइल फोन बरामद

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर टास्क फोर्स (जुबली हिल्स) की टीम ने गुरुवार को गांजा रखने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चार किलोग्राम गांजा और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में ओडिशा के नागेश्वर राव केलो (25), सिकंदराबाद के हरदीप सिंह (47), मल्काजगिरी के प्रियथ विजय (34) और अलवाल के गंधम गोवर्धन (37) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, नागेश्वर ओडिशा से गांजा लाकर हरदीप सिंह को सप्लाई करता था, जो इसे स्थानीय ग्राहकों को बेचता था। डीसीपी टास्क फोर्स गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने बताया कि सूचना के आधार पर जाल बिछाकर चारों को पकड़ा गया।

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया

> सेमीफाइनल की तरफ मजबूत कदम > अर्शदीप को तीन विकेट

चेन्नई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 राउंड में आज (26 फरवरी) भारत का मुकाबला जिम्बाब्वे से चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में हुआ। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने 72 रनों से जीत हासिल की। रनचेज में जिम्बाब्वे की शुरूआत अच्छी, मगर धीमी रही। ब्रायन बेनेट और तादिवानाशे मारुमनी ने 6.2 ओवरों में 44 रन जोड़े। अक्षर पटेल ने मारुमनी (20 रन) को आउट करके इस साझेदारी को ब्रेक किया। इसके बाद वरुण चक्रवर्ती ने डियोन मायर्स को सिर्फ 6 रनों के निजी स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। यहां से कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट के बीच तीसरे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। रजा ने 2 छक्के और 2 चौके की मदद से 21 बॉल पर 31 रनों का योगदान दिया।

जिम्बाब्वे की पारी के 17वें ओवर में सिकंदर रजा को अर्शदीप सिंह ने आउट किया। अर्शदीप ने फिर रयान बर्ल को भी 0 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। अर्शदीप ने इसके बाद टोनी मुनयोंगा का भी शिकार किया, जो केवल 11 रन बना सके। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 4 विकेट पर 256 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप में किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर रहा। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी रही। संजू सैसमन और अभिषेक शर्मा ने मिलकर पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। संजू 24 रन बनाकर आउट हुए। संजू को ब्लेसिंग मुजारबानी ने रयान बर्ल के हाथों कैच आउट कराया। यहां से ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी की। इस पार्टनरशिप के दौरान अभिषेक ने 26 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली। मौजूदा वर्ल्ड कप में अभिषेक ने पहली बार 50 का आंकड़ा पार किया है। भारत का दूसरा विकेट ईशान किशन (38 रन) के रूप में गिरा, जिन्हें सिकंदर रजा ने रिचर्ड नगारवा के हाथों कैच आउट कराया। ईशान के आउट होने के कुछ देर बाद अभिषेक शर्मा भी टिनोटेंडो मापोसा की गेंद पर चलते बने। अभिषेक ने चार छक्के और चार चौके की मदद से 30 गेंदों पर 55 रन बनाए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तूफानी अंदाज दिखाते हुए 13 गेंदों पर 33 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें ट्वीटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें।

निविदा सूचना सं. एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई25-ओटी-25-26, दि.24-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.23-03-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, कार्य विवरण: निविदा सूचना सं. व दि.- एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई25-ओटी-25-26, दि.24-02-2026, विजयवाडा डिवीजन:-विजयवाडा डिवीजन के आटोमेटिक ब्लाक सिग्नलिंग सेक्शन में एईएस हट्स स्टेशन परिसरों व रिले सेक्शन में आरडीएसओ व्हर्ज फायर व स्मोक डिटेक्टर अलार्म सिस्टम के प्रावधान से संबंधित एस & टी कार्य। **निविदा मूल्य रु. 7,35,19,940.54, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.5,17,600.00** केवल आनलाइन या बिड सेक्युरिटी माध्यम से, सीटीबी रु. शून्य, **कार्य पूरा करने की अवधि: 365 दिन**

बंद करने की तिथि व समय: दि.23-03-2026 के 15.30 बजे

वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्त /अन्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।

इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल & दूरसंचार), द.म.रेलवे, विजयवाडा कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

–विभागीय रेल प्रबंधक (एस & टी), विजयवाडा

निविदा सं. जीटीएल-इएम-68-2025-26, दि.24-02-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.- जीटीएल-इएम-68-2025-26, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः 1. जीवायः फ्राइट डिपो/जीवाय के एटीसी पर यार्ड एग्जामिनेशन सुविधाओं का सुधार कार्य तथा मोडल्स हेतु ओपन शेड कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। 2. डिजेल लोको शेड, गूटी पर लोकोमोटिव रखरखाव हेतु सृजन या क्रिएशन तथा सुधार सुविधाओं के लिए बिजली व्यवस्थाएं। **अनुमानित मूल्य रु.7220745.37**

बंद करने की तिथि व समयः दि.18-03-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या बिड्डिंग टेंडर हेतु एवं विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को निःशुल्क रुप में http://www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

–वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु टेंडरिंग की **एकल पैकेट प्रणाली** में ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 एनआयटी नं.-ई29सीटीआरडीएससी_11_2025-26 दि.24-02-2026, कार्य विवरणः निविदा सं. -ई29सीटीआरडीएससी_11 _2025-26 दि.24-02-2026, डिजाइन,आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण & 65 स्क्वे.एमएम कैटेनरी तथा 107/150 स्क्वे.एमएम एचडीजी कापर कान्टैक्ट वायर, एलटी सप्लाई ट्रांसफार्मर स्टेशनों सहित 25केवी, 50एचजेड सिंगल ए.सी. ट्रैक्शन ओवरहेड उपकरण की कमीशनींग के साथ प्रस्तावित 1.इएलएस लालागुडा पर 225 से 300 लोकोमोटिव्ज की होमिंग क्षमता में वृध्दि कार्य के संबंध में मौजूदा ओएचइ का परिवर्तन या माडिफिकेशन कार्य तथा दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे के टीएसएमडी/मौलाली पर वन्दे भारत रेक्स के रखरखाव हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं में वृध्दि। अनुमानित मूल्य रु.3,18,72,501.75, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा/बोली सुरक्षा रु.3,09,400.00, दस्तावेज मूल्य रु.**आनलाइन में निविदा दस्तावेज को मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, **बंद करने की तिथिः** 20-03-2026 के 15.00 बजे

1.बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः**h ttps://www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
2.बोलीदाता को चाहिए कि, ireps.gov.in के माध्यम से बोली सुरक्षा राशि को जमा करें या इस राशि को, भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से आहरित बैंक गारण्टी के रुप में प्रस्तुत करें। यह बैंक गारण्टी एप्पेन्डिक्स-VII नुसार होना चाहिए तथा यह बाण्ड जोकि बोली वैधता अवधि से परे, 90 दिनों की अवधि तक वैध होना चाहिए। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआर आदि के रूप में मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।
3. निविदाकार अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि के पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथितक ही देख सकते हैं।

–मुख्य बिजली अभियंता, निर्माण, सिकंदराबाद

कांग्रेस सरकार ने भोजन और आश्रय को प्राथमिकता दी : उत्तम कुमार

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रतिष्ठित हुज़ूरनगर हाउसिंग प्रोजेक्ट रामस्वामी गुट्टा में 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है और मार्च के पहले सप्ताह में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा उद्घाटन के लिए तैयार है। सूर्यापेट जिला कलेक्टर तेजस नंदलाल पवार के साथ विस्तृत ऑन-साइट निरीक्षण करते हुए, मंत्री ने इस 125 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का अवसंरचना, सुविधाओं और हाउसिंग यूनिटों का जायज़ा लिया। मंत्री ने इसे केवल एक हाउसिंग योजना से बढ़कर बताया और कहा कि यह कॉलोनी कांग्रेस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि तेलंगाना में कोई गरीब परिवार भूखा या खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा।

राज्यपाल ने सशस्त्र बलों के लिए एसबीआई के योगदान की सराहना की

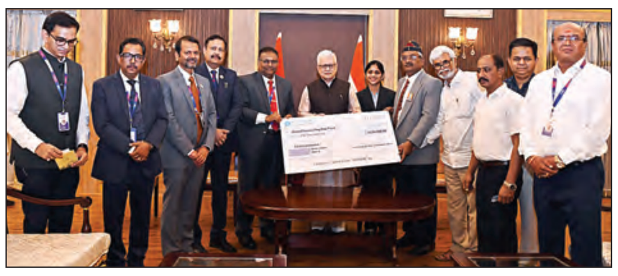

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद सर्कल के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के कर्मचारियों द्वारा सशस्त्र बलों के ध्वज दिवस को 53 लाख रुपये देने की सराहना की। एसबीआई हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक एस. राधा कृष्णन ने गुरुवार को लोक भवन में राज्यपाल को चेक प्रस्तुत किया। राज्यपाल, जो सशस्त्र बलों के ध्वज दिवस कोष के अध्यक्ष भी हैं, ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अन्य संगठनों और नागरिकों को समान समर्थन देने के लिए प्रेरित करेगा।

सैनिक कल्याण निदेशक सीनिवासुलु, सैनिक कल्याण विभाग और एसबीआई के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। राज्यपाल ने युद्ध अनुभवी, पूर्वसेवक, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए एसबीआई के सतत समर्थन की सराहना की और इस योगदान को एक पुण्य और अर्थपूर्ण पहल बताया।

जेईई मेन्स में रेजोनेंस का शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 'रेजोनेंस' ने सबसे प्रतिष्ठित नेशनल लेवल जेईई मेन्स 2026 (सेशन-1) के नतीजों में बड़ी सफलता हासिल की है। इन नतीजों में 63 स्टूडेंट्स ने 99 परसेंटाइल से ज़्यादा हासिल किया है। 505 से ज़्यादा स्टूडेंट्स ने अलग-अलग सब्जेक्ट्स में 99 परसेंटाइल मार्क्स के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। इस मौके पर, माधापुर में आश्रय कन्वेंशन में आयोजित एक खास प्रोग्राम में विजेताओं, माता-पिता और टीचर्स को सम्मानित किया गया।

रेजोनेंस एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश) के डायरेक्टर पूर्ण चंद्र राव ने कहा कि रेजोनेंस के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर जेईई मेन्स 2026 सेशन 1 में बहुत अच्छा टैलेंट दिखाया है। रेजोनेंस का स्ट्रक्चर्ड करिकुलम, अनुभवी फैकल्टी और पर्सनल गाइडेंस कितना असरदार है, ये नतीजे दिखाते हैं। रेजोनेंस के टॉप पांच स्टूडेंट्स समृद्धि भट्टाचार्य 99.988, रेवंत वंगाला 99.982, साकेत रेड्डी बोम्माडी 99.932, बुनेटी आदित्यरेड्डी 99.918, सेट्टीपल्ली अन्विता रेड्डी 99.915 हैं।

इस मौके पर रेजोनेंस हैदराबाद सेंटर्स के सीओओ मार्कंडेय ने कहा कि एग्जाम में हमारा सक्सेस रेट 2018 से लगातार बढ़ रहा है। आज, हमारा सक्सेस रेट 79.8 परसेंट है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ हमारे हाई एजुकेशनल स्टैंडर्ड, करिकुलम और एक्सपीरियंस्ड फैकल्टी की कोशिशों की वजह से ही मुमकिन हो पाया है। एकेडमिक डीन, डीके झा ने कहा कि स्टूडेंट्स की लगन और मेहनत इस ज़बरदस्त सफलता का सबूत है।

निविदा सूचना सं.18 _डीआरएम _डब्ल्यू _ एचवायबी_ 26 दि.23-02-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.20-03-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः 19_डीआरएम _डब्ल्यू_ एचवायबी_ 26, **कार्य विवरणः** ए) एसएसइ/पी.वे/एमइडी & डब्ल्यूडीआर के तहत हरेक छह स्टेशन पर यार्ड मटेरियल स्टैकिंग रूम का प्रावधान। बी) हैदराबाद डिवीजन-स्टेशन पर स्लीपर मैट्टिंग तथा पीडब्ल्यूआई आफिसेज, सी) हैदराबाद डिवीजन-सीवीबी-500एम हेतु साइड ड्रैन रेजिंग (स्टोन मैस्नरी), डी) हैदराबाद डिवीजन-बीकेयु-600एम हेतु स्टोन मैस्नरी सहित साइड ड्रैन इन कट्टिंग का प्रावधान, इ) हैदराबाद डिवीजन-एमएलवाय पर एलसी नं.2ए हेतु एप्रोच रोड का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.5,91,59,895.00, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.4,45,800.00**

निविदा संख्याः 20 डीआरएम _डब्ल्यू _ एचवायबी_ 26, **कार्य विवरणः** ए) एचवायबी डिवीजनः केआरएनटी पर रन्निंग रूम 28 बेड्स क्षमता का निर्माण कार्य। आईआरपीएसएम आयडी-11.03.64.25.3.52.008, बी) एचवायबी डिवीजनःएलपीआऱ पर मर्चन्ट रूम, हमाल शेड तथा जेकेपीटी पर केवल मर्चन्ट रूम तथा 04 गूड्स शेड्स जैसे वीडीआय, एलपीआर, जीडब्ल्यूडी, जेसीएल पर प्रत्येक 06 संख्यक ओपन शावर्स। (आईआरपीएसएम आयडी-11.03.53.25.3.52.004), अनुमानित मूल्य रु. 4,48,10,431.00, **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,74,100.00**

निविदा संख्याः 21_डीआरएम _डब्ल्यू _ एचवायबी_ 26, **कार्य विवरणः** ए) हैदराबाद डिवीजनःए) एसएसइ/डब्ल्यू/डब्ल्यूएस/एलजीडी के तहत सीडब्ल्यूएस/एलजीडी के पावर कार शाप में एससी छोर की तरफ पिट लाइन का विस्तार करना। बी) एसएसइ/डब्ल्यू/डब्ल्यूएस/एलजीडी के तहत एपोक्सी रिफ्लूरिंग सिस्टम सहित सीडब्ल्यूएस लालागुडा में रिफ्लूरिंग कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.64,38,658.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,28,800.00**

निविदा संख्याः 22_डीआरएम _डब्ल्यू_ एचवायबी_ 26, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजन-ए) एसटीटीसी-एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग फैकेड तथा एसटीटीसी/एमएलवाय में रूम्स का सुधार।बी)एसटीटीसी-एसटीटीसी मौलाली पर हास्टल बिल्डिंग का प्रस्तावित सुधार कार्य। सी) एसटीटीसी—एसटीटीसी मौलाली पर स्टोर रूम (11X8एम) का प्रस्तावित निर्माण कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.3,57,24,881.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,28,600.00**

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

–विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), हैदराबाद

A2563

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrail-ways.gov.in देखें।

सुधांशु महाराज का साप्ताहिक वीडिओ, सत्संग रामनाथ-आश्रम बेगमबाजार में

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मीडिया प्रभारी राजकुमार दाहीमा के अनुसार विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मण्डल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज का साप्ताहिक विडिओ सत्संग का आयोजन रविवार 1 मार्च को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक बेगम बाजार, कोलसावाडी स्थित रामनाथ-आश्रम (बाबजी की धर्मशाला) में आयोजित किया जाएगा। साप्ताहिक विडिओ सत्संग यहां प्रति रविवार को आयोजित किया जाएगा। साप्ताहिक विडिओ सत्संग की इस विशेष महत्वपूर्ण श्रृंखला में नागपुर में आयोजित भक्ति सत्संग की विशेष सीडी दिखाई जाएगी। अत: समस्त सत्संग धर्म प्रेमी सज्जन, गुरुभक्त भाई-बहन समयानुसार सत्संग में उपस्थित रहकर सत्संग का लाभ उठाएं। इसकी अपील मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड ने की है।

सीरवी समाज वडेर का होली महोत्सव 2 मार्च से

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेट्ला स्थित श्री आई माता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में 2 दिवसीय होली महोत्सव का कार्यक्रम 2 व 3 मार्च को आयोजित होगा, जिसके तहत होलिका दहन. बच्चों की ढूंढ रंगारंग गैर नृत्य शामिल होंगे। प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रावतराम बर्फा, सचिव प्रेम पंवार ने बताया कि सोमवार 2 मार्च को शाम 7.15 बजे पुजा-अर्चनाकर, आईमाताजी की आरती के पश्चात रात्रि 8.15 बजे होलिका दहन होगा। मंगलवार 3 मार्च को प्रातः वेला में पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे से बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बच्चों की ढूंढ कराने के लिए अपना नाम लिखाने संरक्षक मांगीलाल काग सचिव प्रेम पंवार व गैर कप्तान सोहनलाल काग लाबुराम चोयल से संपर्क कर सकते हैं। मध्याह्न 12.15 बजे से समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी।

बीआरएस एमएलसी ने राहुल गांधी से महात्मा गांधी प्रतिमा परियोजना रोकने का आग्रह किया

मूसी नदी के किनारे 5,000 करोड़ रुपये की परियोजना पर चिंता

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने कांग्रेस लोकसभा नेता राहुल गांधी से तेलंगाना में मूसी नदी के किनारे प्रस्तावित 5,000 करोड़ रुपये की महात्मा गांधी सरोवर परियोजना को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। श्रवण ने खुले पत्र में कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना कांग्रेस सरकार गरीब परिवारों की कीमत पर स्मारक निर्माण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने चेताया कि प्रस्तावित 500 फीट ऊंची गांधी प्रतिमा हजारों परिवारों को विस्थापित करेगी और उनके आवास के अधिकार का उल्लंघन करेगी। उन्होंने राहुल गांधी से तथ्य की जांच करने और मुख्यमंत्री को बेदखली कार्यों को रोकने का निर्देश देने का आग्रह किया। साथ ही प्रतिमा के लिए आवंटित धनराशि को 2023 के विधानसभा चुनावों में किए गए कल्याणकारी वादों को पूरा करने के लिए उपयोग करने की मांग की। श्रवण ने आरोप लगाया कि प्रतिमाओं के नाम का इस्तेमाल गांधीवादी आदर्शों के साथ विश्वासघात है और मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना में कॉर्पोरेट हितों की सांठगांठ हो सकती है।

तेलंगाना में 94 सरकारी डॉक्टर बर्खास्त

एक वर्ष से अधिक अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए कार्रवाई

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (डीएमई) ने एक वर्ष से अधिक समय तक अनधिकृत अनुपस्थिति में पाए गए 94 सरकारी डॉक्टरों को बर्खास्त करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 23 फरवरी को जारी किए गए और मई 2025 में भेजे गए कारण बताओ नोटिसों के बाद लिए गए निर्णय का परिणाम हैं। डीएमई, डॉ.ए. नरेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ डॉक्टरों द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किए गए थे, लेकिन जांच के बाद उन्हें खारिज कर बर्खास्तगी के अंतिम आदेश दिए गए। आदेशों में 1933 के तेलंगाना अवकाश नियम और 1996 के अधीनस्थ सेवा नियम का हवाला देते हुए कहा गया है कि लंबे समय तक अनुपस्थित रहने वाले डॉक्टरों को 'इस्तीफा दिया हुआ मान लिया जाएगा'।

पाहाड़ी शरीफ में बिना शुल्क की शराब जब्त

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध और उत्पाद शुल्क विभाग के राज्य कार्य बल ने गुरुवार को पाहाड़ी शरीफ में वाहन जांच के दौरान बिना शुल्क चुकाए शराब की 141 बोतलें जब्त कीं। विभाग के अधिकारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि अन्य राज्यों, विशेष रूप से गोवा, हरियाणा और दिल्ली से बिना शुल्क की शराब शहर में तस्करी की जा रही थी। इस पर टीम ने आरजीआई हवाई अड्डे के बाहर आने वाले वाहनों की जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न कारों में रखी 141 बोतलें बरामद कर जब्त कर लिया।

तेलंगाना 2047 तक वैश्विक लॉजिस्टिक्स हब बनने की योजना में : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना 2047 तक भारत का प्रमुख लॉजिस्टिक्स हब और वैश्विक लॉजिस्टिक्स गंतव्य बनने की संगठित योजना बना रहा है। उन्होंने ट्रांसपोर्ट लोजिस्टक इंडिया 2026 सम्मेलन में बताया कि राज्य की रणनीति में भविष्य-उन्मुख लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम तैयार करना, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार, डिजिटल इंटीग्रेशन, सतत विकास और कौशल विकास शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि लॉजिस्टिक्स सेक्टर राज्य की दीर्घकालीन विकास दृष्टि का केंद्र होगा और 2047 तक राज्य का जीडीपी में योगदान 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है, जिससे 3 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने वैश्विक रुझानों जैसे सप्लाई-चेन रीएलाइनमेंट, एआई-सक्षम लॉजिस्टिक्स और सतत विकास का हवाला देते हुए बताया कि तेलंगाना अपने स्ट्रैटेजिक लोकेशन का लाभ उठाकर प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है। राज्य सरकार यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी और उद्योग हितधारकों के साथ मिलकर लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए कौशलयुक्त कार्यबल तैयार कर रही है। मंत्री ने निवेशकों को मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स, रेल-हवाई कनेक्टिविटी, एयर कार्गो, कोल्ड चेन, ग्रेड-ए वेयरहाउसिंग, ऑटोमेशन, डिजिटल लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म और ग्रीन मोबिलिटी में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य त्वरित अनुमोदन, पारदर्शी नीतियाँ और उद्योग-अनुकूल नियमावली उपलब्ध कराएगा।

भारी वाहन चालकों के लिए मुफ्त नेत्र स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी ट्रैफिक पुलिस और रचकोंडा सुरक्षा परिषद ने 'एराइव एलाइव' रोड सेफ्टी पहल के तहत भारी मोटर वाहन (एचएमवी) चालकों के लिए मुफ्त नेत्र स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। यह अभियान राज्य में सड़क सुरक्षा बढ़ाने और दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। शिविरों का आयोजन चेर्लापल्ली इंडस्ट्रियल एरिया और ऑटो नगर में किया गया। चेर्लापल्ली में भारतीय ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में दो शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में लगभग 366 भारी वाहन चालक शामिल हुए। कई ड्राइवरों को मोतियाबिंद और प्टेरिज़ियम जैसी बीमारियां पाई गई, जबकि कुछ को चश्मे और आगे की चिकित्सकीय जांच की सलाह दी गई।

ड्राइवरों ने उच्च-तीव्रता वाले एलईडी हेडलाइट्स के कारण होने वाली दृश्यता समस्याओं और खतरनाक गड्ढों, असुरक्षित यू-टर्न पॉइंट जैसी समस्याओं की जानकारी अधिकारियों को दी। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फोकस्ड एलईडी हेडलाइट्स अवैध हैं और चालक हमेशा आधे या स्ट्रिप कवर वाले हेडलाइट का उपयोग करें। गड्ढों और सड़क समस्याओं के लिए अतिरिक्त डीसीपी ने इंडस्ट्रियल एरिया प्रबंधन से तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शिविर में मल्काजगिरी डीसीपी रोड सेफ्टी मनोहर, अतिरिक्त डीसीपी ट्रैफिक श्रीनिवास राचकोंडा सुरक्षा परिषद प्रतिनिधि एम. सावित्री, कुशाइगुड़ा ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने विकसित डैशबोर्ड की स्थिति पर चर्चा की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने आज सचिवालय में एक समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें विभिन्न हितधारकों के साथ किए गए अलग-अलग समझौतों (एमओयू) के महत्वपूर्ण पहलुओं की निगरानी के लिए विशेष रूप से विकसित डैशबोर्ड की स्थिति पर चर्चा की गई।

संबंधित विभागों से नामित नोडल अधिकारी बैठक में शामिल हुए और उन्होंने कार्यान्वयन समय-सीमा, निवेश प्रतिबद्धताओं, भूमि आवश्यकताओं, प्रोत्साहनों और संगठनों द्वारा घोषित रोजगार तथा उनकी अपेक्षित परिणामों पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य सचिव ने विभागीय समन्वय, कार्यान्वयन में पारदर्शिता, और सहमति अनुसार समय-सीमा का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एमओयू के प्रभावी कार्यान्वयन और बाधाओं के शीघ्र समाधान के लिए स्पष्ट निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। मुख्य सचिव ने विभागों को यह भी निर्देश दिया कि वे साझेदार संगठनों के साथ नियमित फॉलो-अप बनाए रखें और डैशबोर्ड में अपडेट करते हुए समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि समझौते जनता के लिए ठोस लाभ, आर्थिक विकास में वृद्धि और सेवा दक्षता में सुधार में बदलने चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

जल्द फ्री ट्रेड ...

जॉइंट डेवलपमेंट, प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर काम होगा। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में भी साझेदारी बढ़ेगी।

> किसानों और गांवों के लिए नई पहल : कृषि क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग पहले से सफल रहा है। भारत में इजराइल की मदद से बने सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस की संख्या 100 तक बढ़ाई जाएगी। गांव-गांव तक नई खेती तकनीक पहुंचाने के लिए विलेज ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। इससे किसानों की आय और उत्पादन बढ़ेगा।

> लोगों और युवाओं को जोड़ने पर जोर : भारतीय कामगारों ने इजराइल में मेहनत से भरोसा जीता है। अब सहयोग को कॉमर्स और सर्विस सेक्टर तक बढ़ाया जाएगा। युवाओं और रिसर्चर्स को जोड़ने के लिए इंडिया-इजराइल अकादमिक फोरम बनेगा।

> वैश्विक मुद्दों पर साझेदारी : दोनों देशों ने आईएमईसी कॉरिडोर और आई2यू2 ग्रुप जैसे प्रोजेक्ट आगे बढ़ाने पर चर्चा की। भारत और इजराइल का साफ संदेश है, दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं। पश्चिम एशिया में शांति भारत के लिए भी जरूरी है, इसलिए भारत संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। दोनों देश कई क्षेत्रों में एक-दूसरे के लिए फायदेमंद हैं। यह एफटीए दोनों के बीच व्यापार बढ़ाने में मदद करेगा और कारोबारियों, खासकर छोटे और मध्यम उद्योगों को ज्यादा भरोसा और स्थिरता देगा। इस बातचीत के दौरान दोनों देशों के एक्सपर्ट्स अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इनमें गुड्स एंड सर्विसेज का व्यापार, रूल्स ऑफ ओरिजन, हेल्थ और पौधों से जुड़े नियम, व्यापार में आने वाली तकनीकी रुकावटें, कस्टम प्रोसेस, व्यापार को आसान बनाने के उपाय और इंटेलेक्चअल प्रॉपर्टी राइट्स जैसे मुद्दे शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस पुस्तक का फिजिकल या डिजिटल रूप में वितरण करने का कोई भी प्रयास इस न्यायालय के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन माना जाएगा। पुस्तक की सभी फिजिकल कॉपी को जब्त करने का आदेश दिया गया। एनसीईआरटी को केंद्र और राज्य शिक्षा विभागों के समन्वय से यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि पुस्तक की सभी प्रतियां चाहे वे खुदरा विक्रेताओं या विद्यालयों में हों, या डिजिटल रूप में उपलब्ध हों तत्काल सार्वजनिक पहुंच से हटाई जाएं। एनसीईआरटी निदेशक को विद्यालयों में भेजी गई सभी प्रतियों की तत्काल जब्ती सुनिश्चित कर अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि उक्त पुस्तक के आधार पर विद्यार्थियों को कोई शिक्षण न दिया जाए। सभी राज्यों के शिक्षा विभागों के प्रधान सचिवों को दो सप्ताह के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया। न्यायालय ने एनसीईआरटी निदेशक को आपत्तिजनक अध्याय की तैयारी में शामिल व्यक्तियों के नाम और उनकी योग्यता (क्रेडेंशियल्स) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही, जिस बैठक में अध्याय पर विचार-विमर्श और अंतिम रूप दिया गया, उसकी मूल कार्यवृत्त (मिनट्स) अगली सुनवाई पर प्रस्तुत करने को कहा गया। चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली बेंच ने खुद संज्ञान लेकर उक्त आदेश पारित किया है।

दुबई से भारत ...

सीबीआई की खास यूनिट ने विदेश मंत्रालय और अबू धाबी के अधिकारियों के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। इसी रेड नोटिस के आधार पर यूएई के अधिकारियों ने अनिल रेड्डी को अपने देश में पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद यूएई ने उसे भारत को सौंपने का फैसला किया। गुरुवार को दुबई पुलिस की एक टीम उसे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट लेकर आई। यहां सभी जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम को सौंप दिया गया। यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले महीने भी सीबीआई ने मलेशिया के साथ मिलकर एक बड़ा ऑपरेशन किया था। तब इंटरपोल रेड नोटिस वाले तीन अपराधियों को भारत से मलेशिया भेजा गया था। इनके नाम श्रीधरन सुब्रमण्यम, प्रतीफकुमार सेल्वराज और नवींद्रन राज कुमारसन हैं। मलेशियाई अधिकारियों के अनुसार, ये तीनों संगठित अपराध के गंभीर मामलों में शामिल थे। इन पर गैरकानूनी तरीके से पैसा और ताकत हासिल करने का आरोप था।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-HQ-WAT-09-2026
दिनांक 19.02.2026

कार्य का नाम : सहायक मण्डल अभियंता / ईस्टेट / वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन विशाखापट्टणम बस्ती में प्लांट नर्सरी का विकास।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 50,27,233.45, EMD : ₹ 1,00,600.00, कार्य पुरा होने की अवधि: 06 (छह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 17.03.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-1166/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'ये बहुत ही शर्मनाक रहा', टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद भावुक हुए दासुन शनाका

कोलंबो, 26 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका की टीम के पास अपनी मेजबानी में हो रहे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर होम क्राउड को खुश करने का शानदार मौका था लेकिन टीम सुपर 8 के शुरुआती दोनों मैचों में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. इस हार के बाद शनाका ने भावुक बयान दिया है. आइए आपको भी बताते हैं उन्होंने क्या कहा है.

श्रीलंका की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के साथ ही टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है. टीम को अहम मुकाबले में कोलंबो के मैदान पर होम क्राउड के सामने 61 रनों से हार का सामना करना पड़ा. दासुन शनाका की कप्तानी में टीम ने विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ की थी लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई. सुपर 8 के पहले मैच में टीम को इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा था. विश्व कप से बाहर होने के बाद श्रीलंका का खेमा काफी मायूस नजर आया. कप्तान शनाका की तरफ से भी एक भावुक बयान आया. उन्होंने क्या कुछ कहा, आइए आपको भी बताते हैं.

शनाका ने दिया भावुक बयान

मैच खत्म होने के बाद श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा, "हां ये बहुत ही शर्मनाक है होम क्राउड के सामने. आपको पता है कि उन्होंने हमारा कितना सपोर्ट किया. हमने मैच में शुरुआत अच्छी की थी लेकिन मिचेल सैंटनर और वो साझेदारी बहुत ही शानदार थी. वहीं मैच को हमसे दूर लेकर चली गई. हमने विकेट से इतने टर्न की उम्मीद नहीं की थी क्योंकि पिच काफी नई नजर आ रही थी. हम उन्हें 130 के स्कोर पर रोकना चाहते थे लेकिन उन्होंने बहुत ही शानदार खेल दिखाया. हम इसके लिए सैंटनर और कोले को क्रेडिट देंगे. ये एक ऐसा दिन था जिसमें हमारी बल्लेबाजी में किसी को भी शुरुआत नहीं मिल पाई."

श्रीलंका का एक मुकाबला अभी भी बाकी

टी20 विश्व कप 2026 के मेजबान श्रीलंका के लिए इस तरह से बाहर हो जाना काफी हैरानी भरा भी रहा. सुपर 8 में श्रीलंका के खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा. टीम इंग्लैंड के सामने भी पस्त नजर आई, जिसके चलते 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं इसके बाद कीवी टीम के सामने भी टीम को 61 रनों से हार का स्वाद चखने को मिला. सुपर 8 में टीम का आखिरी मुकाबला 28 फरवरी को पाकिस्तान के साथ होना है. इस मैच में जीत हासिल कर टीम टूर्नामेंट का अंत करना चाहेगी.

पाकिस्तान खेलेगा सेमीफाइनल?

श्रीलंका के बाहर होने के बाद ये है समीकरण

खेल डेस्क, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कोलंबो में 25 फरवरी को खेले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को 61 रन से हरा दिया. इससे ये तय हो गया कि श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो गई. टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 की टीमों के बीच वो सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है. T20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ये लगातार 5वीं बार है , जब श्रीलंका की टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंची है. अब श्रीलंका तो बाहर है मगर पाकिस्तान के लिए उम्मीदें अब भी जिंदा है. सवाल है कैसे? वो भी तब जब सुपर-8 के पाकिस्तान वाले ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है. वहीं श्रीलंका को 61 रन के बड़े अंतर से हराने के बाद न्यूजीलैंड ने भी सेमीफाइनल के लिए दावा ठोक दिया है.

श्रीलंका पर बड़ी जीत के बाद न्यूजीलैंड के पॉइंट्स टेबल में 2 मैच के बाद अब 3 अंक हो गए हैं. वहीं उसका रन रेट 3.050 का हो गया है, जो कि पाकिस्तान के लिए सबसे चिंता वाली बात है. पाकिस्तान की बात करें तो पॉइंट्स टेबल में उसके सिर्फ 1 अंक हैं. वहीं रन रेट -0.461 का, जो कि बेहद खराब है. अब सवाल है कि इस हालात से भी पाकिस्तान की टीम कैसे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है.

पाकिस्तान के लिए एक अच्छी बात ये है कि उसे श्रीलंका के खिलाफ सुपर-8 का अपना आखिरी मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली टक्कर के बाद खेलना है. ये मुकाबला 27 फरवरी को होना है. जबकि पाकिस्तान, श्रीलंका का सामना 28 फरवरी को करेगा, जिसमें उसे अच्छे से पता होगा कि सेमीफाइनल में जाने के लिए और नेट रन रेट दुरुस्त करने के लिए श्रीलंका को कितने के अंतर से हराना होगा.

न्यूजीलैंड और श्रीलंका मैच के नतीजे के बाद T20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खेलने के समीकरण की बात करें तो पहले तो इंग्लैंड को न्यूजीलैंड को अच्छे अंतर से हराना होगा. इससे होगा ये कि न्यूजीलैंड के 3 मैच में 3 अंक ही रहेंगे और हार के अच्छे अंतर होने से उसका रन रेट भी गिरेगा.

इंग्लैंड अगर न्यूजीलैंड को हराता है तो पाकिस्तान को वो टारगेट मिल जाएगा, जिससे वो श्रीलंका को हराकर अपना नेट रन रेट न्यूजीलैंड से बेहतर कर सकता है. उदाहरण के लिए अगर इंग्लैंड 15 रन से न्यूजीलैंड से जीतता है तो उस सूरत में पाकिस्तान को श्रीलंका को 55 रन से हराना होगा. वहीं अहर इंग्लैंड सिर्फ 1 रन से जीता तो फिर पाकिस्तान को सेमीफाइनल में खेलने का टिकट हासिल करने के लिए श्रीलंका को 69 रन से हराना होगा.

रणजी ट्रॉफी: जम्मू-कश्मीर पहली पारी में 584 पर ऑलआउट

6 बैटर्स ने 50+ स्कोर बनाए, कर्नाटक से प्रसिद्ध कृष्णा को 5 विकेट

हुबली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 का फाइनल कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर के बीच हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। जम्मू-कश्मीर ने मंगलवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम गुरुवार को मैच के तीसरे दिन पहले सेशन में 584 रन पर ऑलआउट हो गई।

सुबह 527/6 के स्कोर से आगे खेलने उतरी जम्मू-कश्मीर ने 57 रन बनाने में आखिरी 4 विकेट जल्दी गंवा दिए। टीम के 6 बैटर्स ने 50+ स्कोर बनाए। शुभम पुंदीर ने 121, यावर हसन ने 88, साहिल लोत्रा ने 72, पारस डोगरा और कन्हैया वधावन ने 70-70 और अब्दुल समद ने 60 रन बनाए। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। उनके अलावा विद्याधर पाटिल, विजयकुमार वैशाक, शिखर शेट्टी और श्रेयल गोपाल को 1-1 विकेट मिला।

दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर का स्कोर 527/6

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक जम्मू-कश्मीर ने 6 विकेट खोकर 527 रन बना लिए हैं। साहिल लोत्रा 57 रन और आबिद मुश्ताक 20 रन पर नाबाद हैं। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं। पूरी खबर...

पहले दिन शुभम पुंदीर ने शतक लगाया

पहले दिन जम्मू-कश्मीर के लिए शुभम पुंदीर ने शतक लगाया था। उन्होंने 121 रन की पारी खेली। उनके अलावा ओपनर यावर हसन ने 88 रन बनाए थे।

पहले दिन टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 284 रन बनाए थे। दोनों विकेट प्रसिद्ध ने झटके थे।

पारस डोगरा और अनीश आपस में भिड़े

दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर की पारी के 101वें ओवर में बैटिंग कर रहे डोगरा और शॉर्ट लेग पर खड़े केवी अनीश आपस में भिड़ गए। दरअसल अनीश बैट्समैन पर दबाव बनाने के लिए लगातार कुछ बयानबाजी कर रहे थे। इसी बीच डोगरा ने अनीश के सिर पर सिर से टक्कर मारी। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था। इसके अंपायर ने बीच-बचाव करते हुए दोनों को अलग किया। हालांकि अगले ओवर में डोगरा ने अनीश से माफी मांगने की भी कोशिश की, लेकिन अनीश से माफी लेने से मना कर दिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

कर्नाटकः देवदत्त पडिकल (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, करुण नायर, स्मरण रविरचंद्रन, श्रेयस गोपाल, कृतिक कृष्णा, विद्याधर पाटिल, विजयकुमार वैशाक, शिखर शेट्टी, प्रसिद्ध कृष्णा।

जम्मू-कश्मीरः पारस डोगरा (कप्तान), कमरान इकबाल, यावर हसन, शुभम पुंदीर, अब्दुल समद, कन्हैया वधावन, अबिद मुश्ताक, आकिब नबी डार, युद्धवीर सिंह चरक, साहिल लोत्रा, सुनील कुमार।

मेवेदर और पैकियाओ के बीच ऐतिहासिक री-मैच सितंबर में

लास वेगास, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज फ्लॉयड मेवेदर जूनियर और मैनी पैकियाओ एक बार फिर प्रोफेशनल रिंग में आमने-सामने होंगे। इस ऐतिहासिक री-मैच की घोषणा कर दी गई है, जो 19 सितंबर को लास वेगास के अत्याधुनिक 'द स्फीयर' में होगा।

दोनों खिलाड़ी 11 साल बाद एक बार फिर आमने-सामने होंगे। इससे पहले 2 मई 2015 को हुई उनकी पहली भिड़ंत ने कमाई और व्यूअरशिप के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। उस फाइट से 410 मिलियन डॉलर (करीब 2680 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू जनरेट हुआ था जबकि टिकट विंडो से 72.2 मिलियन डॉलर (करीब 470 करोड़) की कमाई हुई थी। वह

मुकाबला मेवेदर ने अपने नाम किया था।

मेवेदर का 50-0 का परफेक्ट रिकॉर्ड जबकि पैकियाओ ने पिछले साल की थी वापसी।

अमेरिका के मेवेदर ने हाल ही में रिंग में वापसी की पुष्टि की। 49 वर्षीय मेवेदर 2017 में कोनोर मैक्ग्रेगोर को हराने के बाद 50-0 के परफेक्ट रिकॉर्ड के साथ रिटायर हुए थे। वहीं, फिलीपींस के 47 वर्षीय पैकियाओ ने भी 2025 में मारियो बैरियोस के खिलाफ ड्रॉ खेलकर रिंग में वापसी की है। उन्होंने करियर में 73 फाइट में से 62 जीती हैं।

आईसीसी ने पाक क्रिकेटर सिद्रा अमीन को लगाई डांट

गुस्से में अपना बल्ला जोर से जमीन पर पटका

केप टाउन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मेंस टीम इन दिनों T20 वर्ल्ड कप में खेल रही है. मगर उसकी महिला क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जहां खेले पहले वनडे के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ी सिद्रा अमीन को उनकी एक गलती के लिए आईसीसी ने जमकर फटकारा है. सिद्रा अमीन को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत लेवल 1 का दोषी पाया गया है. पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की महिला टीमों के बीच पहला वनडे 22 फरवरी को खेला गया था.

लेवल 1 के तहत दोषी पाई गई सिद्रा अमीन

आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि सिद्रा अमीन को आईसीसी की धारा 2.2 का उल्लंघन किया है. इस गलती के लिए उन्हें लेवल 1 के तहत दोषी पाया गया है. आईसीसी के नियमों के तहत लेवल 1 का दोषी पाए जाने पर खिलाड़ी के मैच फीस में 50 फीसदी तक कटौती या फिर उसे फटकार लगाकर छोड़ा जाता है. इसके अलावा एक या दो डिमेरिट पॉइंट भी उसके खाते में जोड़ दिए जाते हैं.

आईसीसी ने डांटा, एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा

सिद्रा अमीन के केस में उन्हें फटकार लगाई गई है. साथ ही उन पर एक डिमेरिट पॉइंट लगाया है, जो कि बीते 24 महीनों में उनके खाते में जुड़ा दूसरा डिमेरिट पॉइंट है. इससे पहले सिद्रा अमीन पर अक्टूबर 2025 में भारत के खिलाफ खेले मुकाबले में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया था.

पाकिस्तानी क्रिकेटर से क्या गलती हुई?

अब सवाल ये है कि सिद्रा अमीन ने गलती क्या की थी? साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ी सिद्रा अमीन ने आउट होने के बाद क्रीज छोड़ने से पहले अपना बल्ला जोर से जमीन पर पटका था. ये घटना उस मैच में पाकिस्तान की इनिंग के 24वें ओवर की थी.

सिद्रा अमीन की वो हरकत उस मैच की फील्ड अंपायार केरिन क्लास्टे और निमाली परेरा को नागवार गुजरी. उन्होंने तीसरे अंपायर और मैच के चौथे अंपायर के साथ मिलकर उस घटना की शिकायत आईसीसी से की. सिद्रा अमीन ने आईसीसी के मैच रेफरी के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया. सिद्रा के गलती मान लेने से अब इस मामले में आगे सुनवाई की जरूरत नहीं है.

ईशान किशन टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में नंबर-5 पर आए

बॉलर्स में बुमराह ने 7 स्थान की छलांग लगाई, सिकंदर रजा टॉप ऑलराउंडर

दुबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी की ताजा टी-20 रैंकिंग में भारतीय ओपनर ईशान किशन 3 स्थान की छलांग लगाकर 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह ने 7 स्थान का उछाल लेते हुए 8वां स्थान हासिल किया है।

टी-20 इंटरनेशनल खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की। भारतीय ओपनर ईशान किशन को शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। वे 742 रेटिंग अंक के साथ 8वें से 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप पर कायम

अभिषेक शर्मा खराब प्रदर्शन के बावजूद टी-20 बैटर्स की रैंकिंग की टॉप पोजिशन पर कायम हैं। वर्ल्ड कप में साधारण शुरुआत के बावजूद वे इंग्लैंड के फिल सॉल्ट से 62 अंक आगे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 2 पायदान के फायदे के साथ नंबर-3 पर आ गए हैं। फरहान के 810 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

बुमराह ने 7 स्थान की छलांग लगाई

गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह ने 7 स्थान की छलांग लगाई है। पिछले हफ्ते 15वें नंबर पर रहे बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट लेने के बाद 669 अंक के साथ 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। कॉर्बिन बॉश 21 स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि वरुण चक्रवर्ती नंबर-1 गेंदबाज बने हुए हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	अभिषेक शर्मा	भारत	877
2	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	815
3	साहिबजादा फरहान	पाकिस्तान	810
4	पाथुम निसांका	श्रीलंका	789
5	ईशान किशन	भारत	742
6	सुर्यकुमार यादव	भारत	740
7	तिलक वर्मा	भारत	730
8	जोस बटलर	इंग्लैंड	725
9	डेवॉल्ड ब्रेविस	सा. अफ्रीका	724
10	टिम सइफर्ट	न्यूजीलैंड	715

टी-20 बॉलर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	पॉइंट्स
1	वरुण चक्रवर्ती	भारत	790
2	राशिद खान	अफगानिस्तान	753
3	कोर्बिन बॉश	सा. अफ्रीका	731
4	आदिल रशीद	इंग्लैंड	716
5	अबरार अहमद	पाकिस्तान	712
6	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	682
7	मैथ्यू फोर्ड	वेस्टइंडीज	679
8	जसप्रीत बुमराह	भारत	669
9	मुस्तफिजुर रहमान	बांग्लादेश	665
10	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	664

सिकंदर रजा नंबर-1 ऑलराउंडर बने

ऑलराउंडरों में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा फिर से नंबर-1 बन गए हैं। शिवम दुबे दो स्थान ऊपर चढ़कर 7वें नंबर पर पहुंचे हैं। वहीं, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 8वें स्थान पर पहुंचकर टॉप-10 में शामिल हो गए हैं।

क्रिकेट का कीड़ा है तो सॉल्व कीजिए ये सुपर क्विज क्या आप खुद को क्रिकेट के सुपर फैन मानते हैं? पूरे T20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के दौरान दैनिक भास्कर के खास गेम 'सुपर ओवर' में रोज क्रिकेट से जुड़े 6 सवाल आपका क्रिकेट ज्ञान परखेंगे। जितनी जल्दी सही जवाब देंगे उतने ज्यादा रन बनेंगे।

जितने ज्यादा रन बनेंगे, लीडरबोर्ड में उतना ही ऊपर आएंगे। तो रोज खेलिए और टूर्नामेंट का टॉप स्कोरर बनिए।

वॉकिंग क्रिकेट, खिलाड़ियों को मिल रहा 'बैजबॉल' का मजा

ब्रिटेन में 87 की उम्र तक के लोग खेल रहे; बैटर आउट होने के बाद भी खेलता रहता है, आधा रन लेने की छूट

लंदन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने एक बार 'बैजबॉल' को परिभाषित करते हुए कहा था कि यह खेल को वैसे खेलने की कोशिश है, जैसा हमने बचपन में कल्पना की थी- रोमांचक, तेज और मजेदार। दिलचस्प बात यह है कि इस सोच की सबसे सजीव और भावुक झलक अब इंग्लैंड के लीजर सेंटरों और खेल के मैदानों पर दिख रही है, जहां 50 से 87 साल तक के लोग 'वॉकिंग क्रिकेट' के जरिए खेल का नया आनंद ले रहे हैं। वॉकिंग क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि अकेलेपन के खिलाफ प्रभावी हथियार है। केंट क्रिकेट कम्युनिटी ट्रस्ट की प्रोजेक्ट ऑफिसर एमी इलिज के अनुसार, हर काउंटी में इसकी टीमें फल-फूल रही हैं। लॉर्ड्स के इंडोर स्कूल में पहला इंटर-काउंटी वॉकिंग क्रिकेट फेस्टिवल आयोजित हुआ, जिसने इसकी बढ़ती लोकप्रियता पर मुहर लगा दी। केंट के फोकस्टोन

स्थित थ्री हिल्स स्पोर्ट्स सेंटर में वॉकिंग क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, सामुदायिक जुड़ाव का मंच बन चुका है। यहां 87 वर्ष तक के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। सुनने में दिक्कत, डिमेंशिया या गतिशीलता संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग भी बिना झिझक मैदान में उतरते हैं। आधा रन लेने जैसी छूट इसे और रोचक बनाती है। इस खेल ने कई जिंदगियों को नई दिशा दी है। 62 वर्षीय कप्तान मार्क कहते हैं कि यहां प्रतिभा से ज्यादा भागीदारी और खुशी मायने रखती है। साल 2022 में दोनों घुटनों के ऑपरेशन के बाद ग्राहम दो स्टिक के सहारे चलते थे। वॉकिंग क्रिकेट से जुड़ने के महज 18 महीनों में उनका वजन एक-चौथाई कम हो गया और उन्होंने एक ओवर में छह छक्के जड़कर सबको हैरान कर दिया। सेना के दिनों में माल्टा के लिए खेल चुके जॉन कहते हैं कि रिटायरमेंट के बाद इस खेल ने उन्हें नई जिंदगी दी है। कई बार खिलाड़ियों को यह भी याद नहीं रहता कि मैच कौन जीता क्योंकि यहां जीत से ज्यादा मायने मुस्कान के हैं। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, इस खेल में दौड़ने की सख्त मनाही है। यह क्रिकेट का एक धीमा, सुरक्षित और सरल प्रारूप है, जिसे विशेष रूप से बुजुर्गों और चलने-फिरने में परेशानी (मोबिलिटी इश्यूज) का सामना कर रहे लोगों के लिए डिजाइन किया गया है।

साउथ अफ्रीका की सुपर-8 में लगातार दूसरी जीत

वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया

अहमदाबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने गुरुवार के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की।

वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन बनाए। 177 रन का टारगेट साउथ अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान ऐडन मार्करम ने नाबाद 82 और रायन रिकेल्टन 45 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने नाबाद 52 रन बनाए। जबकि जेसन होल्डर 49 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बॉश को 2-2 विकेट मिले। होल्डर-शेफर्ड

ने रिकॉर्ड साझेदारी की टीम ने एक समय 83 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने 8वें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके टीम को 170 पार पहुंचा दिया। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 8वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के करीब, भारत की राह आसान साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है।

मातृत्व के सपनों को साकार करने में सरकारी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका : राजनरसिम्हा

स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों एवं कर्मचारियों की सराहना की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि बांझपन (इन्फर्टिलिटी) की समस्या से जूझ रहे दंपतियों के मातृत्व के सपनों को साकार करने में सरकारी आईवीएफ केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने गांधी अस्पताल और पेटलाबुर्जु अस्पताल के आईवीएफ केंद्रों में कार्यरत डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। मंत्री ने बताया कि गांधी आईवीएफ सेंटर में अक्टूबर 2024 तथा पेटलाबुर्जु आईवीएफ सेंटर में दिसंबर 2024 से प्रजनन संबंधी चिकित्सा सेवाएं शुरू की गईं। अब तक दोनों केंद्रों के माध्यम से लगभग 27,300 लोगों को फर्टिलिटी सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े राज्य में बढ़ती इन्फर्टिलिटी समस्या को दर्शाते हैं और इससे अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि मातृत्व का सपना पूरा करने के लिए लोगों को निजी आईवीएफ केंद्रों में जाकर आर्थिक बोझ उठाने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसी दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। जल्द ही वारंगल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का

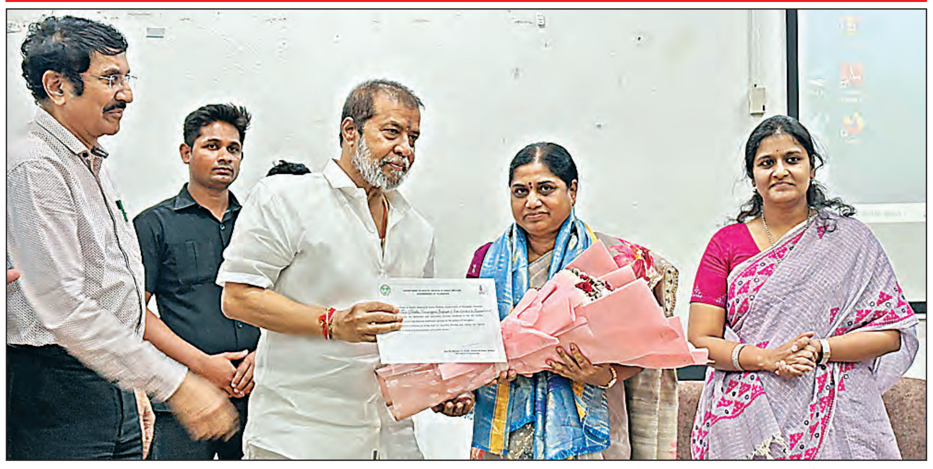

उद्घाटन किया जाएगा, जहां एक आईवीएफ सेंटर स्थापित किया जा रहा है। इसके अलावा अदिलाबाद रिम्स, कोंडापुर एरिया अस्पताल और निजामाबाद गवर्नमेंट जनरल अस्पताल में भी आईवीएफ केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार भवन, आधारभूत सुविधाएं और स्टाफ की नियुक्ति कर सकती है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना डॉक्टरों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मांगी गई पदोन्नतियां दी जा रही हैं, आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा टीवीवीपी को डायरेक्टरेट में परिवर्तित किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्यूटी से अनुपस्थित रहने या लापरवाही बरतने को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कुछ अस्पतालों में कम उपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने डीएमएचओ, डीसीएच और सुपरिंटेंडेंट्स को गंभीरता से कार्य करने, क्षेत्रीय दौरे करने और आकस्मिक निरीक्षण कर लापरवाहों के विरूद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें सरकारी डॉक्टरों और कर्मचारियों पर पूरा विश्वास है। जनता हम पर भरोसा करती है, हमें सामूहिक प्रयासों से उस विश्वास को बनाए रखना है।, कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव क्रिस्टिना जेड चोंग्तु, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त संगीत सत्यनारायण, आरोग्यश्री सीईओ उदय कुमार, डीएमई नरेंद्र कुमार, टीवीवीपी आयुक्त अजय कुमार और लोक स्वास्थ्य निदेशक रवींद्र नायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी आईवीएफ सुविधा से जन्मा राज्य का पहला शिशु : मंत्री

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सरकारी आईवीएफ सेवाओं के माध्यम से जन्म लेने वाले पहले शिशु के रूप में एक नवजात बालिका ने नया इतिहास रच दिया है। गांधी अस्पताल के आईवीएफ सेंटर में उपचार प्राप्त करने वाली पहली महिला ने हाल ही में एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया। सरकारी क्षेत्र में आईवीएफ सुविधा के जरिए जन्मा यह राज्य का पहला शिशु माना जा रहा है।

इस उपलब्धि को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया जा रहा है। इस अवसर पर इंडियन इंस्टीट्यट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिंह ने गांधी अस्पताल आईवीएफ सेंटर के डॉक्टरों और कर्मचारियों को बधाई दी।

विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सौ दिवसीय विशेष अभियान : राव

मुख्य सचिव ने विशेष मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में विभिन्न कल्याणकारी एवं विकास कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 100 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत संचालित किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ-साथ मंत्रीगण और जनप्रतिनिधि भी भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने आज डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में विशेष मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विशेष मुख्य सचिव जयरामेश रंजन, विकास राज, सी.वी. आनंद, संजय कुमार, महेश दत्त एक्का, सब्यसाची घोष, नवीन मित्तल, दाना किशोर, अहमद नदीम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने बताया कि 28 फरवरी को आयोजित सचिवों की बैठक में मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त 1 मार्च (रविवार) को जिला कलेक्टरों की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि 2 मार्च से 9 जून तक चलने वाले इस 100 दिवसीय अभियान के लिए सभी विभाग अपनी विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें तथा जिला कलेक्टरों की बैठक के लिए एजेंडा शीघ्र तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस अवधि में विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रीगण द्वारा किया जाएगा। जिन सरकारी भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, उन्हें उद्घाटन हेतु तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने विशेष रूप से ग्रामीण विकास, नगर प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत राज, कृषि, राजस्व, पर्यटन, उद्योग, महिला एवं बाल कल्याण, आवास, विद्युत तथा श्रम सहित सभी विभागों को 100 दिन की ठोस कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने नव-निर्वाचित सरपंचों और नगर निकाय अध्यक्षों के लिए स्वच्छता, ग्रामीण विकास और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर भी बल दिया। साथ ही सचिवालय एवं सभी विभागाध्यक्ष (एचओडी) कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए गए।

तेलंगाना में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 45 आईएएस अधिकारियों का तबादला

महबूबाबाद, करीमनगर, विकाराबाद के जिलाधिकारी बदले गये

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आईएएस अधिकारियों के बड़े पैमाने पर ट्रांसफर किए गए हैं। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने आदेश जारी कर कुल 45 अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। राहुल बोज्जा को सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। उन्हें एक साथ ही पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण विभाग का प्रधान सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी दिया गया है।

संजय कुमार को पंचायती राज विभाग का विशेष प्रधान सचिव और दाना किशोर को आपदा प्रबंधन एवं राजस्व विभाग का विशेष प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। सरकार ने गौरव उप्पल को वित्त एवं योजना विभाग का सचिव, एम. हनुमंत राव को एन्डोवमेंट्स का कमिश्नर और डी. दिव्या को प्रजावाणी की राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसी क्रम में एन. श्रीधर को आईटीईएंडसी एवं उद्योग विभाग में प्रधान सचिव के रूप में तैनात किया गया है और खनिज एवं भूविज्ञान विभाग में उनका अतिरिक्त चार्ज जारी रहेगा। साब्यसाची घोष को फ्लैगशिप कल्याण और विकासात्मक योजनाओं के कार्यान्वयन तथा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी का विशेष मुख्य सचिव पद सौंपा गया है। एम. दाना किशोर को विशेष मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन, राजस्व विभाग में अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। अद्वैत कुमार सिंह को विशेष सचिव (परियोजनाएं और सीएसएस) तेलंगाना भवन, नई दिल्ली में तैनात किया गया है। कलेक्टर स्तर पर भी व्यापक बदलाव किए गए हैं। महाबूबाबाद जिले में स्नेहा शबरिश, करीमनगर में चित्रा मिश्रा, राजन्ना सिरसिल्ला में गरिमा अग्रवाल, विकाराबाद में दीपक तिवारी, भद्राद्री कोत्तागुडेम में अंकित, वारंगल/जीडब्लूएमसी में चाहत बाजपाई को नए कलेक्टर के रूप में तैनात किया गया है। जीएचएमसी और स्थानीय निकायों में भी कई अधिकारियों का स्थानांतरण हुआ है। जोनल कमिश्नर और अतिरिक्त कलेक्टर की पोस्टिंग में बदलाव किया गया है और अधिकारी विभागीय जिम्मेदारियों को एफएसी व्यवस्थाओं के साथ संभालेंगे। इस बड़े फेरबदल से राज्य प्रशासन की दक्षता बढ़ाने, विकास कार्यों की गति सुनिश्चित करने और विभागीय कार्यों को सुचारू रूप से चलाने की उम्मीद जताई जा रही है।

भूदान और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण तीन गिरफ्तार

खम्मम, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। खानापुरम हवेली पुलिस ने खम्मम शहरी मंडल के वेलुगुमटला राजस्व क्षेत्र में भूदान और सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी विनोबा नवोदय कॉलोनी के तल्लूरी कृष्णा और मनकिडी लिंगा राजू तथा मुलागुडेम निवासी मुदिगा रामुलु हैं। आरोप है कि आरोपियों ने गिरोह बनाकर ओपीडीआर भूदान समिति के सदस्य होने का झूठा दावा किया और भोले-भाले लोगों से भूदान भूमि में मकान बनाने का वादा कर 40,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक की रकम वसूली।

कर्मचारी ही सच्चे ब्रांड एंबेसडर : विवेक

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के श्रम, रोजगार, खान एवं भूविज्ञान मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि किसी भी संस्था के कर्मचारी उसके वास्तविक ब्रांड एंबेसडर होते हैं और प्रगतिशील नीतियों के क्रियान्वयन में मानव संसाधन (एचआर) विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वे गुरुवार को हैदराबाद के एचआईसीसी में एसौचेम द्वारा आयोजित तृतीय एचआर समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संतुष्टि सीधे तौर पर उत्पादकता से जुड़ी होती है। डॉ. वेंकटस्वामी ने उद्योग जगत से पुनः जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपने पूर्व कार्यकाल को याद किया जब वे सीआईआई के अध्यक्ष रहे थे। उन्होंने अपने पिता काका वेंकटस्वामी को भी स्मरण किया, जिन्होंने संयुक्त आंध्र प्रदेश तथा केंद्र सरकार में श्रम मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं।

मंत्री ने कहा कि पहले एचआर विभाग को कम महत्व दिया जाता था, लेकिन अब यह किसी भी संगठन का अनिवार्य अंग बन चुका है। प्रतिभाशाली कर्मचारियों को बनाए रखना और उत्पादकता बढ़ाना आज भी एचआर पेशेवरों के सामने बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार कौशल विकास को प्राथमिकता दे रही है। मौजूदा आईटीआई संस्थानों को टाटा की सीएसआर पहल के सहयोग से एडवांस्ड ट्रेनिंग सेंटर्स (एटीसी) में उन्नत किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई एटीसी स्थापित किए जाएंगे, जो इसी वर्ष शुरू होने की संभावना है। मंत्री ने उद्योग जगत से इन केंद्रों से प्रशिक्षित युवाओं की भर्ती करने तथा भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप नए पाठ्यक्रम सुझाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन के लिए विभागीय अधिकारियों को उद्योगों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

1 मार्च से नए वाहनों पर लगेगा सड़क सुरक्षा उपकर

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने यातायात प्रबंधन और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए 1 मार्च से नए वाहनों की खरीद पर सड़क सुरक्षा उपकर लगाने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में परिवहन विभाग ने मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत आदेश जारी कर दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह उपकर गैर-परिवहन वाहनों के पंजीकरण के समय वसूला जाएगा। वाहन की श्रेणी के आधार पर 2,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा।

सेवा में मानवता सर्वोपरि रखें डॉक्टर : कोमटिरेड्डी

> सरकारी मेडिकल कॉलेज का वार्षिकोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़कों एवं भवन तथा सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि चिकित्सा सबसे श्रेष्ठ पेशा है और डॉक्टरों को सफेद कोट की गरिमा के अनुरूप करुणा एवं समर्पण के साथ गरीबों की सेवा करनी चाहिए। वे नलगोंडा के सरकारी मेडिकल कॉलेज के वार्षिकोत्सव 'अद्वितीय-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मेडिकल छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ मानवीय मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। मंत्री ने कॉलेज की समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए छात्रों के लिए दो वातानुकूलित बसों की स्वीकृति की घोषणा की, जिन्हें एक माह के भीतर उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि डॉ. नागेश्वर रेड्डी (एआईजी हॉस्पिटल्स) ने हर वर्ष 45 स्नातकोत्तर छात्रों को शोध अनुभव के लिए अपने संस्थान में अवसर देने पर सहमति जताई है और इस संबंध में शीघ्र ही एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे। मंत्री ने नलगोंडा में 900 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन आउटर रिंग रोड परियोजना का उल्लेख करते हुए शहर को स्मार्ट एवं मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने का संकल्प दोहराया।

भय और संकोच को दूर रखकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें : पोन्नम

> परीक्षा तैयारी पर प्रेरणात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अबिड्स स्थित स्टेनली गर्ल्स हाई स्कूल के ऑडिटोरियम में हैदराबाद जिला शिक्षा विभाग के तत्वावधान में संकल्प फाउंडेशन के सहयोग से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा तैयारी पर प्रेरणात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर दासरी हरिचंदना, डीईओ रोहिणी, युवा खिलाड़ी नैना जायसवाल, संकल्प फाउंडेशन के प्रतिनिधि, मोटिवेशनल स्पीकर्स तथा हैदराबाद जिले के विभिन्न विद्यालयों के दसवीं कक्षा के विद्यार्थी शामिल हुए।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि दसवीं कक्षा जीवन का महत्वपूर्ण चरण है और यह भविष्य की नींव रखने वाला पहला बड़ा कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परीक्षा के दौरान भय और संकोच को दूर रखकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें। आपने पूरे वर्ष परिश्रम किया है, अब केवल आत्मविश्वास और समय प्रबंधन के साथ परीक्षा का सामना करना है। मंत्री ने बताया कि वे स्वयं और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी सरकारी स्कूलों में पढ़े हैं। सरकार सरकारी विद्यालयों को प्राथमिकता देते हुए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, इसलिए किसी प्रकार की हीन भावना न रखें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे उच्च लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम से सफलता प्राप्त करें, जिससे परिवार और समाज का नाम रोशन हो। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रिवीजन करने, टाइम-टेबल बनाकर पढ़ाई करने, छोटे-छोटे लक्ष्य तय कर उन्हें पूरा करने तथा पुराने प्रश्नपत्रों का अभ्यास करने की सलाह दी।

परीक्षा के दौरान टीवी, मोबाइल और अनावश्यक मित्र मंडली से दूरी बनाए रखने को कहा। मंत्री ने स्वास्थ्य पर ध्यान देने, पर्याप्त नींद लेने और संतुलित आहार लेने की भी सलाह दी। अंतिम समय में तनाव न लें। अपने आप पर विश्वास रखें। आप अवश्य सफल होंगे।, उन्होंने कहा और सभी विद्यार्थियों को आगामी दसवीं परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता की शुभकामनाएं दीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.